रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, रविवार 30 जून 2024, वर्ष 10, अंक 176 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

## ट्रेन के रिजर्व कोच में नहीं चलेगा ऑफलाइन वेटिंग टिकट:रेलवे बोर्ड के निर्देश; केवल जनरल कोच में ही कर सकते हैं यात्रा

***नई दिल्ली*** *-अगर आप वेटिंग टिकट लेकर ट्रेन में यात्रा कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। रेलवे बोर्ड के आईजी/मुख्यालय सर्वप्रिया मयंक ने उत्तर पश्चिम रेलवे के आईजी ज्योति कुमार सतीजा सहित सभी जोनल रेलवेज को ट्रेनों में निरंतर चेकिंग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रिजर्व कोच में खिड़की से लिया वेटिंग टिकट भी मान्य नहीं है। वेटिंग टिकट वाले यात्री को रिजर्व कोच में बिना टिकट ही माना जाएगा।*

*इन्हें रोकने के लिए ट्रेनों में लगातार जांच अभियान चलाएं। इसमें आरपीएफ और कॉमर्शियल विभाग के साथ जीआरपी को भी शामिल करें। वेटिंग वाले यात्री ट्रेन गुजरने के आधे घंटे पहले तक काउंटर से टिकट कैंसिल करवा सकते हैं। दरअसल, रेल मदद ऐप पर 10 दिन में 13 हजार यात्रियों ने शिकायत की थी कि रिजर्व कोच में अनधिकृत यात्रियों के चढ़ने के कारण कंफर्म टिकट होने के बाद भी सीट नहीं मिलती। 8 रूट की 55 ट्रेनों में चलाया चेकिंग अभियान, बेटिकट व वेटिंग वाले यात्रियों पर जुर्माना रेलवे के सीनियर पीआरआई राकेश ने बताया कि प्रिंसिपल सीसीएम नरसिंह की अनुशंसा पर डीआरएम विकास पुरवार ने सीनियर डीसीएम (को) केके मीना और सीनियर डीसीएम (जी) बीसीएस चौधरी को चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए।*

*जयपुर-फुलेरा, फुलेरा-अजमेर, जयपुर-रेवाड़ी, जयपुर-सवाई माधोपुर, जयपुर-रिंगस, फुलेरा-रेवाड़ी, रींगस-सीकर-चूरू-झुंझुनूं रूट की ट्रेनों में सरप्राइज टिकट चेकिंग अभियान चलाया। करीब 55 ट्रेनों में 4616 बेटिकट व वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को पकड़ा गया। इनसे 21.66 लाख जुर्माना वसूला गया। सूत्रों के अनुसार जयपुर सहित चारों मंडलों में इस तरह का अभियान जारी रहेगा।*

*काउंटर टिकट भी ई-टिकट की ही तरह, वेटिंग टिकट से रिजर्व कोच में यात्रा पर जुर्माना रेलवे के रिजर्वेशन एक्सपर्ट अजय कश्मीरी बताते हैं कि नियमानुसार ई-टिकट की तरह ही स्टेशन के रिजर्वेशन काउंटर से लिया गया टिकट वेटिंग में होने पर ट्रेन में यात्रा के लिए मान्य नहीं होता, लेकिन काउंटर से लिए गए वेटिंग टिकट पर जनरल कोच में यात्रा के लिए अलग से जनरल टिकट नहीं लेना होगा। वेटिंग टिकट से रिजर्व कोच में यात्रा करने पर टीटीई जुर्माना वसूल सकता है। ई-टिकट का पैसा सीधे खाते में आ जाता है, जबकि काउंटर से लिए टिकट के रिफंड के लिए वापस काउंटर पर जाना होगा।*

## संसद में नीट पर हंगामा... स्टालिन ने राहुल, पीएम समेत 8 राज्यों के सीएम को लिखा पत्र

*नई दिल्ली*

NEET-UG एग्जाम में अनियमितताओं पर सियासी घमासान चरम पर है। संसद में इस मुद्दे की गूंज सुनाई दी। नीट मामले पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी दलों ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया। इस वजह से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी दल NEET परीक्षा और अन्य परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर तुरंत चर्चा की मांग कर रहे थे। वहीं सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर चर्चा होनी थी। सत्तापक्ष और लोकसभा अध्यक्ष की ओर से विपक्षी सांसदों को समझाने की कोशिशें हुईं। हालांकि, बात नहीं सकी जिसके चलते सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। दूसरी ओर नीट परीक्षा खत्म करने को लेकर एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 8 राज्यों के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने राहुल गांधी को भी पत्र लिखा है।

**नीट पर सियासी घमासान तेज** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर प्रदेश को NEET से छूट की मांग को उठाने का अनुरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने INDIA गठबंधन से अपने विधानसभाओं में NEET परीक्षा के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने का अनुरोध किया। तमिलनाडु विधानसभा ने शुक्रवार को एक बार फिर आम सहमति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से आग्रह किया कि वह राज्य को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) से छूट दे। उन्होंने ये भी अपील किया कि 12वीं की परीक्षा के नंबर्स के आधार पर छात्रों को मेडिकल पाठ्यक्रमों में एंट्री देने की अनुमति दे। बीजेपी सदस्यों के विरोध और सदन से वॉकआउट के बीच प्रस्ताव पारित हुआ। इसमें केंद्र से राष्ट्रीय मेडिकल आयोग अधिनियम में संशोधन करने और नीट में कथित अनियमितता के मद्देनजर कई राज्यों में विरोध बढ़ने के चलते देशव्यापी परीक्षा को समाप्त करने का आह्वान किया गया है। **स्टालिन ने लेटर लिखकर की ये अपील** हालांकि, बीजेपी की सहयोगी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन की ओर से पेश किए गए प्रस्ताव का समर्थन किया। स्टालिन ने तर्क दिया है कि यह परीक्षा भेदभावपूर्ण है और ग्रामीण और गरीब छात्रों को मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने के अवसर से वंचित करती है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने दावा किया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' राज्यों को योग्यता मानदंड के रूप में 12वीं पास छात्रों को मेडिकल शिक्षा में प्रवेश देने के उनके अधिकार से वंचित करती है।

## झारखंड सरकार उन सभी महिलाएं एवं बालिकाओं को जिनकी उम्र 25 से 49 वर्ष है 1000 का पेंशन देने जा रही

**रांची**। मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वालंबन योजना के तहत झारखंड सरकार उन सभी महिलाएं एव बालिकाओं को जिनकी उम्र 25 से 49 वर्ष है 1000 का पेंशन देने जा रही है// जिसका ऑनलाइन फॉर्म जुलाई महीने से सुरु होने जा रही है।* इसके लिए ग्राम पंचायत में कैंप का आयोजन किया जायेगा समय निर्धारित नही किया गया है अभी हम लोगो का प्रशिक्षण चल रहा है तो जिनको भी इस योजना में आवेदन करना है उनसे आग्रह है की पहले से अपना दस्तावेज बनवा ले जेसे की सूची में दिया जा रहा है । यह कुछ दस्तावे है जो लगेंगे तो इसमें से को भी आपके पास मौजूद न हो वो अपना जल्द से जल्द आवेदन करवा के बनवा ले इस वक्त जेसे दस्तावेज के आधार पर आपका आवेदन रिजेक्ट ना हो । जिसमे जरूरी दस्तावेज व्यवस्था कर लेंगे जुलाई से फॉर्म भरने का काम चालू हो जायेगा।

1.आधार कार्ड
2. वोटर कार्ड
3. राशन कार्ड
4. जाति प्रमाण पत्र
5. आवासीय प्रमाण पत्र
6. आय प्रमाण पत्र
7. आयु प्रमाण पत्र
8. पासपोर्ट साइज फोटो

## इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 के फोरकोर्ट की छत गिरने के बाद शनिवार को टर्मिनल-1 से न कोई उड़ान उड़ी और न ही कोई उड़ान पहुंची

***नई दिल्ली***। *इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 के फोरकोर्ट की छत गिरने के बाद शनिवार को टर्मिनल-1 से न कोई उड़ान उड़ी और न ही कोई उड़ान पहुंची। टर्मिनल एक की सभी उड़ानों को टर्मिनल दो व तीन पर स्थानांतरित कर दिया गया हैफिलहाल इसकी जानकारी नहीं दी गई है कि टर्मिनल पर उड़ानों का संचालन कब से शुरू होगा, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि इसमें दो से ज्यादा महीनों का समय लग सकता है।शनिवार को एयरपोर्ट के टर्मिनल एक पर चहलपहल काफी कम रही। यात्रियों को पहले ही इस बात की जानकारी मिलने की वजह से न ही कोई यात्री टर्मिनल-1 पर पहुंचा और न ही कोई कैबिन क्रू मैंबर नजर आए। टर्मिनल के अंदर सीआईएसएफ के जवान भी आराम से कुर्सियों पर बैठे नजर आए।*

*पता नहीं, कब सामान्य होगा आवागमन यात्रियों के न होने की वजह से वह भी खाली बैठे दिखे। सूत्रों का कहना है कि कम से कम दो महीने का समय छत की मरम्मत में लग सकता है, क्योंकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि नुकसान कितना हुआ है। ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि टर्मिनल-1 पर फिर कब से उड़ानों का आवागमन सामान्य होगा*

*टर्मिनल-1 की सभी उड़ानें ट्रांसफर एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से शनिवार सुबह जानकारी दी गई कि दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन सामान्य है। सभी उड़ानों का संचालन टर्मिनल-दो और तीन से किया जा रहा है। टर्मिनल एक से सभी उड़ानों को टर्मिनल दो व तीन पर स्थानांतरित कर दिया गया है। टर्मिनल-1 से इंडिगो-स्पाइसजेट की उड़ानें आईजीआई एयरपोर्ट के तीनों टर्मिनल से प्रतिदिन लगभग 1400 उड़ानों का संचालन होता है। इनमें से सबसे ज्यादा उड़ानों का संचालन टर्मिनल दो व तीन से होता है। वहीं, टर्मिनल एक से इंडिगो और स्पाइसजेट की घरेलू उड़ानें संचालित होती हैं।*

*यात्रियों की सुविधा के लिए इंडिगो व स्पाइसजेट ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। उड़ान को लेकर कोई समस्या होती है तो वेबसाइट पर भी जानकारी लगातार अपडेट की जा रही है।*

## भारतीय सेना के पांच जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद : राहुल गांधी

***नई दिल्ली***। *सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लद्दाख त्रासदी में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है।शनिवार 29 जून को सोशल मीडिया एक्स पर संवेदना व्यक्त करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा," लद्दाख में टैंक से नदी पार करने के सैन्य अभ्यास के दौरान हुए हादसे में भारतीय सेना के पांच जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है।उन्होंने कहा,"सभी शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। दुख की इस घड़ी में हम उनके साथ खड़े हैं, उनका समर्पण, सेवा और बलिदान देश सदा याद रखेगा।"*

## बढ़ते प्रदूषण को रोकने और हम सबकी धरती माँ की रक्षा हेतु पवित्रम वन महोत्सव

**धनबाद** : बढ़ते प्रदूषण को रोकने और हम सबकी धरती माँ की रक्षा हेतु पवित्रत सेवा परिवार सभी सामाजिक- धार्मिक संस्थाओं को साथ जोड़ कर प्रथम चरण मे धनबाद क्षेत्र मे 5100 वृक्ष एवं बीज लगाने का संकल्प लिया है जिसमें आप सबकी भागेदारी अपेक्षित है I आगामी रविवार दिनाँक 30 जून को बरवाड्डा के आसपास क्षेत्र मे वैदिक मंत्रोचार के साथ वृक्षारोपण किया जाएगा I आप भी अपने तरफ से बीज या वृक्ष लेकर आ सकते है या अपनी संस्था के बैनर के साथ जुड़ सकते है I हमारा लक्ष्य है हम सब मिलकर अपनी धरती माँ को हरा भरा बनाये I इस कार्यक्रम का श्री गणेश धनबाद के गणेश पेट्रोल पंप (अपना ढाबा के पास,NH-2, BARWADDA के पास) से किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथी के तौर पर श्री मति सावित्री देवी जी ( धनबाद के सांसद श्री ढुल्लू महतो जी की धर्मपत्नी) को आमंत्रित किया गया है I समयः प्रातः 11 बजे हमारे प्रधानमन्त्री जी ने भी आह्वान किया है एक पेड़ माँ के नाम हम लोगों को किसी भी प्रकार ज्यादा से ज्यादा और प्रभावी वृक्षारोपण करना है ताकि हम पर्यावरण रक्षा के यज्ञ मे अपनी ज्यादा से ज्यादा आहुति दे सके I

## झारखंड सरकार के सभी सरकारी सेवकों( ग्रुप डी को छोड़कर) को अपनी चल-अचल संपत्ति का विवरण देना होगा

**रांची** । झारखंड सरकार के सभी सरकारी सेवकों( ग्रुप डी को छोड़कर) को अपनी चल-अचल संपत्ति का विवरण देना होगा । कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सरकारी सेवकों को एचआरएमएस पोर्टल के जरिए 15 जुलाई २०२४ तक संपत्ति का विवरण जमा करना अनिवार्य है । पांच साल की परफॉरमेंस रिपोर्ट भी जमा करनी होगी । राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को वर्ष- 2019-20, 2020-21, 2021-22, एवं 2022-23 का परफॉरमेंस स्वमूल्यांकन प्रतिवेदन जमा करना होगा । इसमें प्रतिवेदक पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून रखी गयी है, जबकि समीक्षी पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन मूल्यांकन की अंतिम तिथि 10 जुलाई और स्वीकरण पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन मूल्यांकन की अंतिम तिथि 20 जुलाई रखी गयी है ।

## झारखंड के 1040 सरकारी स्कूलो में बच्च अपनी मातृभाषा में पढ़ाई कर सकेंगे

***रांची***। *झारखण्ड राज्य के सरकारी विद्यालयों में बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाई शुरू होगी। 1,040 सरकारी विद्यालयों में विद्यालयों में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।इसके सफल संचालन तथा इससे जुड़े अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्त करने के लिए आठ जिलों के 45 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है।यहां के टीचर लेंगे प्रशिक्षण में भाग शिक्षकों को यह प्रशिक्षण रातू स्थित झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में एलएलएफ संस्था के सहयोग से दिया जा रहा है। शनिवार को शुरू हुई इस छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण में दुमका, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज, लातेहार, सिमडेगा के मास्टर ट्रेनर भाग ले रहे हैं।*

*प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर बहुभाषी शिक्षा के लिए राज्य-स्रोत-समूह के रूप में कार्य करेंगे तथा इनके द्वारा भविष्य में संबंधित जिलों के चयनित विद्यालयों के बहुभाषी शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को समयक रूप से प्रशिक्षित तथा अनुसमर्थन किया जाएगा।*

*भाषाविद् और लोकगीतकार ने प्रशिक्षण कार्यालय को किया संबोधित भारत में मातृभाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान के लिए यूनेस्को द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा पुरस्कार-2023 से सम्मानित प्रख्यात भाषाविद् और लोकगीतकार डॉ. महेंद्र कुमार मिश्रा ने प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि मातृभाषा में पढ़ने से बच्चों की भाषाई विकास में सुधार होता है।*

*यह उनकी शब्दावली, वाक्य रचना और वाक्यों का अर्थ समझने की क्षमता को बढ़ावा देता है। बच्चे अपने परिवार, मित्र, और समाज के साथ संवाद आसानी से कर पाते हैं। साथ ही बच्चों को शिक्षा की सुगमता मिलती है, जिससे उनकी शिक्षा में रुचि बनी रहती है।*

*मातृभाषा में शिक्षा की समझ जरूरी' प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली की तकनीकी विशेषज्ञ स्मृति मिश्रा ने कहा कि प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चो की बुनियादी शिक्षा में मातृभाषा के प्रति उनकी समझ और बहुभाषी शिक्षा सीखना महत्वपूर्ण है।*

*साथ ही बहुभाषी शिक्षा उन्हें अन्य भाषाओं के साथ भी संवाद करने की क्षमता प्रदान करती है। बताते चलें कि राज्य के 259 विद्यालयों में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम का संचालन पहले से किया जा रहा है, जिसे वर्तमान शैक्षणिक सत्र में राज्य के 1,040 विद्यालयों में विस्तारित करने की योजना प्रस्तावित है।*

## चीन सीमा पर श्योक नदी पार करते समय फंसा टैंक, सेना के पांच जवानों की मौत

**नई दिल्ली**। चीन सीमा पर लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में सैन्य अभ्यास करके लौट रहे पांच जवानों की शुक्रवार रात करीब 1 बजे श्योक नदी पार करते समय मौत हो गई। लद्दाख के न्योमा-चुशूल इलाके में श्योक नदी का जलस्तर बढ़ने से टी-72 टैंक फंस गया और सेना के 5 जवान बह गए। शनिवार को सभी सैनिकों के शव बरामद कर लिए गए। इनमें एक जूनियर कमीशन्ड ऑफिसर (जेसीओ) भी हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के पांच बहादुर जवानों की जान जाने पर शोक व्यक्त किया है।

दरअसल, सेना के जवान सैन्य अभ्यास के बाद शुक्रवार देर रात करीब एक बजे टैंक टी-72 टैंक से लौट रहे थे। टैंक पर रिसालदार एमआर के रेड्डी, दफादार भूपेंद्र नेगी, लांस दफादार अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान और नागराज पी सवार थे। यह मिलिट्री टैंक पूर्वी लद्दाख के सासेर ब्रांगसा में श्योक नदी पार कर रहा था, तभी पानी का लेवल अचानक बढ़ गया और सभी जवान टैंक सहित नदी में डूबने लगे।

लेह की फायर एंड फ्यूरी 14 कॉर्प्स के मुताबिक यह हादसा एलएसी के चुशूल से 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास हुआ। अचानक जलस्तर बढ़ने से जेसीओ और चारों जवान लापता हो गए। शनिवार को जानकारी मिलने पर रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। नदी में तेज बहाव और जलस्तर के कारण जवानों को बचाया नहीं जा सका। पांचों जवानों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जिनकी पहचान रिसालदार एमआर के रेड्डी, दफादार भूपेंद्र नेगी, लांस दफादार अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान और नागराज पी सवार पार करते समय हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में भारतीय सेना के पांच बहादुर जवानों की जान जाने से मैं बहुत दुखी हूं। हम देश के लिए अपने वीर जवानों की अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।' कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लद्दाख में टैंक के नदी पार करने के सैन्य अभ्यास के दौरान हुए हादसे में भारतीय सेना के पांच जवानों की शहादत का समाचार दुखद है। दुख की इस घड़ी में हम सभी शहीद जवानों के परिजनों के साथ खड़े हैं।

**भारतीय सेना के लिए क्यों अजेय है टी-72**

आमतौर पर टी-72 टैंक पर कमांडर, एक गनर और एक ड्राइवर होता है। इस टैंक का वजन 45 टन के करीब है, जो 780 हॉर्सपावर जनरेट करता है। इसे न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल और केमिकल हमलों से बचने के लिए बनाया गया है। टैंक पर 12.7 एमएम एंटी एयरक्राफ्ट मशीन गन लगी हुई है, जिससे एक बार में एक साथ 300 राउंड फायर होते हैं। इस टैंक का वजन 45 टन के करीब है, जो 780 हॉर्स पावर जनरेट करता है। इसमें फुल एक्सप्लोसिव रिऐक्टिव आर्मर भी होता है। हालांकि, हादसे के वक्त इस पर 5 जवान सवार थे। यह टैंक 5 मीटर (16.4 फीट) गहरी नदियों को पार करने की क्षमता रखता है। यह एक छोटे डायमीटर वाले स्नोकंल की मदद से नदी पार करता है। पानी के अंदर टैंक का इंजन बंद होने पर इसे 6 सेकेंड के भीतर चालू करना जरूरी होता है। ऐसा नहीं करने पर कम दबाव होने के कारण इंजन में पानी भर जाता है।

## घोटालाबाजों के खिलाफ शीघ्र ही रांची के डोरण्डा अथवा धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराउंगा

**रांची।** मेनहर्ट घोटाला के अभियुक्तों पर कार्रवाई के लिए माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय में दायर मेरी रिट याचिका पर गत 26 जून को आदेश हुआ है। इस आदेश के आलोक में घोटालाबाजों के खिलाफ शीघ्र ही राँची के डोरण्डा अथवा धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराउंगा। मेरी याचिका खारिज करते हुए विद्धान न्यायाधीश ने मुझे तीन विकल्प दिया है, जो निम्नवत् हैः- 1) मैं झारखण्ड उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश की खंडपीठ द्वारा 28 सितंबर, 2018 में दिये गये आदेश के क्रियान्वयन कराने के लिए उच्च न्यायालय की खंडपीठ में जाँउ, 2) मैं घोटाला के दोषियों के विरूद्ध थाना में भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के अनुरूप प्राथमिकी दर्ज कराउं और जाँच की मांग करूं, 3) मैं सक्षम न्यायालय में कार्रवाई हेतु मुकदमा दायर करूं। अपने अधिवक्ता के परामर्श के अनुसार मैंने दूसरा विकल्प चुना है और शीघ्र ही राँची के डोरण्डा अथवा धुर्वा थाना में उच्च न्यायालय के निदेशानुसार प्राथमिकी दर्ज कराउंगा। मांग करूंगा कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने इस मामले में बंद लिफाफा में जो प्राथमिक जाँच रिपोर्ट माननीय उच्च न्यायालय को सौंपा है, पुलिस उस रिपोर्ट को एसीबी से प्राप्त करे और उस पर कार्रवाई करे। उल्लेखनीय है कि एसीबी ने इस मामले में प्राथमिक जाँच किया है और मेरी रिट याचिका की सुनवाई के समय माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा मांगे जाने के बाद इसे बंद लिफाफा में न्यायालय को सौंपा है। इस प्राथमिक जाँच रिपोर्ट में उन सभी अभियुक्तों के नाम हैं, जिनके विरूद्ध कार्रवाई के लिए थाना में एफआईआर करने का निर्देश माननीय उच्च न्यायालय ने दिया है। गत 26 जून को जब झारखण्ड उच्च न्यायालय ने मेरी रिट याचिका खारिज करने का निर्णय लिया तो घोटालाबाज और घोटालाबाजों के समर्थकों ने इसे मेरे लिए एक बड़ा झटका बताया और ऐसा माहौल बनाया कि न्यायालय ने इस संबंध में मेरे आरोपों को खारिज कर दिया है। दो दिन बाद 28 जून को न्यायालय का निर्णय आने के बाद इनके मुँह पर तमाचा लगा है। कारण कि न्याय-निर्णय में माननीय न्यायाधीश ने मेरी याचिका में उल्लिखित उन बिन्दुओं का जिक्र किया है, जिसके अनुसार मेनहर्ट के परामर्शी चयन में भारी अनियमितताएँ हुई हैं। मेरी रिट याचिका को माननीय न्यायालय ने केवल इस आधार पर खारिज किया है कि इस विषय में 28 सितंबर, 2018 को माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश की खंडपीठ ने पहले ही निर्णय दिया है कि ''सरकार जाँच के निष्कर्षों पर कार्रवाई करे।'' परन्तु तत्कालीन सरकार ने इस पर कार्रवाई नहीं किया, इसलिए उच्च न्यायालय का कहना है कि इस मामले में एक बार जब दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने निर्णय दे दिया है तो उस पर एकल पीठ द्वारा विचार करना उचित नहीं है। इसलिए न्यायालय ने निर्देश दिया है कि या तो मैं 28 सितंबर, 2018 के दो न्यायाधीशों की खंडपीठ द्वारा दिये गये निर्णय को लागू कराने के लिए खंडपीठ के समक्ष जाउं अथवा थाना में एफआईआर दर्ज करांउ या सक्षम न्यायालय में मुकदमा दर्ज करूं। मैंने दूसरा विकल्प चुना है।

# 60 फीसदी एमएसएमई 2025 तक कारोबार को डिजिटलीकृत करने की बना रहे योजना

**रांचीः** भारत सरकार के विकास एजेंडा के साझेदार के रूप में जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी की एंटरप्राइज़ शाखा वी बिज़नेस ने विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर राष्ट्रव्यापी अध्ययन 'वी बिज़नेस रैडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट स्टडी (वॉल्युम 2.0 2024) के परिणाम जारी किए हैं। यह व्यापक अध्ययन 16 सेक्टरों- आईटी एवं आईटीईएस, फाइनैंशियल सर्विसेज़, परिवहन, निर्माण, रीटेल, कृषि, मीडिया एवं एंटरटेनमेन्ट, मैनुफैक्चरिंग आदि में एमएमएसई की डिजिटल परिपक्वता पर रोशनी डालता है और बताता है कि वे किस तरह अपने संचालन में डिजिटलीकरण और टेक्नोलॉजी को अपना रहे हैं। इसके अलावा वी बिज़नेस ने बेहतर डिजिटल असेसमेन्ट टूल को हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों में लॉन्च किया हे, जो उनके समर्पित एमएसएमई प्रोग्राम रुरैडी फॉर नेक्स्ट का विस्तार है। यह मूल्यांकन तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करता है- डिजिटल कस्टमर, डिजिटल वर्कस्पेस और डिजिटल बिज़नेस। प्रतिक्रिया के आधार पर यह टूल यूज़र विशिष्ट रिपोर्ट देता है, जिसमें बिज़नेस के डिजिटल मच्योरिटी स्कोर, संबंधित डिजिटल प्रोडक्ट एवं सुझाव के लिए उद्योग जगत के अनुसार बेंचमार्क आदि बताए जाते हैं। वी बिज़नेस रैडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट स्टडी वॉलयुम 2.0, 16 उद्योगों- आईटी एवं आईटीईएस, फाइनैंशियल सेक्टर, कृषि, प्रोफेशनल सर्विसेज़, शिक्षा, पर्यटन एवं आतिथ्य, स्वास्थ्यसेवाएं आदि में भारत के 1.6 लाख एमएसएमई के साथ किए गए सर्वे पर आधारित है। डिजिटल दक्षता में विभिन्नताओं पर रोशनी डालने के लिए एमएसएमई को सेक्टर, संचालन की लोकेशन और कंपनी के अध्ययन पर बात करते हुए अरविंद नेवातिया, चीफ़ एंटरप्राइज़ बिज़नेस ऑफिसर, वोडाफोन आइडिया ने कहा कि वी बिज़नेस में हम भारत के विकास में एमएसएमई की भूमिका और अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को समझते हैं। हमारा व्यापक एमएसएमई अध्ययन भारत में छोटे कारोबारों के द्वारा की जा रही प्रगति तथा उनके डिजिटल रूपान्तरण में आने वाली चुनौतियों पर रोशनी डालता है। इसके अलावा यह भारत का सबसे बड़ा एमएसएमई आधारित डिजिटल असेसमेन्ट अध्ययन है, जो ऐसे संगठनों से जुड़े रोचक पहलुओं को बताता है। वी बिज़नेस भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाला और एमएसएमई को उनकी विकास की क्षमता का लाभ उठाने में सक्षम बनाने वाला महत्वपूर्ण साझेदार है।

## हल्ला बोल कार्यक्रम के पहले दिन आज रांची जिला चान्हो प्रखंड, में कार्यालय में ज्ञापन सौंपा

**चान्हो :** प्रखण्ड में राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार और प्रशासनिक हुआ कार्यक्रम हल्ला बोल कार्यक्रम के पहले दिन आज रांची जिला चान्हो प्रखंड, में कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। कल भी पार्टी द्वारा राज्य के विभिन्न प्रखंडों में हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन होगा।* भ्रष्टाचार के खिलाफ झारखंड में आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम शुरू, 6 जुलाई को होगा समापन झारखंड में विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही पार्टीयों ने तैयरी शुरू कर दी है. इसी क्रम में आजसू ने आज से राज्य सरकार के खिलाफ हल्ला बोल कार्यक्रम की शुरुआत की।

## चान्हो की युवती चलती ट्रेन से ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच में गिर गई

शुक्रवार (28 जून) को शाम में करीब 4 बजे रांची रेलवे स्टेशन यह घटना हुई. जैसे ही युवती ट्रेन के नीचे गिरी ऑपरेशन सेवा के तहत आरपीएफ के कर्मचारी तत्काल उसकी मदद के लिए पहुंच गए. आरपीएफ के कर्मचारियों ने ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच रेलवे लाइन के किनारे गिरी युवती को किसी तरह खींचकर बाहर निकाला। तमिलनाडु के लिए ट्रेन पकड़ने चान्हो से रांची आई थी युवती प्राथमिक चिकित्सा के बाद युवती को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया. युवती ने अपना नाम मोनिका कुमारी बताया है. उसकी उम्र 21 वर्ष है. उसके पिता का नाम बिरसा उरांव है. युवती रांची जिले के चान्हो थाना क्षेत्र के डाकघर ताला गांव की रहने वाली है. उसे 13351 धनबाद-अलप्पुझा एक्सप्रेस से तमिलनाडु जाना था।

## बीबीए, बीसीए बी. कॉम की सीटों में वृद्धि करे मारवाड़ी महाविद्यालयः विशाल कुमार यादव

**रांची।** आज दिन शनिवार को युवा आजसू का प्रतिनिधिमंडल मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य से मुलाकात कर उन्हें बीबीए, बीसीए,बी. कॉम की सीटों मे वृद्धि करने की मांग को लेकर मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र सौंपते हुए विशाल कुमार यादव ने कहा की हर एक वर्ष के भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं मारवाड़ी महाविद्यालय में बीबीए बीसीए विषय में सीटों की कमी के कारण नामांकन से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य से मांग किया के मारवाड़ी महाविद्यालय में इन विषयो मे सीटों की संख्या में वृद्धि करते हुए द्वितीय पाली में इसकी पढ़ाई चालू की जाए। उन्होंने प्राचार्य को अवगत कराते हुए कहा लगभग 15 दिन पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य से इस मामले पर बातचीत हुई थी उन्होंने आश्वासन भी दिया था कि जल्द सीटों की संख्या में वृद्धि करते हुए सेकंड शिफ्ट में बीबीए बीसीए को चालू किया जाएगा। परंतु 15 दोनों बीच जाने के बावजूद भी इस मामले पर महाविद्यालय द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। अगर बीवीए और बीसीए की सीटों की संख्या में वृद्धि नहीं की गई तो युवा आजसू आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

## हेमंत सोरेन से युवा राजद के अध्यक्ष रंजन कुमार ने की मुलाकात

**रांचीः** पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उच्च न्यायालय से जमानत मिलने पर झारखंड प्रदेश युवा राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष रंजन कुमार ने सीएम आवास में मुलाक़ात किया। हेमंत सोरेन के जमानत पर रंजन कुमार ने हर्ष जताते हुए माननीय उच्च न्यायालय का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सत्य परेशान हो सकता पराजित नहीं। भाजपा के लाख झूठे आरोपों और साजिशों के बाद भी सत्य की जीत हुई है। रंजन कुमार ने आगे कहा उच्च न्यायालय का फैसला ने भाजपा के मुंह पर कालिख पूतने के जैसा है साथ ही ईडी, सीबीआई, आईटी का दूरूपयोग कर विपक्षी नेताओं को जेल भेजने का साजिश का पर्दाफाश हैं। रंजन कुमार ने कहा कि हेमंत सोरेन के बाहर आने से महागठबंधन में नई उर्जा का संचार हुआ है और आने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड की चार करोड़ जनता भाजपा को चार सीट पर लाने का काम करेगी।

## मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से विधायक संजीव सरदार ने मुलाकात की

**रांची।** मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से आज बूटी रोड, मोरहाबादी रांची स्थित आवास में पोटका विधायक संजीव सरदार ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को विधायक श्री संजीव सरदार ने पोटका विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराते हुए समस्याओं के निराकरण हेतु आग्रह किया है। मुख्यमंत्री से उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिले में सर्वेक्षण के आधार पर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के संवर्द्धकरण हेतु चिन्हित विद्यालयों में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के माचेत/मास्टर चयन प्रक्रिया में आ रही विसंगतियों को दूर करने का भी निवेदन किया है। मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं को प्राथमिकता के तौर पर निदान किए जाने का भरोसा उन्हें दिया है।

## चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को किया सम्मानित

**रांचीः** दी इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया, रांची शाखा द्वारा शनिवार को आईसीएआई भवन रांची में रांची के सांसद और रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया।

इस समारोह में रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ जी का अभिनन्दन करते हुए इंस्टिट्यूट के रांची शाखा के चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बगला ने कहा कि कि संजय सेठ परिश्रम करने वाले, लोगों के लिए हमेशा शुलभ रहने वाले और कर्मठ नेता है जिसके कारण रांची की जनता ने इन्हे लगातार दूसरी बार अपना सांसद चुना है। संजय सेठ के मंत्री बनने राज्य की जनताओं के साथ साथ हमारी भी अपेक्षा है कि झारखण्ड राज्य में औद्योगिकरण तेजी से बढ़ेगा।

इस सम्मान समरोह में अपने विचार प्रकट करते हुए रक्षा राज्य मंत्री श्री सेठ ने रांची के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और आई सी ए आई को धन्यवाद देते हुए कहा कि देश और राज्य में उद्योग धंधों और व्यावसायिक विकास में वित्त और वित्त से जुड़े कानूनों के विशेषज्ञ होने का कारण चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का महत्वपूर्ण भूमिका है | उन्होंने कहा कि वे रांची के लिए आज भी एक आम कार्यकर्ता हैं और उनका हमेशा यह कोशिश है कि वे हर जरूरतमंद तक सीधे पहुंचकर उनकी समस्याओं का निदान कर सकें। उनका प्रयास है कि रांची को एक स्वच्छ, सुरक्षित और हर सुविधाओं से सुसज्जित बना सकें। उन्होंने उपस्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स से कहा कि कुछ दिनों में संसद में बजट सत्र शुरू होने वाली यदि आपलोगों के पास इस बजट के लिए किसी भी तरह कि सुझाव हो तो वे वित्त मंत्री से उन्हें सीधे मुलाकात करवा सकते हैं ताकि वे अपने सुझाव रख सकें।

इस कार्यक्रम कि अध्यक्षता करते हुए इंस्टिट्यूट के रांची शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए सुमित अग्रवाल ने रक्षा राज्यमंत्री से आग्रह किया कि रांची में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की संख्या 1250 से ज्यादा हो चुका है। साथ ही पुरे राज्य भर से सीए कोर्स के लिए विद्यार्थी रांची आते है। इसलिए रांची के प्रस्तावित स्मार्ट सिटी में लगभग 2 एकड़ भूमि दिलाने की प्रयास करें ताकि रांची में भी सीए कोर्स करने वालों को रांची शाखा हर तरह कि सुविधा प्रदान कर सके।

इस कार्यक्रम का संचालन सीए प्रभात कुमार ने किया। इस सम्मान समारोह में इंस्टिट्यूट के रांची शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए अविनाश दीवान, सीए राजेश श्रीवास्तव, सीए आरके गारोडिया, सीए महेन्दर जैन, सीए जे पी शर्मा, सीए उदय जायसवाल, सीए पंकज मक्कड़, सीए प्रवीण सिन्हा, सीए सूर्य नारायण राजगारिया, सीए राजीव कमल बिट्टू, सीए रिंकू खेमका, सीए अंजना अग्रवाल, सीए निशा अग्रवाल, सीए विनय विभाकर, सीए राधेश्याम अग्रवाल और फेडरेशन ऑफ़ झारखण्ड चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष सीए रणजीत गारोडिया सहित काफी संख्या में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स उपस्थित थे।

## बारिश और उमस भरे मौसम को देखते हुए पारस अस्पातल की सलाह

खान-पान में सावधानी बरते और हमेशा हाइड्रेटेड रहें

**रांचीः** तपती गर्मी के बाद बारिश के मौसम की शुरूआत हो चुकी है। गर्मियों के बाद जब अचानक से बारिश का मौसम आता है, तो कुछ लोगों को एलर्जी के लक्षण होने लगते हैं। यह स्किन एलर्जी या श्वसन प्रणाली से संबंधित एलर्जी हो सकती है। इसमें आमतौर पर त्वचा में खुजली, लालिमा, सूजन, जुकाम, छींक व खांसी आदि के लक्षण देखे जाते हैं। बारिश का मौसम बैक्टीरिया व वायरस को बढ़ने में मदद करता है। ऐसे में कई लोग बारिश के मौसम में बीमारियों से परेशान रहते हैं। पारस अस्पताल के डॉ. परमार शिव कृष्ण ने इस मौसम में बचाव के तरीके बताए हैं। डॉक्टर के अनुसार गर्मी और उमस बढ़ने से समर कोल्ड यानि नजला, जुकाम खांसी और वायरल बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। कारण है कि मौसम में उमस से शरीर पर पसीना आता है। इसमें ठंडा पानी या बर्फ का सेवन करने से बचना चाहिए। ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करने से गला खराब होने, नजला, जुकाम, खांसी होने के साथ वायरल बुखार होने की आशंका रहती है। इसमें छींक आना, नाक बंद होना, या नाक बहना गले में खराश होना आदि लक्षण होते है। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए खान-पान में सावधानी बरतनी चाहिए। फ्लू और सर्दी जैसे संक्रमणों से बचने के लिए गर्म और सूखा रहना महत्वपूर्ण है। बरसात के मौसम के बाद कई बार गर्मी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए अपने हाइड्रेटेड करते रहे। अगर गलती से भीग भी गए हैं, तो तुरंत शरीर को सुखाएं और कपड़े बदलें। इसके बाद चाय-कॉफी जरूर पिएं। नहाने के लिए गुनगुने पानी का प्रयोग करें।

डॉक्टर ने कहा कि कभी अचानक से गर्मी बढ़ जाती है, तो कभी बारिश का मौसम हो जाता है। वहीं, जिन इलाकों में रिमछिम बरसात देखने को मिल रही है, वहां इसकी वजह से उमस भी देखने को मिल रही है। मौसम में लगातार इस तरह के बदलाव सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह हो सकता है। क्योंकि इस दौरान हमारा शरीर लगातार मौसम में ढलने की कोशिश करता है। इस तरह के लगातार बदलाव के दौरान हमारे शरीर की इम्यूनिटी काफी प्रभावित होती है। इस दौरान लोग काफी अधिक बीमार पड़ते हैं। ऐसे में अपनी सेहत का बहुत खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। स्वस्थ रहने के लिए हर मौसम में शरीर का हमेशा हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी होता है। इसलिए गर्मी और उमस को मात देने के लिए मानसून में पानी, जूस, नारियल पानी आदि जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहना चाहिए।

## रांची में पुलिस अधिकारी सुरक्षित नहीं तो आम लोगों का क्या हाल होगाः संजय सेठ

**रांचीः** केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने रांची में बढ़ते अपराधी घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राजधानी में पुलिस अधिकारी सुरक्षित नहीं तो आम लोगों का क्या हाल होगा। राजधानी रांची में अपराधी बेलगाम हो गए हैं। ज्ञात हो कि शुक्रवार को बिरसा चौक में ज्वेलर्स दुकान में कुछ अज्ञात अपराधियों द्वारा करीब डेढ करोड रुपए की आभूषण लूट ली और ज्वेलर्स दुकान के संचालक रामनाथ वर्मा और उनके बेटे ओम वर्मा को गोली मारकर घायल कर दिया। शनिवार को दिल्ली से रांची पहुंचने पर साकेत नगर हिनू उनके आवास जाकर उनके परिवार जनों से मिलकर घटना की पूरी जानकारी ली और पारस हॉस्पिटल जाकर घायलों से मिलकर उनका हाल जाना। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि इस सरकार में अपराधी को खुली छूट मिली हुई है। इधर एक महीने में कई लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है। आज राजधानी में व्यापारी हो या आमजन सब में भय व्याप्त है। पुलिस हाथ पर हाथ धरी बैठी है। पूरा सिस्टम ध्वस्त हो गया है। रोजाना रोज हत्याएं हो रही है। रोज लूट की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। सरकार का प्रशासन पर से अंकुश हट गया है। जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है । श्री सेठ ने प्रशासन से रांची में कानून व्यवस्था अभिलंब दुरुस्त करने को कहा।

## ट्रांसपेर्टर पर 14 लाख का माल गबन का मामला दर्ज़

**रांची :** फिल्मी स्टाइल में घटना को अंजाम देते हुए रास्ते से 12 चक्का गाड़ी के साथ 14 लाख का वायर गायब हो गया है। राजधानी रांची के रहने वाले महफूज स्टील नामकुम फार्म के मलिक ने बताया कि हमारा माल आ रहा था, 12 चक्का गाड़ी में भरकर अचानक गाड़ी समेत माल ड्राइवर खलासी किसी का आता पता नहीं मैने 11 जून 2024 को अगरवाल इंडस्टरीज रायपुर ट्रेडर्स रुंगटा से माल खरीदा। इसके लिए बैंक के द्वारा आरटीजीएस से पैसा 14 लाख 25375 रुपए भेजो। तब रुंगटा माइन्स कंपनी के अस्थाई और रजिस्टर्ड ट्रांसपोर्टर श्री श्याम रोड लाइन कमरा संख्या 12 ट्रांसपोर्टर नगर डिमना मांगो जमशेदपुर जिसका संचालक चिंटू सी है। माल लोड होने के पहले श्री श्याम रोड लाइंस के कर्मचारी अजय कुमार सिंह ने 11 जून को व्हाट्सएप से गाड़ी का नंबर बी 11ga 7911 और ड्राइवर का मोबाइल नंबर दिया गाड़ी माल लेकर 12 जून को निकाला। उसके कर्मचारी अजय कुमार सिंह ने माल वायर हरदा 25 टन 660 मत लोड किया और इनवॉइस और बिल्टी भेजि ड्राइवर से लगातार बात होता रहा 13 जून शाम 3:00 बजे के करीब मोबाइल बंद आ रहा है ड्राइवर का, इसके बाद ट्रांसपोर्टर से बात किया उसके बाद ट्रांसपोर्टर का कहना है कि मैं कुछ नहीं जानता। मैं माल भेज दिया हूं और अक्रोसित होकर मुझे ही डांटने लगा मैंने इसकी शिकायत सरायकेला थाने में भी की है और रांची एसपी को भी इसकी सूचना दे दी है सरकार और प्रशासन से मैं आग्रह करता हूं कि मेरी मदद करें।

## हेमंत और कल्पना सोरेन से मिले अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम

**रांची।** जेल से बाहर आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन का स्वागत करने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम भी श्री सोरेन के आवास पहुंचे और पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर श्री सोरेन की धर्मपत्नी और गांडेय विधानसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थिति थीं। इस मौके पर श्री आलम ने कहा कि सत्य की हमेशा जीत होती है और भारतीय संविधान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि निर्दोष के साथ कभी अन्याय नहीं होगा। उन्होंने इस बात के लिए भी श्री सोरेन की सराहना की कि जेल में रहकर भी उन्होंने अपने झामुमो परिवार को एकजुट बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। श्री आलम ने श्रीमती सोरेन का भी साधुवाद किया कि पति के जेल जाने के बाद भी उन्होंने मजबूती के साथ सांप्रदायिक ताकतों का डटकर मुकाबला किया और झारखंडी एकता को बिखरने नहीं दिया।

## इस्लाम नगर के लाभुको को जुलाई के अंत तक शिफ्ट करायेंः अरवा

**रांचीः** राजधानी रांची की हृदय स्थली मे नव निर्मित इस्लाम नगर के लाभुकों को जुलाई के अंत तक हरहाल में शिफ्ट कराने निर्देश दिया गया है। यह निर्देश नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव श्री अरवा राजकमल ने दिया है। श्री राजकमल ने शनिवार को जुपमी के सभागार में सभी नगर निकायों द्वारा क्रियान्वित कराई जा रही योजनाओं की समीक्षा की। राजकमल ने रांची नगर निगम के प्रशासक अमीत कुमार को निर्देश दिया आनि में निर्मित लेप्रोसी कालोनी का हैंड ओवर जुडको से लेकर लाटरी आयोजित की जाये और आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाय। इस योजना के लाभुकों को शिफ्ट भी कराया जाये। लेप्रोसी कालोनी जी प्लस एक के तहत सात ब्लाक मे बना है। सभी 256 आवासों मे राज्य सरकार की ओर से पंखा,ट्यूब लाइट, डोर वेल, वाटर एवं बिजली कनेक्शन दिया गया है। लेप्रोसी प्रभावित लाभुको को प्रधानमंत्री आवास योजना ( शहरी ) के तहत निशुल्क आवास राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। जल्द बाउंड्री वाल भी बनेगा। सचिव ने रांची नगर निगम के प्रशासक अमीत कुमार को निर्देश दिया कि इस्लाम नगर कालोनी को हैंड ओवर लेकर जुलाई के अंत तक हर हाल मे लाभुको शिफ्ट करा दिया जाये। यहां लाभुको को 6.25 लाख कीमत वाले एक आवास के लिए सिर्फ 50 हजार रुपये देने पड़े है। इस्लाम नगर मे 21 करोड़ रुपये की लागत से कुल 291 आवास जी प्लस तीन की शैली मे बने हैं। यहां भी आवास मे लाभुको को सभी संसाधन मुफ्त मुहैया कराया गया है। यहां बाउंड्री भी है। समीक्षा के दौरान कई नगर निकाय कार्यपालक पदाधिकारियों ने सचिव को बताया कि पीएमएवाई वर्टिकल तीन के तहत लाभुको ने गैरमजरूआ जमीन पर सहायता राशि प्राप्त कर ली है।

## हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर राजद महिला प्रकोष्ठ ने जताया

**रांची।** झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (महिला प्रकोष्ठ) की अध्यक्ष रानी कुमारी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सच की जीत हुई है। न्यायपालिका ने सच का साथ दिया। परिणामस्वरूप श्री सोरेन जेल से बाहर आए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने एक सोची समझी साजिश के तहत पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भेजा। रानी कुमारी ने कहा कि झारखंड के विकास में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सक्रिय भूमिका रही है। श्री सोरेन की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर भाजपा ने मनगढ़ंत आरोपों के तहत उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट की टिप्पणी के बाद भाजपा के साजिश का पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण से यह पूर्णतया स्पष्ट हो गया है कि ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। शनिवार को राजद महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रानी कुमारी, राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष इम्तियाज वारसी, प्रदेश महासचिव भास्कर वर्मा सहित अन्य ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दी।

# मुख्यमंत्री से व्यापारियों को सुरक्षा दिलाने के लिए चैंबर से हस्तक्षेप की मांग

**रांचीः** बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वैलर्स में लूट और गोलीकांड की घटना के साथ ही राज्य की विधि व्यवस्था पर चिंता जताते हुए अध्यक्ष किशोर मंत्री के नेतृत्व में फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, सोना चांदी व्यवसायी समिति और सर्राफा एसोसियेशन के पदाधिकारियों ने माननीय मुख्यमंत्री से मुलाकात कर भयमुक्त वातावरण के लिए ठोस कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमण्डल ने कहा कि रोजाना हो रही चोरी, डकैती, छिनतई और हत्या जैसी अप्रिय घटनाओं से राजधानी के साथ ही पूरे राज्य में भय का माहौल बना हुआ है, जिसपर त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने सुरक्षित माहौल देने का भरोसा दिलाते हुए व्यापारियों को भयमुक्त होकर व्यापार करने की अपील की। यह कहा कि सरकार व्यापारियों और जनता की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दो-चार दिनों में ही व्यवस्था में गुणात्मक सुधार देखने को मिलेंगे।

बताते चलें कि माननीय मुख्यमंत्री से मुलाकात से पूर्व सोना चांदी व्यवसायी समिति के आहवान पर दुकानें बंद कर आज सर्राफा व्यापारियों ने सैकडों की संख्या में चैंबर भवन में एकत्रित होकर राजधानी की विधि व्यवस्था का विरोध करते हुए व्यापारियों की सुरक्षा के लिए चैंबर अध्यक्ष से हस्तक्षेप का आग्रह किया। सोना चांदी व्यवसायी समिति के पदाधिकारियों ने राजधानी की विधि व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए चैंबर अध्यक्ष से इस मामले में मुख्यमंत्री और डीजीपी से मिलकर व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की। सोना चांदी व्यवसायी समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू और पूर्व अध्यक्ष दिलीप सोनी ने संयुक्त रूप से कहा कि हम सडकों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन जैसी स्थिति नहीं चाहते किंतु लगातार हो रही घटनाओं से व्यापारी भयभीत हैं। उन्होंने ज्वैलर्स व्यापारियों के इस विरोध में चैंबर का सहयोग मांगा और कहा कि यदि दो दिनों में स्थितियों में सुधार नहीं हुआ तब चैंबर के नेतृत्व में हम राज्यस्तर पर अपनी दुकानें बंद करने को बाध्य होंगे।

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि चैंबर व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है। राजधानी में केवल दुकानों में डकैती नहीं, राह चलते महिलाओं से चेन छिनतई जैसी घटनाएं घटित होने से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। सरकार को अविलंब ठोस कार्रवाई करने की आवश्यकता है ताकि व्यापारी सुरक्षित माहौल में व्यापार कर सकें। चैंबर महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि जब राजधानी ही सुरक्षित नहीं तब राज्य के अन्य जिलों में क्या होगा। हमारा काम व्यापार करना है और सुरक्षित माहौल देना प्रशासन का काम है। आये दिन डकैती, चोरी, छिनतई और गोलीकांड जैसी घटनाओं से व्यापारी वर्ग के साथ ही आमजन सर्घकित हैं। इससे आर्थिक गतिविधि भी प्रभावित हो रही है। कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया और रोहित पोद्दार ने संयुक्त रूप से पुलिस प्रशासन के सूचना तंत्र को मजबूत करने की बात कही।

चैंबर भवन में हुई इस बैठक में चैंबर के सह सचिव अमित शर्मा, शैलेष अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया, रोहित पोद्दार, चैंबर के पूर्व अध्यक्ष कुणाल अजमानी, सोना चांदी व्यवसायी समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, पूर्व अध्यक्ष दिलीप सोनी, व्यवसायी जितेंद्र सोनी, महेश सोनी, पुरषोतम सोनी, रवि सोनी, रिंकू सोनी, संजय सोनी समेत सोना चांदी के सैकडों व्यापारी उपस्थित थे।

## पी. एम. पोषण योजनान्तर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक

राहुल कुमार सिन्हा, उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, रांची जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटी के निर्देशानुसार बैठक वित्तीय वर्ष-2024-25 के लिए मध्याह्न भोजन का माह जून 2024 का आय व्यय का प्रस्ताव रखा गया छात्र/छात्राओं को ससमय मध्याह्न भोजन मिलता रहे यह सुनिश्चित करें

रांची।उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, रांची जिला स्तरीय स्टीयरिंग मॉनिटरिंग कमिटी, श्री राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार आज दिनांक- 29 जून 2024 को समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित सभागार में पी.एम. पोषण योजनान्तर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक रांची, श्री मिथलेश केरेकेट्टा, सिविल सर्जन कार्यालयरांचीकेप्रतिनिधिएवंसम्बंधितसभीअधिकारी/पदाधिकारीउपस्थितरहे।

मध्याह्न भोजन जिला के विद्यालयों में माह मई 2024 छात्रों की उपस्थिति 65.66 प्रतिशत रही। 1 लाख 33 हजार 102 बच्चे माह जून 2024 में मध्याह्न भोजन से लाभान्वित हुए मध्याह्न भोजन अंतर्गत चावल स्कूल स्टेप डिलीवरी बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में विद्यालयों तक चावल पहुंच के लिए निविदा के माध्यम से एजेंसी के द्वारा विद्यालय में चावल पहुंचाया गया था। इसमें निविदा एकरारनामा के अंतर्गत निविदा दाता द्वारा बैंक गारंटी उपलब्ध कराया गया था। बैंक के द्वारा पत्र के माध्यम से बताया गया है कि बैंक गारंटी की समय सीमा समाप्त हो चुकी है ऐसी स्थिति में उक्त राशि का क्या किया जाए। उपायुक्त रांची के निदेशानुसार उक्त राशि को जिला शिक्षा अधीक्षक के पद नाम से संचालित बैंक खाता में सुरक्षित रख लिया जाए। जब तक निविदा दाता द्वारा बैकलॉग चावल विद्यालय उपलब्ध नहीं कर दिया जाता तब तक वह राशि जिला शिक्षा अधीक्षक के पद नाम से संचालित खाता में सुरक्षित रहेगी।

जानकारी हो कि मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत जिले में कुल-2128 विद्यालयों में मध्याह्न भोजन संचालित है। इसके अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय-2190 एवं मध्य विद्यालय-791, उच्च विद्यालय-47 एवं मॉडल विद्यालय-08 उच्च विद्यालय में शामिल है।

## उप महापौर के प्रयासों से आदर्श विद्यालय बनने की ओर एक और कदम

**रांची** कांटाटोली स्थित राजकीय मध्य विद्यालय को आदर्श विद्यालय बनाने का उप महापौर के प्रथम कार्यकाल में किया गया वादा आज एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुँच गया। अपने उप महापौर निधि एवं अन्य मदों से विद्यालय में अनेक कार्य कराए गए, जिनमें क्लासरूम के लिए भवन निर्माण, बच्चों के वार्षिक कार्यक्रमों के लिए स्टेज का निर्माण, शेड का निर्माण और पूरे विद्यालय परिसर में पेवर्स ब्लॉक लगाने का काम शामिल है। इसके अलावा, पीने के पानी के लिए बोरिंग की व्यवस्था भी नगर निगम के द्वारा कराई गई।

पिछले वर्ष उप महापौर निधि से विद्यालय में भवन, शेड और स्टेज के निर्माण का शिलान्यास किया गया था, जिसका उद्घाटन आज विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। उद्घाटन के अवसर पर उप महापौर ने विद्यालय की वर्तमान स्थिति को देखकर अपनी संतुष्टि जाहिर की और बताया कि दस वर्ष पहले विद्यालय की स्थिति और आज की स्थिति में बहुत बड़ा अंतर आ चुका है, जिससे उन्हें सुखद अनुभूति प्राप्त हो रही है।

उद्घाटन समारोह के बाद विद्यालय परिसर में बच्चों और शिक्षकगणों के साथ वृक्षारोपण भी किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की प्रिंसिपल बेतूल जी, पूर्व उपाध्यक्ष महोदय सहित कई शिक्षक और बच्चे उपस्थित रहे।

यह सब प्रयास विद्यालय को एक आदर्श विद्यालय के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उप महापौर के इन प्रयासों से विद्यालय के बच्चों को एक बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हो रहा है।

## विधान सभा सचिवालय के मार्शल लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**रांचीः** झारखण्ड विधान सभा के विधायी शोध संदर्भ एवं प्रशिक्षण कोषांग द्वारा शनिवार को झारखण्ड विधान सभा सचिवालय के मार्शल , सहायक मार्शल एवं सुरक्षा कर्मियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में "सुरक्षा संवर्ग कर्मियों के कार्य एवं दायित्व" विषय पर झारखंड विधानसभा के मार्शल एवं सहायक मार्शल तथा सुरक्षा संवर्ग के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण देने के लिए संसाधन पुरुष के रूप में उत्तर प्रदेश विधानसभा से मार्शल ,कैप्टन मनीष चंद्र राय एवं बिहार विधानसभा से प्रधान मार्शल श्री उत्पल तथा झारखंड विधानसभा के सेवानिवृत्त संयुक्त सचिव श्री उदयभान सिंह सम्मिलित हुए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो पालियों में आयोजित किया गया । झारखंड विधानसभा सचिवालय की ओर से प्रशिक्षणार्थियों के अतिरिक्त झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर, उप सचिव रज्जी बंटी एवं अवर सचिव रवि प्रसाद कार्यक्रम में उपस्थित थे।

## जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति (खनन) की बैठक

उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक

अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम हेतु की गई कार्रवाई की समीक्षा

75 अभियुक्तों के विरुद्ध 13 FIR, 31.55 लाख का वसूला गया जुर्माना

अवैध रुप से भण्डारित 395000 घन फीट बालू जब्त, नियमानुसार नीलामी का निर्देश

विशेष अभियान चलाकर अवैध खनन, भण्डारण, परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश

रांची।उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में आज दिनांक 29 जून 2024 को अवैध खनन के रोकथाम हेतु जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में समिति के सदस्य उपस्थित थे।

75 अभियुक्तों के विरुद्ध 13 FIR, 31.55 लाख का वसूला गया जुर्माना

बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम हेतु की गई कार्रवाई की समीक्षा की गयी। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि रांची जिलान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिनांक 26.06.2024 तक अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण को लेकर विभिन्न थानों में 75 अभियुक्तों के विरुद्ध 13 प्राथमिकी दर्ज की गई है एवं 31.55 लाख जुर्माना भी वसूला गया है।

अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर पूर्णतः रोक सुनिश्चित करें - उपायुक्त

उपायुक्त, राहुल कुमार सिन्हा द्वारा बालू खनिज के अवैध खनन, भण्डारण, परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने अनुमण्डल पदाधिकारी सदर एवं बुण्डू को निर्देश दिया कि जिला के सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित थाना प्रभारी के सहयोग से विशेष अभियान चलाकर अंचलों में अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर पूर्णतः रोक सुनिश्चित करें। जिलान्तर्गत विभिन्न विभागों से अवैध खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्राप्त शिकायत पत्रों एवं विभिन्न समाचार पत्रों में अवैध खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्रकाशित समाचार के बाबत जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र सघन छापामारी अभियान चलाते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश उपायुक्त द्वारा दिया गया।

जब्त अवैध भंडारित बालू का नियमानुसार नीलामी का निर्देश

बैठक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा समिति को बताया गया कि जिलान्तर्गत अवैध रुप से कुल 395000 घनफीट बालू जब्त किया गया है। बुढ़मू अंचल से 200000 घन फीट, बुण्डू अंचल से 150000 घनफीट एवं नगड़ी अंचल से 45000 घनफीट अवैध भंडारित बालू जब्त किया गया। उपायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि उक्त बालू का संबंधित अंचलाधिकारी के देख-रेख में नियमानुसार यथाशीघ्र नीलामी की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा जिलान्तर्गत चिन्हित Category II बालूघाटों के बाबत ग्राम सभा से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की समीक्षा भी की गयी। उपायुक्त द्वारा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बुण्डू, तमाड़, सोनाहातु, सिल्ली, राहे एवं खलारी यथाशीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निदेशित किया गया।

वर्तमान में जिलान्तर्गत झारखण्ड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड द्वारा कोई भी बालूघाटों के संचालित नहीं होने की स्थिति में उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा निर्माण कार्य के लिए बालू की आपूर्ति यथासंभव सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी ली गयी। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा सभी सदस्यों को अवगत कराया गया कि जिलान्तर्गत बालू लघु खनिज के 22 खनिज विक्रेताओं का निबंधन स्वीकृत है, उक्त 22 खनिज विक्रेता निबंधनधारियों से बालू लघु खनिज की आपूर्ति प्राप्त की जा सकती है। उपायुक्त द्वारा जिन निबंधनधारियों द्वारा अब तक बिहार एवं बंगाल राज्य से बालू खनिज की आपूर्ति कर भण्डार किया गया है, उसके बाबत जाँचोपरान्त परमिट अनुमोदन की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। साथ ही उन्होंने भविष्य में पड़ोसी राज्यों से बालू खनिज की आपूर्ति वैध परिवहन चालान, जीपीएस रिकोर्ड एवं टोल प्लाजा के स्लिप के साथ प्राप्त होने पर परमिट अनुमोदन की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

## शनिदेव महाराज की पूजा-अर्चना कर भक्तजनों के बीच भोग का वितरण

**रांची**। झारखण्ड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सह प्रदेश प्रतिनिधि आदित्य विक्रम जयसवाल ने झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी की रिहाई के मौके पर आज रांची थड़पख़ना स्थित शनि मंदिर में भगवान शनिदेव महाराज की पूजा-अर्चना कर भक्तजनों के बीच भोग का वितरण किया।

इस मौके पर आदित्य जयसवाल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी की रिहाई होने पर सत्य की जीत हुई है। लोकतंत्र मजबूत हुई है। आमलोगों का माननीय अदालत के उपर विश्वास बरकरार रहा है। आदित्य विक्रम जयसवाल ने कहा कि शनिवार के दिन सच्ची श्रद्धा से भगवान शनिदेव की पूजा करने से भक्तों को उनकी कृपा अवश्य मिलती है और सारे दोष दूर होते हैं। मैं हमेशा राज्य के कल्याण, सुख-समृद्धि एवं शांति के लिए प्रार्थना करता रहता हूँ। सच्चे दिल से प्रार्थना की थी कि हेमंत सोरेन जी का रिहाई हो और वह मनोकमना पूर्ण हुआ है।

(आदित्य विक्रम जयसवाल) पूर्व अध्यक्ष झारखण्ड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस कमिटी सह प्रदेश प्रतिनिधि झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी।

## झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम सहित नौ आरोपितों की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ा दी गई

**रांची**। टेंडर कमीशन घोटाला मामले में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम सहित नौ आरोपितों की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ा दी गई है। सभी आरोपितों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में शनिवार को हुई। अब इनकी अगली पेशी 12 जुलाई को होगी। आरोपितों में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, संजीव लाल, जहांगीर आलम, ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्वमुख्य अभियंता वीरेंद्र राम, उनका भतीजा आलोक रंजन, हरीश यादव, नीरज मित्तल, रामप्रकाश भाटिया और तारा चंद शामिल हैं।

## विशेष लोक अदालत में 1.66 अरब से अधिक की परिसंपत्तियों का वितरण

**धनबाद**। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा कोयला नगर स्थित भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के सामुदायिक भवन में एक दिवसीय भू अधिग्रहण, राजस्व संग्रहण, पुनर्वास से संबंधित मुकदमों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। विशेष लोक अदालत में झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश सह झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री सुजीत नारायण प्रसाद, माननीय न्यायाधीश श्री आनंदा सेन, माननीय न्यायाधीश श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

## जल संचयन के तहत ग्राउंडवाटर रिचार्ज से संबंधित योजनाओं पर विशेष ध्यान दें अधिकारी

**धनबाद**। उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई।

बैठक के दौरान सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता पेयजल1 एवं 2, राज्य समन्वयक, स्वच्छ भारत मिशन संजय कुमार पांडेय के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से डीडीसी सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को धनबाद जिले में ओडीएफ एवं ओडीएफ प्लस के तहत अब तक हुए कार्यों की जानकारी दी गई वहीं उनके द्वारा ओडीएफ प्लस के अंतर्गत धनबाद जिले में एस्पायरिंग, राइजिंग व मॉडल के अंतर्गत गांव की हुई रेटिंग की भी जानकारी दी गई।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति का अनुश्रवण, ग्राम स्तर पर स्वच्छता,ठोस, तरल कचरा प्रबंधन के क्रियान्वयन के लिए ग्राम कार्य योजना तैयार करने, फाइव स्टार श्रेणी में गांव को ओडीएफ प्लस घोषित करने माहवार लक्ष्य का निर्धारण आदि बिंदुओं पर समीक्षा की गयी।

उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर स्वच्छता ,ठोस, तरल कचरा प्रबंधन के क्रियान्वयन के लिए ग्राम कार्य योजना तैयार करें और फाइव स्टार श्रेणी में गांव को ओडीएफ प्लस घोषित करने शत-प्रतिशत लक्ष्य का निर्धारण करें।

बैठक में प्रखंडवार ओडीएफ प्लस सहित अन्य बिंदुओं पर बारी-बारी से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दी जाए। बैठक के दौरान डीडीसी ने प्रखंडवार विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही ज्यादा से ज्यादा ओडीएफ प्लस सरंचनाओं यथा सामुदायिक सोकपिट, कम्पोस्ट पीट, ट्रेंच का निर्माण (मल कचरा प्रबंधन) स्वच्छता प्रबंधन करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीडीसी सादात अनवर, डीएसडब्लूओ अनिता कुजूर, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, बीडीओ, जिला समन्वयक,जिला जल एवं स्वच्छता विभाग के एई,जेई और कर्मी मौजूद थे।

## उप विकास आयुक्त ने की जिला टास्क फोर्स की बैठक

**धनबाद**। उप विकास आयुक्त सादात अनवर के द्वारा रूटीन टीकाकरण, वीपीडी निगरानी, आईडीसीएफ एवं मातृ शिशु स्वास्थ्य समेत स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में की गई।

बैठक के दौरान सर्वप्रथम डीडीसी ने सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन से नियमित टीकाकरण के तहत स्वास्थ्य विभाग के पूर्व में हुई जिला स्तरीय टास्कफोर्स की बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली। जिसके उपरांत डब्लूएचओ से डॉ अमित कुमार तिवारी के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से डीडीसी एवं बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को धनबाद जिले में बच्चों के नियमित टीकाकरण के तहत खसरा एवं रूबेला सहित बच्चों में नियमित टीकाकरण के अभाव में होने वाली विभिन्न बीमारियों को लेकर जिले में अब तक हुए कार्यों की जानकारी एवं उनमें किए जाने वाले सुधार के संबंध में किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया गया।

प्रोग्राम निर्धारित तिथि 1 जुलाई से 31 अगस्त तक चलाने हेतु चर्चा की गई। इस प्रोग्राम का उद्देश्य बच्चों में डायरिया के रोकथाम एवं प्रीवेंटिव मेजर को सुदृढ़ करना है। इस प्रोग्राम के दौरान सभी घरों में जहां 5 वर्ष के बच्चे हैं उनको ओआरएस और जिंक टेबलेट देना है और यह सुनिश्चित करना है कि डायरिया के लक्षण दिखने पर इसका उपयोग किया जा सके।

बैठक के दौरान डीडीसी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, चिकित्सकों सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को खसरा एवं रूबेला संबंधित मामलों की पहचान हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने एवं सर्विलेंस सिस्टम में सुधार के तहत सदर अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों आदि में आने वाले बच्चों जिनमे घमौरी के साथ-साथ बुखार के लक्षण हो उन्हें चिन्हित कर डीआरसीएचओ एवं डब्लूएचओ के चिकित्सकों के संज्ञान में लाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उपायुक्त ने आम जनों तक खसरा एवं रूबेला से संबंधित विभिन्न भ्रांतियों को दूर करने एवं किसी भी बच्चे में इसका लक्षण दिखने पर त्वरित रूप से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करने के प्रति लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया।

## बिना परिवहन चालान बालू लदे 2 हाईवा जब्त

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने अहले सुबह 4.30 बजे पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र में औचक जांच अभियान चलाया।

इसकी जानकारी देते हुए खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक ने बताया कि उपायुक्त के द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में सुबह लगभग 4:30 बजे पूर्वी टुण्डी थाना प्रभारी मदन चौधरी, गस्ती दल के स.अ.नि. नाथुनी ठाकुर एवं सशस्त्र बल के साथ संयुक्त रूप से खनिजों के अवैध खनन व परिवहन के विरूद्ध पूर्वी टुण्डी थाना अंतर्गत शंकरडीह चौक के समीप औचक रूप से छापामारी की गई। छापामारी के क्रम में 2 बालू लदे हाईवा को बिना परिवहन चालान के परिवहन करते हुए पकड़ा गया।

इसमें एक हाईवा यूपी 64 टी 1039 पर लगभग 500 घनफीट और दूसरे हाईवा, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर और इंजन व चेसिस नंबर घिसा हुआ है, पर लगभग 500 घनफीट बालू लदा हुआ पाया गया। वाहनों को पकड़ने के क्रम में मौके का फायदा उठाकर दोनों वाहनों के वाहन चालक वाहनों को छोड़कर फरार हो गए। जाँच के क्रम में उपरोक्त दोनों वाहनों पर बालू खनिज से संबंधित कोई भी वैध कागजात या परिवहन चालान (फॉर्म डी-) आदि नहीं पाया गया।

## पी. एम. पोषण योजनान्तर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक

**रांची**। उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, रांची जिला स्तरीय स्टीयरिंग मॉनिटरिंग कमिटी, श्री राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार आज दिनांक- 29 जून 2024 को समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित सभागार में पी.एम. पोषण योजनान्तर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक रांची, श्री मिथलेश केरेकेट्टा, सिविल सर्जन कार्यालयरांचीकेप्रतिनिधिएवंसम्बंधितसभीअधिकारी/पदाधिकारीउपस्थितरहे।

मध्याह्न भोजन जिला के विद्यालयों में माह मई 2024 छात्रों की उपस्थिति 65.66 प्रतिशत रही। 1 लाख 33 हजार 102 बच्चे माह जून 2024 में मध्याह्न भोजन से लाभान्वित हुए। मध्याह्न भोजन अंतर्गत चावल स्कूल स्टेप डिलीवरी बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में विद्यालयों तक चावल पहुंच के लिए निविदा के माध्यम से एजेंसी के द्वारा विद्यालय में चावल पहुंचाया गया था। इसमें निविदा एकरारनामा के अंतर्गत निविदा दाता द्वारा बैंक गारंटी उपलब्ध कराया गया था।

# उच्च शिक्षा में ऊंची उड़ान के लिए

उच्च शिक्षा हासिल कर विश्वविद्यालय-कॉलेजों में अध्यापन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए आनेवाला समय संभावनाओं से भरा है. नये केंद्रीय विश्वविद्यालयों के खुलने और विभिन्न विश्वविद्यालयों में नयी रिक्तियां आने से यह क्षेत्र काफी आकर्षक बन गया है. लेकिन दूसरे क्षेत्रों के उलट यह क्षेत्र लंबी और समर्पण भरी तैयारी की मांग करता है. आइए जानें कैसे बढ़ाएं कदम शिक्षा की इस आकर्षक दुनिया में.

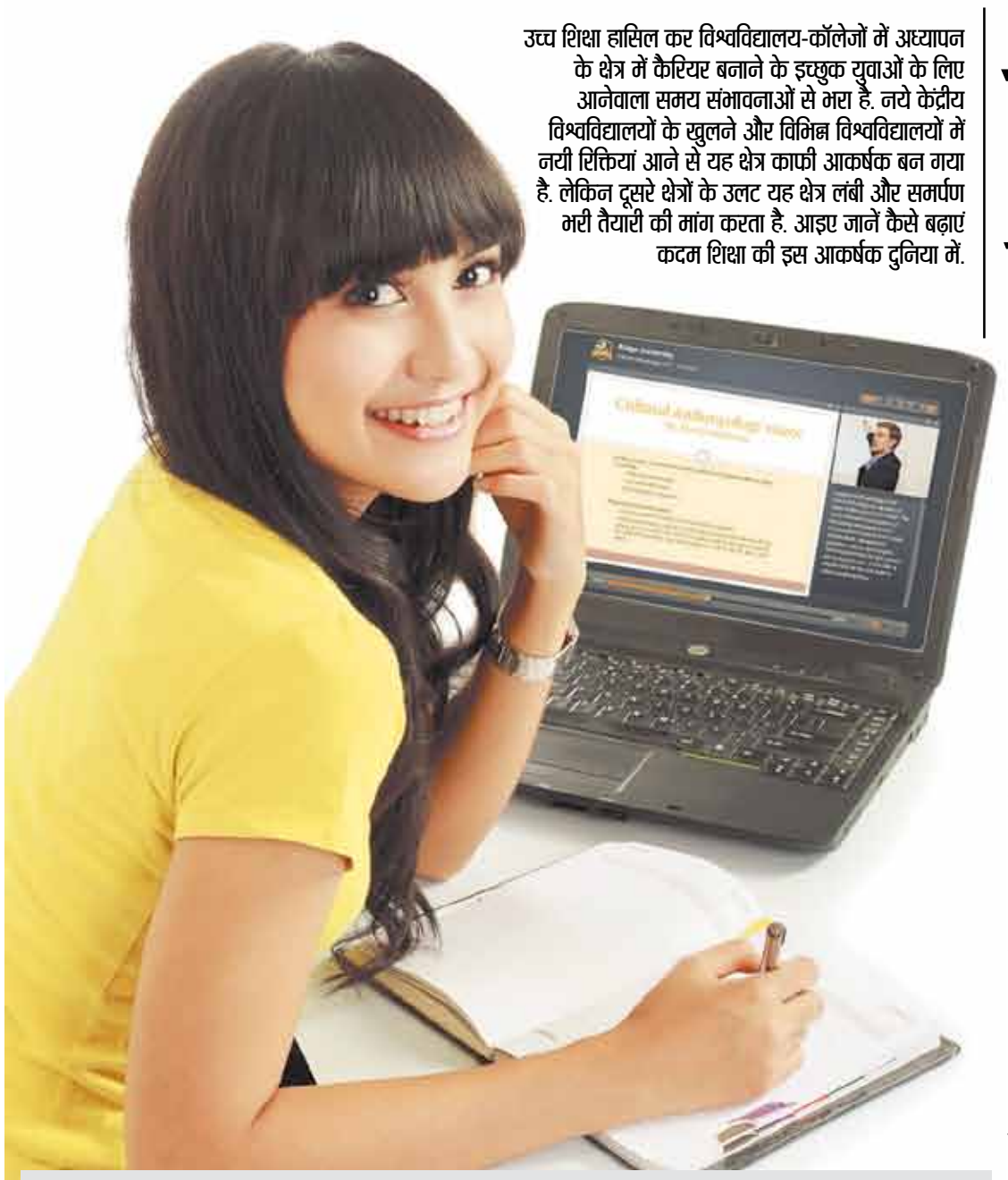

पिछले दिनों एमफिल और पीएचडी करने के बाद भी उम्मीदवारों को एकेडेमिक्स क्षेत्र में कदम बढ़ाने के लिए नेट उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता पर बहस छिड़ी थी. अंतत- इस शर्त को मान लिया गया. कहा गया कि मौजूदा समय में फैकल्टी की भारी कमी के कारण यह फैसला लिया गया है. सैम पित्रौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में पहले से ही 1,500 विश्वविद्यालय हैं और अभी 14 नयी इनोवेशन यूनिवर्सिटीज खुलनी हैं. लेकिन मौजूदा विश्वविद्यालयों में ही फैकल्टी की कमी होने से नये विश्वविद्यालय इस स्थिति से कैसे निबटेंगे, यह समझना मुश्किल है. फिर भी उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाते समय अधिकांश युवाओं के जेहन में सपना होता है कि वे आनेवाले समय में कॉलेज, विश्वविद्यालय में पढ़ायेंगे. विश्वविद्यालय में पढ़ाने के लिए न्यूनतम योग्यता के बारे में तो सब जानते हैं, पर उस योग्यता के साथ नौकरी पक्की नहीं होती है. इस क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए उम्मीदवारों को लगातार अपनी योग्यता में इजाफा करना होता है.

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ाने की शुरुआत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद से होती है. ज्यादातर जगहों पर आ रही रिक्तियों के विज्ञापन से पता चलता है कि इस पद के लिए चयन अब प्वॉइंट सिस्टम के माध्यम से होगा. डीयू, एएमयू के अलावा कई विश्वविद्यालयों में छात्रों की स्क्रीनिंग करने के लिए एकेडमिक एक्सीलेंस के विभिन्न पायदानों को प्वॉइंट सिस्टम के अंतर्गत रखा गया है.पिछले दिनों आपने अखबार में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय (एएमयू) आदि में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर आदि के लिए रिक्तियां देखी होंगी. यहां हम आपको विस्तार से जानकारी दे रहे हैं उन योग्यताओं के बारे में, जिन्हें हासिल कर आप विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि में पढ़ाने के लिए अपनी सीट पक्की कर सकते हैं.

### एमफिल से मिलता है मौका

अगर आपका लक्ष्य तय है, तो आप मास्टर्स करने के बाद एमफिल यानी मास्टर्स ऑफ फिलॉस्फी के लिए आवेदन कर सकते हैं. मास्टर्स में 55 फीसदी अंक धारक इसके लिए आवेदन करने के योग्य होते हैं. मास्टर्स के बाद एमफिल करने का निर्णय लेना आपकी उम्मीदवारी के लिए एक बेहतर कदम जरूर साबित होगा. पीएचडी के बाद पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च आपके बायोडाटा में चार चांद लगाता है. अगर उम्मीदवार ने पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च कर लिया है, तो उसे कॉलेज, विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अलग से प्वॉइंट मिलते हैं, जिससे वह उस सीट का मजबूत दावेदार बन जाता है.

### पब्लिकेशन पर दें ध्यान

बस इतना ही नहीं. एमफिल, पीएचडी, रिसर्च, पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च के दौरान किये गये शोध और नयी स्थापनाओं को आप पेपर के रूप में पब्लिश कराएं. किताब लिखना या किताब का कोई अध्याय लिखना भी आपको प्वाइंट दिलाता है. आपके कितने पेपर पब्लिश हुए हैं, प्वॉइंट सिस्टम में इसके भी प्वॉइंट्स मिलते हैं. अखबारों के लिए लिखे गये लेखों को भी प्वाइंट दिया जाता है. इसलिए अपने ज्ञान को न सिर्फ बढ़ाएं, बल्कि इसके अच्छे जगह से प्रकाशन पर भी ध्यान दें.

### कैसा है प्वॉइंट सिस्टम

प्वॉइंट सिस्टम को बेहतर ढंग से समझने के लिए आपके सामने एक उदाहरण प्रस्तुत है. दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में आपकी प्रोफाइल के साथ ही प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पद के लिए प्वॉइंट सिस्टम लागू किया जाता है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए 100 प्वॉइंट्स अलग से दिये जाते हैं.

### कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 55 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे कम पर 12 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे कम अंक पर 16 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के 10, पीएचडी के 17, नेट के लिए सात और नेट-जेआरएफ के 10 प्वॉइंट मिलते हैं.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 25 प्वॉइंट. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए तीन और एक, बुक्स ऑथरशिप के लिए छह, बुक्स एडिटिंग के लिए चार, किताबों में चैप्टर्स के लिए दो, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए दो या एक, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए एक प्वॉइंट मिलता है. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए अधिकतम 20 प्वॉइंट्स मिलते हैं.

### यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 47 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे ज्यादा के लिए 10 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे ज्यादा अंक पर 15 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के पांच, पीएचडी के 17, नेट के लिए तीन और नेट-जेआरएफ के पांच मिलते हैं. अगर एमफिल और पीएचडी दोनों की है या इंटीग्रेटेड कोर्स के रूप में किया है, तो दोनों योग्यता के लिए कुल 17 प्वॉइंट दिये जायेंगे.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 33 प्वॉइंट्स मिलते हैं. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए पांच और दो, बुक्स ऑथरशिप के लिए आठ, बुक्स एडिटिंग के लिए छह, किताबों में चैप्टर्स के लिए चार, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए चार या दो, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए दो प्वॉइंट्स मिलेंगे. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए 20 प्वॉइंट्स मिलेंगे.

### क्या है न्यूनतम योग्यता

देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर पढ़ाने के लिए मास्टर्स डिग्री में कम से कम 55 फीसदी अंकों का होना जरूरी होता है. (अनुसूचित जाति, जनजाति और विकलांग उम्मीदवारों के लिए 50 फीसदी) साथ ही यूजीसी/ सीएसआइआर द्वारा आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट)/ राज्यों द्वारा आयोजित किये जानेवाले स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट (स्लेट) / स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट फॉर लेक्चररशिप (सेट) पास होना भी आवश्यक है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करने के लिए मास्टर्स डिग्री के साथ 2009 रेग्युलेशंस के अनुसार पीएचडी धारक प्रतिभागियों को नेट / स्लेट / सेट से छूट (एग्जेंपशन) मिलती है.

### पीएचडी दिलाये एक्स्ट्रा प्वॉइंट

यदि एकेडमिक्स की ओर जाना ही आपका लक्ष्य है, तो मास्टर्स करने के बाद खुद को अच्छे संस्थान से पीएचडी के लिए तैयार करें. इसके लिए आपको अपनी शोध-रुचि के मुताबिक किसी विषय का चयन करना होगा और खुद को पीएचडी के लिए इनरोल करवाना होगा. अकादमिक जगत में पीएचडी की डिग्री सबसे अहम है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करते समय इसके लिए अलग से प्वॉइंट निर्धारित किये जाते हैं. पीएचडी के बिना नौकरी मिलना मुश्किल है.

### रिसर्च और अध्यापन

अध्यापन ही आपका लक्ष्य है, तो बेहतर होगा कि अपनी उम्मीदवारी में प्वॉइंट्स की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार शोध से जुड़े रहें. शोध के क्षेत्र में सक्रियता आपको अपने क्षेत्र में अपडेट रखने के साथ ही ज्ञान के विस्तार में भी आपकी मदद करेगा.

# कैसे बनाए रखें अपनी नौकरी

**रोजगार के अवसरों में गिरावट और बीच में आई आर्थिक मंदी के कारण कंपनियों और उद्योगों ने अपने खर्चो में कटौती करनी शुरू कर दी है। यहां कुछ ऐसी ही जानकारी दी जा रही है, जिसे जानना आपको अपनी योजनाओं पर विचार करने में मदद करेगा।**

### नौकरियों में कटौती - एक बढ़ता चलन

**2,50,000-3,00,000**
नौकरियों में कमी आई, ऐसा 12,000 औद्योगिक इकाइयों को घाटे की संपत्ति घोषित करने के कारण हुआ। (2012-13 के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार)

**50 लाख**
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान नौकरियां गईं (योजना आयोग के मुताबिक)

**27,60,000**
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान बढ़ी हुई नई नौकरियां (योजना आयोग के मुताबिक)

### कब करें नौकरी के बारे में चिंता

- अगर आपकी कंपनी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही हो, उसके उत्पाद और सेवाएं पसंद न किए जा रहे हों, आय और लाभ में भारी गिरावट आ गई हो तो नौकरी पर खतरा हो सकता है।
- अगर आप एक दिन में 8 घंटे व्यस्त नहीं रहते और आपके बॉस आपको काम की और जिम्मेदारी न दे रहे हों।
- आपके अधिकतर सहकर्मियों के वेतन में वृद्धि हो रही हो, पर आपको तरक्की या सामान्य बढ़ोतरी भी न मिल रही हो।
- अगर आपके बॉस आपको नजरअंदाज कर रहे हों और अच्छा काम करने पर बधाई देने की बजाय आपसे बात करने से बच रहे हों।

### अब आपको क्या करना चाहिए

- आप और बेहतर प्रदर्शन के लिए कमर कस लें, सिर्फ सौंपे हुए काम करने की बजाए दूसरे काम भी करें।
- या फिर नई जॉब ढूंढ़ना शुरू कर दें।

# अनुभव के बिना नौकरी पाने में हो सकती है कठिनाई

अच्छी नौकरी पाने के लिए छात्र प्रोफेशनल डिग्री पाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए वे ज्यादा मशक्कत नहीं करते. जबकि इन दिनों कंपनियां ऐसे ही कर्मचारियों को नौकरी पर रखना पसंद कर रही हैं, जिनके पास डिग्री के साथ काम का अच्छा अनुभव भी हो.

यूं तो पहले भी कंपनियां नौकरी देने के मामले में अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता देती रही हैं, लेकिन अब कंपनियों के लिए आवेदक का कार्यानुभव उसकी डिग्री से भी ज्यादा मायने रखने लगा है.

बिजनेस स्कूलों के एसोसिएशन ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) द्वारा हाल में कराये गये एक सर्वे में यह बात सामने आयी है कि एक्सपीरियंस और इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी के चलते इस वर्ष देश के कई मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिल सकी है. सर्वे में पाया गया कि 2013 में भारत के जिन मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिली, उसकी बड़ी वजह इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी रही. तकरीबन 47 फीसदी ग्रेजुएट्स को इस वजह से जॉब नहीं मिल पायी, जबकि 29 फीसदी ने कम वेतन के चलते नौकरी ठुकरा दी. 29 फीसदी ग्रेजुएट्स के लिए जॉब नहीं मिलने का कारण आवश्यकता से ज्यादा क्वालिफाइड होना रहा. इस सर्वे में दुनिया के 129 बिजनेस स्कूलों के कुल 915 छात्रों को शामिल किया गया. इनमें अमेरिका के 433, भारत के 129, लैटिन अमेरिका के 109, बाकी एशिया से 96, ऑस्ट्रेलिया से 89, कनाडा से 25 और मिडिल इस्ट/अफ्रीका रीजन के 20 पूर्व एमबीए छात्रों को शामिल किया गया. ग्लोबल लेवल पर इस साल एमबीए और अन्य मास्टर डिग्री वालों के लिए रोजगार मिलने का ट्रेंड पिछले पांच वर्षो के औसतन हिसाब से बेहतर रहा. कुल मिला कर इस वर्ष तकरीबन 90 फीसदी एमबीए छात्रों को जॉब मिलने में सफलता हाथ लगी. हालांकि, पिछले साल यानी 2012 में तकरीबन 92 फीसदी छात्रों को जॉब मिली थी. हालांकि, पांच वर्ष पहले यह आंकड़ा तकरीबन 84 फीसदी था. इस वर्ष यानी 2013 के क्लास के जॉब आंकड़े अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग रहे. सर्वे में शामिल 95 फीसदी अमेरिकी छात्रों को जॉब मिल गयी, जबकि लैटिन अमेरिका में यह आंकड़ा 87 फीसदी रहा. भारत में 87 फीसदी, यूरोप में 82 फीसदी और एशिया के बाकी देशों में 85 फीसदी छात्र जॉब पाने में सफल हुए. सर्वे के वक्त 2013 में पास होनेवाले 10 फीसदी छात्र बेरोजगार थे, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा आठ फीसदी था. सर्वे में शामिल तीन चौथाई (74 फीसदी) छात्रों का कहना था कि उन्होंने अगर एमबीए नहीं किया होता, तो उन्हें जॉब नहीं मिलती.

# सहकर्मियों के साथ रिश्ते बेहतर करें

किसी भी व्यक्ति या स्थिति को समझने, विवाद को हल करने तथा विश्वास एवं भरोसे का वातावरण तैयार करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करना महत्वपूर्ण होता है। पेश हैं कुछ टिप्स जिनकी सहायता से आप कार्यस्थल पर संवाद बेहतर करके सहकर्मियों के साथ अपने रिश्ते बेहतर कर सकते हैं।

### श्रोताओं को जानें

अपने सहकर्मियों की गतिविधियों को देखें तथा बातचीत करने के उनके ढंग को समझने की कोशिश करें। इससे आप उनसे बेहतर ढंग से संवाद स्थापित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए जहां कोई सहकर्मी हमेशा मुद्दे की बात करना पसंद करता हो वहीं किसी अन्य को इस तरह की बातचीत में रूखापन महसूस हो सकता है। ऐसा नहीं है कि आपको अपने सहकर्मियों के हिसाब से अपने को बदलते रहना चाहिए लेकिन उनकी आदतों को समझ कर आप उनके साथ बेहतर ढंग से काम कर सकते हैं।

### सही माध्यम का इस्तेमाल करें

बेशक कोई छोटा संदेश शीघ्र पहुंचाने के लिए ई-मेल ही काफी होती है परंतु जिन विषयों में काफी कुछ समझाना हो या आपस में विचार सांझे करने हों तो इसके लिए बैठक करना या फोन पर बात करना जरूरी हो जाता है। यदि कोई जरूरी नियम या किसी करार के बारे में बात हो तो बातचीत के बाद इस संबंध में लिखित जानकारी भी मुहैया करवा देनी चाहिए ताकि गलती की या किसी संदेश को गलत समझ लेने की भूल न हो।

### स्पष्ट बात करें

अपने सहकर्मी को आप जो बात बताना चाहते हैं वह स्पष्ट, सटीक तथा पूरी होनी चाहिए। सहकर्मियों के बीच संवाद का मकसद कार्य को स्थिर गति से आगे बढ़ाना होता है। ऐसे में आपके संवाद में स्पष्टता बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे संवाद लिखित या मौखिक हों आप जो संदेश सामने वाले को देना चाहते हैं वह उसे आसानी से समझ आ जाना चाहिए।

### सजग रहें

बातचीत के दौरान गैर-मौखिक संकेतों पर भी गौर करें। सामने वाले के हाव-भाव कैसे हैं, इसके अलावा आपको बातचीत के दौरान अपने हावभाव का भी ध्यान रखना होगा। आंखों से आंखें मिलाकर बातचीत करें। सामने वाले की बात सुनते हुए बीच-बीच में सिर हिलाकर संकेत दिया जा सकता है कि आप उनकी बात को गौर से सुन रहे हैं। ई-मेल भेजने से पहले एक बार गौर से जो लिखा हो, उसे अवश्य पढ़ें ताकि किसी प्रकार की कोई गलती न चली जाए। फोन पर बात करते हुए ई-मेल टाईप न करें।

### सामने वाले की भी सुनें

एक अच्छा संवाद स्थापित करने के लिए जरूरी है कि आप अपनी ही न कहते रहें बल्कि सामने वाले की बात भी सुनें और समझें। केवल इसी बात पर अपना ध्यान न केंद्रित रखें कि आपने क्या और कैसे कहना है, सामने वाले की बात को सुनना तथा समझना भी आवश्यक है।

### अक्सर बातचीत करें

किसी बड़ी परियोजना पर कार्य करते हुए काफी समय लग सकता है ऐसे में नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित करना बेहतर होगा। समय-समय पर आपस में बातचीत करके परियोजना को बेहतर ढंग से अंजाम दिया जा सकता है इससे गलतफहमियां भी जल्द दूर हो सकती हैं।

# नीतीश कुमार के करीबी संजय कुमार झा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

जेडीयू की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

***दिल्ली में आज जेडीयू कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक हुई। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में संगठन और बिहार हित से जुड़े मुद्दों पर कई फैसले लिए गए। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में आगामी बिहार विधानसभा की तैयारियों पर भी चर्चा हुई।***

**पटना:** *लोकसभा चुनाव 2024 के बाद नई दिल्ली में शनिवार को पहली बार जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मिशन 2025 की तैयारी पर चर्चा हुई। वहीं नीतीश कुमार के बेहद करीबी और भरोसेबंद संजय कुमार झा को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संजय कुमार को जेडीयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव खुद नीतीश कुमार ने दिया, जिसके बाद सर्वसम्मति से संजय झा को यह जिम्मेदारी सौंपी गई।* ***नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2025 का चुनाव लड़ने का फैसला***

*जेडीयू की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया गया। इसके साथ ही इस साल के अंत में होने वाले झारखंड विधानसभा के चुनाव में भी पार्टी ने उम्मीदवार फैसला लिया। माना जा रहा है कि कुरमी-महतो बहुल सीटों पर जेडीयू की ओर से प्रत्याशी उतारने पर विचर किया जा रहा है।*

***संगठन को मजबूत बनाए जाने पर पार्टी नेताओं ने कई सुझाव दिए*** *जेडीयू नेताओं ने बताया कि इस बैठक में अलग-अलग राज्यों की पार्टी इकाई की ओर से संगठन को मजबूत बनाए जाने को लेकर कई सुझाव दिए गए। बैठक में सभी ने सहमति जताई कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में पार्टी आगे भी चलती रहेगी। इस दौरान झारखंड विधानसभा चुनाव में भी जेडीयू की ओर से उम्मीदवार उतारने पर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि मंत्रियों और पार्टी कार्यकर्ताओं का संवाद हो। जब कोई मंत्री क्षेत्र में दौरे पर जाएं, तो इसकी जानकारी बूथ स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को मिल सके।*

# 'नेता का बच्चा राजनीति नहीं करेगा तो क्या खेतीबाड़ी करेगा?' लवली आनंद, नीतीश कुमार, निशांत और अब किसान की एंट्री

*बिहार की राजनीति में शिवहर सांसद लवली आनंद के बयान के बाद एक नई बहस छिड़ गई है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत के बारे में कहा है कि अगर वो सियासत में आते हैं तो उनका स्वागत है। क्योंकि नेता का बच्चा पॉलिटिक्स नहीं करेगा तो क्या खेती बाड़ी करेगा। लेकिन लवली आनंद के इस बयान को राजद ने किसानों का अपमान बताया है। जानिए क्या हुआ है इस पूरे प्रकरण में...*

***पटना:*** *बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीति में आने की चर्चा के बीच प्रदेश में सियासत गर्म हो गयी है। इस बीच, जदयू की सांसद लवली आनंद ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात उन्होंने सुनी नहीं है, लेकिन वे राजनीति में आते हैं तो स्वागत योग्य बात है। उन्होंने कहा कि पॉलिटिशियन का बच्चा पॉलिटिक्स नहीं करेगा तो क्या खेतीबाड़ी करेगा। इस बयान को राजद ने किसानों का अपमान बताया है। जदयू की सांसद लवली आनंद ने कहा, 'डॉक्टर का बच्चा डॉक्टर होता है, वकील का बच्चा वकील और इंजीनियर का बच्चा इंजीनियर होता है। अगर पॉलिटिशियन का बच्चा पॉलिटिक्स में गया तो क्या गलत है?'*

***लवली का बयान अपमानजनक- राजद***

*जदयू की सांसद लवली आनन्द के बयान पर राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने पलटवार करते हुए इसे देश के किसानों का अपमान बताया है। उन्होंने कहा कि लवली आनंद को किसानों से माफी मांगनी चाहिए। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि यह बयान देश के किसान भाइयों के लिए अपमानजनक है।*

***राजद ने लवली आनंद पर बोला जवाबी हमला*** *उन्होंने कहा, 'देश की आत्मा किसानों में बसती है और 140 करोड़ नागरिकों का पेट उन्हीं किसानों की मेहनत से भरता है। लोग गर्व से कहते हैं कि हम किसान के बेटे हैं और किसान का बेटा भी मंत्री, आईएएस और अन्य उच्च पदों पर पहुंच सकता है।' उन्होंने लवली आनंद के बयान को शर्मनाक बताया और कहा कि यह किसानों का अपमान है। वहीं लवली आनंद के बयान के बाद एक बार फिर से चर्चा छिड़ गई है कि क्या सच में सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत भी राजनीति में कदम रखने वाले हैं?*

# औरंगाबाद में रेप के बाद गला दबाकर की गई हत्या

**औरंगाबाद** औरंगाबाद में श्रेया हत्याकांड के 18 दिन बाद शनिवार को पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने होटल मालिक 2 सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। SP स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि गिरफ्तार दोनों होटल मालिक ने स्वीकार किया है कि रेप के बाद श्रेया की गला दबाकर हत्या की गई। इसके बाद सबूत छिपाने को लेकर कार में शव लेकर इंद्रपुरी बराज पहुंचे, जहां शव फेंक दिया। गिरफ्तार दोनों भाई का नाम कोसडिहरा गांव के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह है। SP ने बताया कि इनके पास से वह कार भी बरामद किया गया है, जिससे शव को बराज तक ले जाया गया था। इससे पहले, पुलिस ने श्रेया हत्याकांड में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुका है। इसमें श्रेया की सहेली, उसकी मां और श्रेया का बॉयफ्रेंड शामिल हैं। बता दें कि 11 जून को औरंगाबाद के नवीनगर से लापता 16 साल की किशोरी का शव करीब 25 किमी दूर रोहतास के इंद्रपुरी बराज से मिला था।

**कोचिंग से नहीं लौटी थी श्रेया** SP स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि रेप के बाद श्रेया की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद सबूत छिपाने को लेकर शव को कार में रखकर इंद्रपुरी बराज ले जाकर फेंक दिया गया था। उन्होंने बताया कि श्रेया 11 जून को अपने घर से कोचिंग के लिए निकली थी, लेकिन वापस लौटी नहीं थी। इसके बाद परिजनों की ओर से थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई थी। 13 जून को रोहतास के इंद्रपुरी बराज से श्रेया का शव बरामद किया गया था।

**बॉयफ्रेंड के साथ होटल पहुंची थी श्रेया** 11 जून को श्रेया अपने बॉयफ्रेंड के साथ होटल पहुंची थी। यहां एक कमरा बुकिंग कराया और कुछ समय तक रुके। इस दौरान उसके बॉयफ्रेंड ने होटल मालिक धर्मेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह के साथ मिलकर गलत काम किया। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी। 16 वर्षीय किशोरी का शव इंद्रपुरी बराज में मिला:औरंगाबाद पुलिस ने कहा- लड़की ने सुसाइड किया या जिंदा फेंका गया, चल रही जांच औरंगाबाद के नबीनगर से लापता 16 साल की किशोरी का शव करीब 25किमी दूर रोहतास के इंद्रपुरी बराज से मिलने के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार किशोरी को एसिड से नहीं जलाया गया, न ही किसी धारदार हथियार से उसकी हत्या की गई है। पुलिस यह मान रही है कि किशोरी ने या तो किसी दबाव में सुसाइड किया है या उसे किसी ने पानी में फेंक दिया है। सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पांडे ने बताया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार किशोरी के पेट में पानी मिला है, जो जिंदा पानी में फेंके जाने या गिर जाने के बाद ही मिलना संभव है।

# जेडीयू में आज फैसले का दिन, नीतीश तय कर सकते हैं 'प्लान 2025'

**लोकसभा चुनाव के बाद नई दिल्ली में नीतीश कुमार की अध्यक्षता में जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हो रही है। इसमें चुनावी रणनीति और संगठनात्मक मजबूती जैसे कई अहम मुद्दों पर फैसला लिया जाएगा। पार्टी की भावी दिशा तय करने के लिए रामनाथ ठाकुर, अनूप पटेल, नीरज कुमार और विजय चौधरी जैसे प्रमुख नेता इसमें हिस्सा ले रहे हैं।**




**नई दिल्ली:** लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद शनिवार को नई दिल्ली में जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हो रही है। इसमें कुछ अहम फैसले लिए जाने की संभावना है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लोकसभा चुनाव की समीक्षा के साथ-साथ आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा होगी। नीतीश कुमार की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में कई बड़े फैसले होने की उम्मीद जताई जा रही है। बैठक में सभी सांसद और मंत्री, कार्यकारी सदस7बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे जेडीयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय कृषि मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि इस बैठक का मुद्दा संगठन पर विचार-विमर्श करना है। आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। वहीं उत्तर प्रदेश के जदयू अध्यक्ष अनूप पटेल ने कहा कि ये पार्टी की रूटीन बैठक है। इसमें सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बुलाए गए हैं। उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के लिए हम सभी जिलों का दौरा कर रहे हैं। जो भी फैसला होगा, इसी बैठक में होगा। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि पार्टी के मुद्दे राष्ट्रीय पदाधिकारी तय करते हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद केंद्र में हमारी भागीदारी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में शानदार सफलता को लेकर यह बैठक आयोजित की गई है। जिसमें नीतीश कुमार का आभार ज्ञापन के साथ-साथ आगामी चुनावी संगठनात्मक रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। बिहार में विकास का काम जारी है। पीएम मोदी ने भी नीतीश कुमार के कामों पर मुहर लगाई है। जेडीयू नेता विजय चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पहले प्रस्ताव आएगा फिर उसके बाद चर्चा होगी। सर्वसम्मति से जो भी प्रस्ताव पारित होगा, उसकी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। जेडीयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार पार्टी के सर्वमान्य नेता हैं। उनके पास पार्टी के संबंध में सभी फैसले लेने का अधिकार है। उनकी ओर से जो भी प्रस्ताव आएगा, वह पार्टी के सभी नेताओं के लिए स्वीकार्य होगा। यह एक महत्वपूर्ण बैठक है, जिसका मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और उसका विस्तार करना है।

# किऊल-गया रेलवे खंड पर सफर करने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर, कई ट्रेनें रद्द तो कुछ का मार्ग बदला

**रेल यात्री किऊल-गया रेलवे खंड पर, विशेष रूप से नवादा के पास, ट्रेन व्यवधानों के बारे में जानकारी रखें। वारिसलीगंज और नवादा में चल रहे एनआई कार्य के कारण मार्ग परिवर्तन और देरी की उम्मीद है। अपनी यात्रा की सावधानीपूर्वक योजना बनाएं और किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपने शेड्यूल में लचीलापन रखें। पढ़िए पूरी रिपोर्ट**

**नवादा:** किऊल-गया रेलखंड दोहरीकरण के अंतर्गत वारिसलीगंज और नवादा में एनआई कार्य होने के कारण ट्रेन सेवा बाधित रहेगी। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा शुरू करने से पहले रेलवे द्वारा जारी सूचनाओं की जांच जरूर कर लें। बताया गया है कि किऊल-गया रेलवे लाइन पर 2 जुलाई तक कई ट्रेनें रद्द रहेंगी, कुछ के रूट बदले गए हैं और कुछ के समय में बदलाव किया गया है। ऐसा वारिसलीगंज और नवादा में दोहरीकरण के काम की वजह से हो रहा है। 28 जून से 2 जुलाई तक 8 पैसेंजर ट्रेनें पूरी तरह से रद्द रहेंगी। इनमें गया-झाझा पैसेंजर (03386, 03385), गया-किऊल मेमू (03356, 03355), गया-किऊल पैसेंजर (03390, 03389) और किऊल-गया पैसेंजर (03393) शामिल हैं।

**जमालपुर-गया पैसेंजर समेत कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव** कुछ ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया है। जमालपुर-गया फास्ट पैसेंजर (03615) 28 जून से 2 जुलाई तक अपने सामान्य समय सुबह 8रू20 की बजाय सुबह 11रू20 पर जमालपुर से रवाना होगी। वापसी में यह ट्रेन (03616) अपने तय समय पर गया से चलेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए यह ट्रेन किऊल और गया के बीच पड़ने वाले सभी छोटे-बड़े स्टेशनों पर रुकेगी।

**गया-हावड़ा एक्सप्रेस भी विलंब से रवाना होगी** गया-हावड़ा एक्सप्रेस (13024) भी 28 जून से 2 जुलाई तक अपने तय समय दोपहर 12.10 की बजाय 1 घंटा 5 मिनट की देरी से दोपहर 1.15 बजे गया से रवाना होगी। 28 जून को पुणे से चलने वाली पुणे-जसीडीह साप्ताहिक एक्सप्रेस (11427) के रास्ते में भी बदलाव किया गया है। यह ट्रेन गया, पटना और किऊल होकर जाएगी। इस बदलाव की वजह से यह ट्रेन 29 जून को नवादा स्टेशन नहीं आएगी।

# दरभंगा में स्पाइस जेट की फ्लाइट 5 घंटे लेट:एयरपोर्ट पर यात्रियों ने किया हंगामा

**दरभंगा** एयरपोर्ट से मुंबई जाने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट शनिवार सुबह 5 घंटे लेट हो गई। इससे नाराज यात्रियों ने बवाल काटा है। नाराज यात्रियों का आरोप है कि ज्यादा कीमत पर टिकट लेने के बावजूद एयरलाइंस की ओर से देरी होने की जानकारी यात्रियों को समय पर नहीं दी गई। न मेल किया गया और न ही मैसेज। यात्रियों ने आगे बताया कि जब हमलोग एयरपोर्ट पर पहुंचे, तो इस बात की जानकारी हमें दी गई। वहीं, एयरपोर्ट पर न तो बैठने की सही व्यवस्था है। न ही एयरलाइंस की ओर से खाना और पानी दिया जा रहा है। इसके साथ ही एयरपोर्ट के अंदर गर्मी रहने के कारण वहां रहना भी दुश्वार है। **सुबह 10 बजे की फ्लाइट शाम 4 बजे जाएगी** एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक दरभंगा से मुंबई के लिए स्पाइस जेट की विमान संख्या SG-116 को दरभंगा से सुबह के 10 बजकर 50 मिनट पर उड़ान भरना था। लेकिन तकनीकी वजह से स्पाइस जेट की विमान दरभंगा नहीं पहुंची। जब काफी देर तक विमान की उड़ान के संबंध में एयरपोर्ट पर यात्रियों से जानकारी साझा नहीं की गई। तब यात्रियों ने पूछताछ काउंटर पर उड़ान के संबंध में जानकारी ली। यहां पता चला कि मुंबई की फ्लाइट शाम के 4 बजे उड़ान भरेगी। इसके बाद यात्रियों ने स्पाइस जेट के खिलाफ हंगामा किया है। **दरभंगा एयरपोर्ट पर हंगामा।**

दरभंगा से मुंबई की फ्लाइट पकड़ने आए नीतीश शाह ने कहा कि दरभंगा से मुंबई की स्पाइस जेट की फ्लाइट 10 बजकर 50 मिनट पर थी। लेकिन बिना किसी नोटिस के फ्लाइट को 3 बजकर 55 मिनट कर दिया गया। अभी तक यह भी कन्फर्म नहीं है कि उस समय पर विमान जाएगी भी या नहीं। यहां पर तैनात कर्मी कुछ बता भी नहीं रहे हैं। हमलोगों के आने जाने के खर्च के साथ समय भी बर्बाद हो गया। सभी यात्रियों को बाहर बैठा दिया गया है। गर्मी से सभी यात्रियों का हाल बेहाल बना हुआ है। **स्पाइस जेट फ्लाइट की व्यवस्था बहुत बेकार** वहीं, नीतीश ने बताया कि दरभंगा एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की सुविधा नहीं है। इसके कारण सभी यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्पाइस जेट की फ्लाइट की व्यवस्था बहुत ही बेकार है। यहां न अल्टीमेशन दिया गया और न ही कुछ किया गया।

# पैसे दो नहीं तो भेजा खोल देंगे...फिर मार दी गोली: पटना सिटी में 7 लाख की लूट, गोली लगने के बाद खुद इलाज कराने पहुंचे

**पटना** पटना सिटी में दो बाइक सवार बदमाशों ने बुलेट सवार शख्स को हाथ में गोली मारकर 7 लाख रुपए लूट लिए। घायल का नाम दीपक(40) है। उसने बताया कि अपराधियों ने कहा कि पैसे से भरा बैग दो वरना भेजा खोल देंगे। वारदात बाईपास थाना इलाके के एनएच 30 की है। गोली लगने के बाद खून से लथपथ दीपक हाथ में गमछा बांधकर दोस्त के साथ इलाज कराने एनएमसीएच पहुंचा। वो प्राइवेट कंपनियों के लिए मनी कलेक्शन का काम करता है। घायल दीपक ने बताया कि मेरी बुलेट जैसे ही महिंद्रा शोरूम के पास पहुंची। रोड के दोनों साइड घात लगाए दो बाइक सवार छह अपराधियों में से दो ने पिस्टल निकालकर मेरी बाइक रोकने का इशारा किया। दीपक ने भागने की कोशिश की तो दूसरी बाइक पर सवार अपराधियों ने ओवरटेक कर रोक लिया और बंदूक सटाकर पैसे मांगने लगे। गोली लगने के बाद अपने दोस्त के साथ इलाज कराने जाता दीपक। गोली लगने के बाद अपने दोस्त के साथ इलाज कराने जाता दीपक। घायल ने कहा कि बदमाशों ने कहा कि पैसे दो नहीं तो भेजा खोल देंगे। एक बदमाश ने पीछे से पिस्टल सटा दी। दीपक ने देरी की तो फायरिंग कर दी। गोली दीपक के कंधे पर लगी। इसके बाद रुपए भरा बैग लेकर रास्ते में एक राउंड फायरिंग करते हुए वहां से फरार हो गए। घटना के बाद खून से लथपथ दीपक कुछ देर तक बीच सड़क पर गिरा रहा। स्थानीय लोगों ने उसे सड़क से हटाकर साइड किया। फिर वो अपने दोस्त के साथ घायल हालत में ही बाइक से एनएमसीएच इलाज कराने के लिए पहुंचा।

**सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस** डीएसपी डॉ. गौरव कुमार ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वहीं बाईपास सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने कहा दीपक पैसा कलेक्शन करने के बाद वापस कुम्हरार की ओर अपनी बुलेट से लौट रहे थे। महिंद्रा शोरूम लिंक रोड के पास वारदात हुई है। दीपक के दाहिने बांध के ऊपर लगी है। केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

# अंतिम संस्कार के बाद जिंदा मिला युवक:वैशाली पुलिस ने बक्सर रेलवे स्टेशन पर प्रेमिका के साथ पकड़ा, कहा-मैं जिंदा हूं पापा

**हाजीपुर (वैशाली)** वैशाली में बीते 18 जून को घर से सन्नी कुमार गायब हो गया था। इसके बाद 21 जून को एक शव मिला था। सन्नी का शव समझ कर परिजनों ने उसकी आत्मा की शांति के लिए हिंदू रीति-रिवाज से हाजीपुर कोनहारा घाट पर दाह संस्कार कर दिया। इसी बीच गंगा ब्रिज थाने की पुलिस ने उसे जिंदा प्रेमिका के साथ बक्सर रेलवे स्टेशन के पास से बरामद कर लिया है। 21 साल का सन्नी कुमार गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के नवादा चौक गांव निवासी आमोद चौधरी का बेटा है। वह अपने प्रेमिका के साथ 18 जून को घर से भागकर कोयम्बटूर पहुंच गया था और 20 जून को तिरुपति दुर्गा मंदिर में शादी कर ली थी। पत्नी के साथ रोजगार की तलाश में बक्सर रेलवे स्टेशन के पास चला गया था। **दोनों प्रेमी युगल से पूछताछ कर रही पुलिस** लेकिन, पुलिस को जैसे ही भनक लगी, वहां से उसे पत्नी के साथ हिरासत में ले लिया। पुलिस दोनों प्रेमी युगल से पूछताछ कर रही है। लड़की के परिजनों ने अपनी बेटी की अपहरण का प्राथमिक की दर्ज कराया, तो पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। इसके बाद सन्नी के परिजन ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। बीते 21 जून को किसी ने सूचना दी कि सन्नी की हत्या कर शव को जलाकर समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में फेंक दिया गया है। परिजन ने मोहनपुर थाना पहुंच कर शव पुलिस से रिसीव किया और बेटे की हत्या मामले में एफआईआर दर्ज कराया और हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर नवादा में सड़क को जाम कर दिया था।

पुलिस के समझाने बुझाने के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए और शव का संस्कार हिंदू रीति-रिवाज से हाजीपुर कौन हारा घाट पर कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने आज उसे प्रेमिका के साथ जिन्दा बरामद कर लिया है। इस संबंध में गंगा ब्रिज थाना अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया की सन्नी को उसकी ही प्रेमिका के साथ बरामद किया गया है। लड़की के परिजनों ने अपहरण कर लेने का थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया था। मामले की जांच पड़ताल की जा रही थी, तभी सन्नी के परिजन ने मोहनपुर थाना क्षेत्र से एक अर्ध जला शव लाकर दाह संस्कार कर लिया था। लेकिन, आज उसे जिन्दा बरामद किया गया है।

# दिल्ली एयरपोर्ट के बाद अब गुजरात के राजकोट हवाई अड्डे की छत गिरी, बारिश के बीच हुआ हादसा-वीडियो

**दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट की दुर्घटना का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि कमोवेश राजकोट के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी बरसात के कारण एक छज्जा ढह गया। हादसा टेम्परेरी टर्मिनल के बाहर हुआ। इस पूरी घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। यह एयरपोर्ट 11 महीने पहले महीने शुरू हुआ था।**

**अहमदाबादः** दिल्ली एयरपोर्ट पर हादसे के बाद राजकोट हवाई अड्डे की कैनोपी गिरने की घटना सामने आई है। राजकोट के हीरासर में बने अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की कैनोपी का एक बड़ा हिस्सा बारिश में गिर गया। राजकोट एयरपोर्ट की घटना में गनीमत यह रही कि जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। हवाई अड्डे के निदेशक दिंगत बहोरा के अनुसार बारिश के कारण हवाई अड्डे के आगे की छत में जलभराव हो गया था। इसके चलते यह हादसा हुआ। बहोरा ने कहा इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। एक दिन पहले दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल एक की छत गिर गई थी। इसमें एक व्यक्ति की मौत होने के साथ चार अन्य घायल हो गए थे। हीरासर में बने राजकोट के नए एयरपोर्ट का उद्घाटन पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

**पिकअप-ड्रॉप वाला एरिया**

राजकोट हवाई अड्डे के बाहर जिस हिस्से की छत गिरी है। वहां पर यात्री पिकअप और ड्रॉप होता है। संयोग से जब यह छत गिरी तो वहां पर कोई नहीं था। ऐसे में जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने पर सौराष्ट्र में भारी बारिश हो रही है। कुछ इलाकों में भारी बारिश से एनडीआरएफ की सात टीमों को कच्छ, राजकोट, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, भावनगर, नर्मदा और वलसाड जिलों में तैनात किया गया है। **2654 करोड़ रुपये में बना है एयरपोर्ट** राजकोट के नए हवाई अड्डे के लिए शुरुआत में केंद्र सरकार ने 1405 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे। जुलाई 2019 में इसकी कुल लागत 2654 करोड़ रुपये हो गई थी। इस हवाई अड्डे का निर्माण पिछले साल जून में पूरा हुआ था। इसके बाद जुलाई में यह सेवा के लिए खुला था। अभी राजकोट के इस एयरपोर्ट से एयरपोर्ट से एयर इंडिया और इंडिगो की फ्लाइट उड़ान भरती हैं। राजकोट एयरपोर्ट की सात गंतव्यों के लिए कनेक्टीविटी है।

**कांग्रेस ने घटना पर साधा निशाना** सालभर पहले शुरू हुए राजकोट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की छत गिरने के मुद्दे पर कांग्रेस ने बीजेपी को निशाने पर लिया है। गुजरात विधानसभा में कांग्रेस के नेता अमित चावड़ा और इंडियन नेशनल यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने निशाना साधा है। श्रीनिवास ने इस मुद्दे पर गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के ट्वीट को कोट करके निशाना साधा है, तो वहीं दूसरी तरफ अमित चावड़ा ने लिखा है कि 27 जुलाई 2023 को पीएम नरेंद्र मोदी ने राजकोट के हिरासर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था जिसकी छत आज पहली ही बारिश में ध्वस्त हो चुकी है।

# ऊंची लहरों का मजा ले रहे थे मुंबईकर, उसी वक्त 'वो' समुद्र में कूदा, पुलिस तलाश में जुटी

**मरीन ड्राइव इलाके में शुक्रवार शाम को एक व्यक्ति के डूबने की घटना हुई है। पुलिस फिलहाल तलाशी अभियान चला रही है। लेकिन अंधेरे के कारण तलाशी अभियान में फिलहाल बाधा आ रही है। एक दिन पहले भी यहां हादसा हुआ था। समुद्र में महिला गिर गई थी।**

**मुंबईः** मरीन लाइन्स को मुंबईकरों की पसंदीदा जगह के रूप में जाना जाता है। मुंबईकरों और मरीन ड्राइव के बीच एक गहरा नाता है। चूंकि बारिश का मौसम है इसलिए कई लोग ऊंची लहरों का आनंद लेने के लिए मरीन ड्राइव जाते हैं। लेकिन पिछले दो दिनों में हुई दो घटनाओं ने मुंबईकरों का डर बढ़ा दिया है। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे मरीन ड्राइव से एक शख्स ने समुद्र में छलांग लगा दी। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। लेकिन अभी तक उक्त सज्जन का कोई पता नहीं चल पाया है। एक दिन पहले भी एक महिला समुद्र में गिर गई थी।

**कैसे हुई घटना**? प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना शाम करीब छह बजे की है। हमेशा की तरह युवाओं की भीड़ थी। जब कई लोग नेचर का मजा ले रहे थे। तभी एक सज्जन को मरीन ड्राइव की चट्टान से कूदकर समुद्र में उतरते देखा गया और धीरे-धीरे पत्थरों को पार करते हुए उक्त सज्जन सीधे समुद्र में उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उस व्यक्ति को मरीन ड्राइव से तैरते हुए देखा गया था, लेकिन बचाव के लिए चिल्लाए बिना व्यक्ति को समुद्र की गहराई में जाते देखा गया।

**शख्स का नहीं चला पता** घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस को मिली तो उन्होंने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। लेकिन करीब तीन घंटे बाद भी शख्स का कुछ पता नहीं चल सका। प्रारंभिक जानकारी मिल रही है कि उक्त सज्जन की उम्र 55 से 60 वर्ष के बीच थी। अंधेरा होने के कारण खोज में रुकावट आ गई है।

# गाजियाबाद बनेगा इलेक्ट्रिक व्हीकल लाइट हाउस, ईवी सेल का किया गया गठन, लोगों को ऐसे करेंगे जागरूक

**गाजियाबाद में लोगों को प्रदूषणमुक्त परिवहन के लिए प्रेरित करने का निर्णय लिया गया है। इसलिए, लोगों को ईवी की तरफ आकर्षित करने की योजना जिला स्तर पर बनाई गई है। डीएम की निगरानी में ईवी सेल का गठन किया गया है। ऐसा करने वाला यह पहला जिला बना है।**

**गाजियाबादः** उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में इलेक्ट्रिक व्हीकल पर जोर देने की योजना बनाई गई है। वाहनों की वजह से बढ़ रहे प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए अब इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर जोर दिया जाएगा। इसी कड़ी में शुक्रवार को कौशांबी के एक होटल में 'सिटी ईवी एक्सेलरेटर कार्यशाला' हुई। इसमें मेयर, डीएम समेत कई विभागों के आला अधिकारी शामिल रहे। साथ ही कई फूड कंपनियों और उद्योगों के प्रतिनिधी भी शामिल रहे। इस दौरान यह बताया गया कि गाजियाबाद पहला ऐसा जिला है, जहां ईवी सेल का गठन किया जा रहा है। इस सेल में यूएसआरटीसी, परिवहन विभाग, पॉल्यूशन कंट्रोल विभाग, विद्युत विभाग आवास विकास परिषद व अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी शामिल होंगे।

जिलाधिकारी की निगरानी में यह सेल लोगों को ई व्हीकल के प्रति जागरूक करने का काम करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि जल्द ही गाजियाबाद को ईवी लाइट हाउस बनाया जाएगा। इसे लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जल्द इस पर काम शुरू होगा। दरअसल, इलेक्ट्रिक व्हीकल लाइट हाउस का अर्थ है कि एक ऐसा हब तैयार करना, जिसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल अधिक हों। इस लाइट हाउस का प्रकाश अन्य जिलों तक पहुंचे, जिससे वे भी इसे अपनाएं।

**बनेंगे 110 से अधिक चार्जिंग पॉइंट** वर्कशॉप में सुनीता दयाल, जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, जीडीए वीसी अतुल वत्स, सीडीओ अभिनव गोपाल, जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह, दिल्ली परिवहन विभाग के विशेष आयुक्त शहजाद आलम, आरएमआई इंडिया फाउंडेशन की निदेशक सहमिता व नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक मौजूद रहे। उन्होंने शहर में ई-चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाकर ईवी लाइट हाउस बनाने पर चर्चा की। गाजियाबाद में आने वाले दिनों में इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर क्या प्लानिंग है, इस पर भी चर्चा की। इसके लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी बात की गई। इतना ही नहीं ऑनलाइन शॉपिंग व फूड डिलीवरी करने वाली कंपनियों ने ईवी के प्रयोग के अनुभवों को साझा किया। साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र को बढ़ाने के लिए सहयोग देने की बात कही। मेयर ने बताया कि 25 स्थानों पर 110 चार्जिंग पॉइंट बनाने की योजना पर काम चल रहा है।

**डीएम ने दिया निर्देश** जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि सभी को एकजुट होकर शहर को प्रदूषण मुक्त बनाना है। आज से ही इस पर विभाग काम शुरू कर दें। आगे होने वाली कार्यशाला में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें, यह जरूरी है। अधिक से अधिक इंडस्ट्रीज भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले। इस पर भी जोर दिया। साथ ही शहर में ज्यादा से ज्यादा चार्जिंग पॉइंट बनाने की प्लानिंग को सफल बनाने की बात कही। **ई-बसों का भी दिया हवाला** नगरायुक्त ने नो प्रॉफिटेबल संगठन आरएमआई इंडिया फाउंडेशन के सभी मेंबरों का इस प्रॉजेक्ट में सहयोग करने के लिए धन्यवाद किया। दावा किया कि गाजियाबाद को जल्द ही आने वाले 6 से 7 माह में इलेक्ट्रिक व्हीकल लाइट हाउस के रूप में तैयार किया जाएगा, जिससे अन्य नगर निगम भी इसी तर्ज पर काम करेंगे। शहर में 50 ई बस भी चल रही हैं, नगर निगम के ई-रिक्शा भी हैं। अन्य व्हीकल भी इलेक्ट्रिक आधार पर हों, इसकी तैयारी की जा रही है। उत्तर प्रदेश नगर निगम में गाजियाबाद पहला नगर निगम है, जहां इलेक्ट्रिक व्हीकल की कार्यशाला का आयोजन हुआ है।

**यह होगी ईवी सेल का काम**

इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर गठित सेल का काम है कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग में किस तरीके से इलेक्ट्रिक व्हीकल को बढ़ावा दे सकते हैं। इसके लिए जागरूकता और जनसंपर्क में क्या योगदान दे सकते हैं। इसे लेकर होने वाली बैठकों में अपने पॉइंट्स रखें। इस दिशा में किस प्रकार से जिला गाजियाबाद बेहतर कर सकता है, अपने-अपने कार्य क्षेत्र से बेहतरीन आइडिया सांझा करें। अपने-अपने क्षेत्र में यह सभी विभाग जनता से भी संपर्क करेंगे।

## लॉरेंस बिश्नोई के शूटर का घर तोड़ने पहुंची थी टीम, किसी ने किराए पर नहीं दिया बुलडोजर

**सोनीपतः** हरियाणा की नायब सरकार भी उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तर्ज पर गैंगस्टरों के अवैध कब्जों पर पीला पंजा चलाने की मुहिम चलाए हुए है। लेकिन हरियाणा के सोनीपत में एक ऐसी घटना घटित हुई जिसे सुनकर आप दंग रह जाएंगे। दरअसल लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर अक्षय पलड़ा के मकान को ध्वस्त करने के लिए जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची थी। लेकिन प्रशासन यहां बेबस नजर आया। क्योंकि गैंगस्टर के घर को ध्वस्त करने के लिए उसे जेसीबी ही नहीं मिली। इस घटना के बाद प्रशासन की किरकिरी हो रही है। अब इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिरकार बिना बंदोबस्त टीम गई ही क्यों थी। **वापस लौटी टीम** बता दें कि हरियाणा के टॉप गैंगस्टर और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर अक्षय पलड़ा का मकान गांव की पंचायती जमीन पर बना हुआ है। इसको अवैध करार देते हुए आज पंचायती विभाग के आदेशों के अनुसार जिला प्रशासन पुलिस के दलबल के साथ गांव पलड़ा में बने मकान को जमींदोज करने पहुंची। लेकिन जिला प्रशासन की टीम के पास मकान को गिराने के लिए कोई भी बंदोबस्त नहीं था। काफी घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी जिला प्रशासन सड़कों पर घूमकर जेसीबी मशीन का बंदोबस्त नहीं कर पाई और वापिस लौट आई। इस घटना को देखकर ऐसा लग रहा है कि गैंगस्टर अक्षय पलड़ा का मकान गिराने का नाम सुनते ही किसी भी जेसीबी मालिक और चालक ने ये जहमत नहीं उठाई कि वो उसका मकान तोड़ सके। अक्षय पलड़ा का मकान को तोड़ने गए ग्राम सचिव विकास ने बताया कि आज हम यहां पर कब्जा कार्रवाई करने आए थे। लेकिन जेसीबी नहीं मिली तो वापिस जा रहे है।

## *चाचा-भतीजी ने खुद को गमछे से बांधा फिर ट्रेन के आगे लगा दी छलांग, परिवार कर रहा था शादी का विरोध*

*जालौन में प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। बुधवार सुबह गुजरे राहगीरों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। दो मौतों पर घरों में मचा कोहराम।*

***जालौनः** जालौन में प्यार में कामयाबी न मिलने पर एक प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो उनके होश उड़ गए। दोनों के घरों में कोहराम मच गया। प्रेमी जोड़े ने इस घटना को अंजाम इसलिए दिया क्योंकि उनके परिजनों ने सामाजिक लोक-लाज का हवाला देते हुए शादी से इनकार कर दिया था। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजी लगते थे और उनके बीच की नजदीकियां काफी बढ़ गई थीं।*

*पूरा मामला कालपी कोतवाली क्षेत्र के गांव का है। यहां पर प्रेमी युगल ने एक-दूसरे को गमछे से बांध कर ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। सुबह जब लोग वहां से गुजरे तो दोनों के शवों को देख पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और इसकी जानकारी उनके परिजनों को दी। कोंच कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला शख्स रिश्ते में अपनी भतीजी से बेहद प्रेम करता था। इस बात का परिजनों को पता चला तो उन्होंने शादी का विरोध किया। इस पर दोनों ने सुइसाइड कर ली।*

***एक-दूसरे को गमछे से बांधा और ट्रेन के आगे लगा दी छलांग***

*झांसी-कानपुर रेलमार्ग पर दोनों के शव एक साथ मिले और दोनों एक दूसरे से लिपटे हुए थे। लोगों की मानें तो दोनों ने अपनी जान देने से पहले कालपी में बने मंदिर के दर्शन किए थे। युवक के परिजनों ने बताया कि सुबह वह घर से कुछ कागजात लेकर निकल गया था। वहीं, युवती के परिजनों का कहना है कि वह बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गई थी। परिजनों ने सोचा कि वह गांव चली गई होगी। जब शाम को जब दोनों घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पर दोनों की लाश मिली।*

# NEET Exam 2024: 15-15 लाख में डील... सॉल्वर गैंग ने तैयार किए थे डमी कैंडिडेट

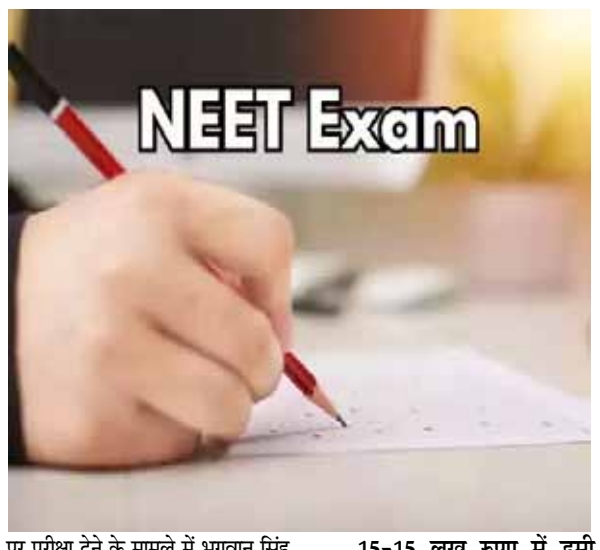


**जयपुरः** देश में नीट पेपर लीक मामले को लेकर जमकर बवाल मचा हुआ है। इस मामले को लेकर पुलिस ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। राजस्थान के झालावाड़ से भी इसके तार जुड़े होने के संकेत के बाद दिल्ली, मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने झालावाड़ से 10 स्टूडेंट को डिटेन किया। इनमें बताया जा रहा है कि 8 स्टूडेंट को फिलहाल छोड़ दिया है। दो स्टूडेंट से अभी भी पूछताछ की जा रही है। डिटेन लोगों में एक स्टूडेंट भिवाड़ी की युवती और नागौर का युवक है, जिन्होंने डमी कैंडिडेट के तौर पर एग्जाम दिया था।

**भिवाड़ी की छात्रा ने डमी कैंडिडेट बनकर एग्जाम दिया** मुंबई क्राइम ब्रांच पुलिस की ओर से इन्वेस्टिगेशन में एक युवती से पूछताछ की जा रही है। यह युवती भिवाड़ी में सेकंड ईयर एमबीबीएस की स्टूडेंट निशिका यादव है, जो जलगांव की रहने वाली परीक्षार्थी के लिए डमी कैंडिडेट के तौर पर परीक्षा में बैठी। इसको लेकर स्टूडेंट निशिका के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एग्जाम सेंटर पर आधार नंबर और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन के दौरान निशिका के डमी कैंडिडेट के तौर पर एग्जाम में बैठने की पुष्टि हुई थी। वेरिफिकेशन के दौरान सेंटर इंचार्ज को शुरू में लगा कि कोई टेक्निकल खराबी के कारण इस तरह का इश्यू आ रहा है। इसके चलते उन्होंने निशिका को एग्जाम दिलवा दिया, लेकिन बाद में निशिका का फिर से बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन किया गया, तो इस बार भी डाटा मैच नहीं हो रहे थे। इसके बाद उससे पूछताछ की, तो उसने डमी कैंडिडेट के तौर पर एग्जाम देने की बात स्वीकार कर ली। **झालावाड़ मेडिकल कॉलेज का स्टूडेंट भी बना डमी कैंडिडेट** इसी तरह राजस्थान के झालावाड़ के मेडिकल कॉलेज के एक स्टूडेंट के भी डमी कैंडिडेट बनने का मामला सामने आया है। इसको लेकर दिल्ली साउथ वेस्ट क्षेत्र के वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस थाने में नागौर के भगवान सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार भगवान सिंह भी दिल्ली के एक स्कूल में डमी कैंडिडेट के तौर पर नीट का एग्जाम देने पहुंचा। वह भी बायोमेट्रिक जांच में पकड़ा गया। इसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। वह सुनील देवकियां नाम के अभ्यर्थी के नाम पर एग्जाम देने आया था। भगवान सिंह झालावाड़ मेडिकल कॉलेज का स्टूडेंट है और उसने इसी कॉलेज के स्टूडेंट अशोक बिश्नोई के जरिए के कैंडिडेट बनने की डील की। इस मामले के खुलासे के बाद दिल्ली पुलिस ने अशोक बिश्नोई को भी गिरफ्तार कर लिया है।

**झालावाड़ मेडिकल कॉलेज से अन्य स्टूडेंट की भूमिका भी संदिग्ध** दिल्ली पुलिस के अनुसार, नीट पेपर लीक मामले में झालावाड़ मेडिकल कॉलेज से इसके कनेक्शन मिले हैं। उन्होंने बताया कि डमी कैंडिडेट के तौर पर परीक्षा देने के मामले में भगवान सिंह और अशोक बिश्नोई दोनों ही झालावाड़ मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स हैं। पुलिस ने बताया कि अभी भी इस मामले में झालावाड़ कॉलेज के आधा दर्जन से अधिक स्टूडेंट की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही हैं। इसको लेकर मेडिकल कॉलेज को उनके नाम भेज कर जानकारी मांगी गई और उनसे मेडिकल कॉलेज में पूछताछ भी की गई। इधर, भगवान सिंह और अशोक बिश्नोई को पटियाला हाउस कोर्ट में बेल दे दी है। वहीं इतना सब होने के बाद भी झालावाड़ मेडिकल कॉलेज प्रशासन यह झूठा दावा करता रहा कि कॉलेज का एक भी स्टूडेंट एग्जाम देते हुए नहीं पकड़ा गया।

**15-15 लख रुपए में डमी कैंडिडेट बनने की चर्चा** डमी कैंडिडेट के तौर पर परीक्षा देने के मामले में बताया जा रहा है कि आरोपियों ने एग्जाम देने के लिए 15-15 लाख रुपए लिए। इसको लेकर उनकी अभ्यर्थियों के साथ डील भी हुई। इसके बाद आरोपी स्टूडेंट एग्जाम में बैठने के लिए तैयार हुए। हालांकि इस मामले को लेकर अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। दिल्ली और मुंबई पुलिस की ओर से पकड़े गए डमी कैंडिडेट के आरोपी स्टूडेंट 2019 से 2022 के बैच के बताए जा रहे हैं। फिलहाल इस मामले की जांच अब सीबीआई को ट्रांसफर कर दी है।

## आज का मौसम 29 जून 2024: दिल्ली-नोएडा में आज भी बारिश का अलर्ट, राजस्थान से लेकर हिमाचल तक पहुंचा मॉनसून

**दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में मॉनसून ने दस्तक दे दी है। मॉनसून की पहली बारिश ने दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए। मौसम विभाग ने दो दिनों तक दिल्ली में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।**

आज का मौसम 29 जून 2024: राजधानी दिल्ली में मॉनसून ने एंट्री ले ली है। पहली ही बारिश में दिल्ली पानी-पानी हो गई। शुक्रवार को जगह-जगह जलभराव हो गया। अभी भी कई जगहों पर जलभराव की स्थिति है। वहीं मौसम विभाग ने आज भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली के अलावा पूरे एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल, यूपी, बिहार, झारखंड समेत देश के कई राज्यों में बारिश के आसार हैं। देश के ज्यादातर इलाकों में मॉनसून अपना असर दिखा रहा है। बारिश के चलते लोगों को भीषण गर्मी से भी राहत मिली है।

**दिल्ली में दो दिनों तक ऑरेंज अलर्ट** दिल्ली में शुक्रवार को मॉनसून के पहले दिन लगातार तीन घंटे तक बारिश हुई जो पिछले 88 सालों में इस महीने हुयी सर्वाधिक वर्षा है। बारिश के कारण दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा ढहने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उड़ानों का संचालन निलंबित कर दिया गया। राजधानी के कई हिस्से जलमग्न हो गए। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1936 के बाद शहर में पिछले 88 वर्षों में जून में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है, और 1901 से 2024 की अवधि में यह दूसरी सबसे अधिक बरसात है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक दिल्ली में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को घने बादल छाए रहेंगे। मध्यम से तेज बारिश की संभावना है। बारिश के साथ आंधी भी आ सकती है।

## ऑनलाइन गेम के लिए सैलरी पड़ी कम तो पड़ोसी से मांगी 30 लाख रुपये रंगदारी, दिल्ली-नोएडा के दो युवक गिरफ्तार

**ऑनलाइन गेमिंग के आदी होने के कारण दो युवकों ने पड़ोसी से रंगदारी मांगी। 30 लाख रुपये की रंगदारी नहीं देने पर परिवार के एक सदस्य को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की। इस दौरान आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।**

**गाजियाबादः** ट्रांस हिंडन क्षेत्र में ऑनलाइन गेमिंग का चस्का दो दोस्तों को ऐसा पड़ा कि उन्होंने अपनी पूरी सैलरी लगा दी। इसके बाद भी जब पैसे कम पड़े तो अपने ही पड़ोसी को कॉल कर 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। यही नहीं उसे धमकी दी कि अगर उसने यह रकम नहीं दी तो वह हर साल परिवार के एक सदस्य की हत्या कर देंगे। हिम्मत कर पड़ोसी पुलिस के पास पहुंचा। अब इस मामले में दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपियों के नाम विनोद कुमार जो दिल्ली के हर्ष विहार में रहता है और पंकज फागुनी, सेक्टर-63 नोएडा के रहने वाले हैं। 27 जून को आरोपियों ने विकास नाम के युवक को कॉल कर रुपये की डिमांड की। बात नहीं मानने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी।आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह नोएडा के एक कॉल सेंटर में जॉब करते हैं। उन्हें ऑनलाइन फेंटेसी टीम के साथ गेमिंग पर रुपये लगाने की आदत है, उसमें सैलरी पूरी कम पड़ने पर उन्होंने ज्यादा रुपये के चक्कर में यह प्लानिंग की थी। उन्होंने विनोद के परिचित और पड़ोस में रहने वाले विकास को एक मोबाइल और सिम लेकर कॉल किया। 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगी।

# बजट से उम्मीदः इस बार बजट में इंश्योरेंस पर घटना चाहिए टैक्स, डबल टैक्सेशन हो खत्म

बजट में कर रियायतों से बीमा और व्यक्तियों को लाभ हो सकता है। वार्षिकी दोहरे कराधान को समाप्त करना महत्वपूर्ण है। IRDAI के नियम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करते हैं, जिसमें गलत बिक्री भी शामिल है। सेक्टर रिटायरमेंट कॉर्पस रिफॉर्म, कम जीएसटी, इंडेक्सेशन लाभ और केवल आय पर आयकर की मांग करता है।

**नई दिल्लीः** सरकार अगर आम बजट में टैक्स में रियायत दे तो इंश्योरेंस इंडस्ट्री के साथ आम लोगों को भी फायदा होगा। खासतौर से एन्युइटी पर डबल टैक्सेशन खत्म होना चाहिए। यह कहना है HDFC लाइफ इंश्योरेंस की सीईओ विभा पडलकर का। पेश हैं अखिलेश प्रताप सिंह के साथ पडलकर की खास बातचीत के मुख्य अंशः

सवाल - टर्म इंश्योरेंस को लेकर ऐसी राय है कि कंपनियां इसको पुश नहीं करतीं। आपका क्या कहना है? इसको आंकड़ों में देखिए। दस साल पहले हमारे लिए और पूरे सेक्टर के लिए रिटेल लेवल पर टर्म प्लान की हिस्सेदारी 1% से भी कम थी। अभी यह 7-9% तक हो चुकी है। इसमें ग्रुप टर्म पॉलिसी भी जोड़ लें तो हिस्सेदारी 17-22% तक है। HDFC लाइफ की बात करें तो टर्म इंश्योरेंस के मामले में पिछले साल हमने अपनी ओवरऑल ग्रोथ की डबल रफ्तार हासिल की। टर्म इंश्योरेंस के मामले में 26% ग्रोथ रही। सम एश्योर्ड की ग्रोथ 52% थी। यह सब रिटेल का आंकड़ा है। ग्रुप टर्म इसके अलावा है। अभी हमारा प्रति व्यक्ति जीडीपी करीब 2500 डॉलर है। भारत दुनिया की 3 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा तो इसका असर दिखेगा। अवेयरनेस के साथ अफोर्डेबिलिटी भी बढ़ेगी।

सवाल - IRDAI ने लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी को मैच्योरिटी डेट से पहले सरेंडर करने पर सरेंडर वैल्यू से जुड़ा जो कदम उठाया है, उसके बारे में क्या राय है?

अभी सरेंडर वैल्यू के रेगुलेशन में यह हुआ है कि किसी वजह से कस्टमर को अगर पॉलिसी जारी नहीं रखनी हो तो हमें उन्हें ज्यादा पे करना होगा। रेगुलेटरी कंपल्शन के हिसाब से जो मिनिमम सरेंडर वैल्यू देनी होती थी, उससे अधिक हम पहले भी दे रहे थे। इरडा ने सही कदम उठाया है। इंश्योरेंस सेक्टर को अपने बिजनेस मॉडल पर नए सिरे से नजर डालनी होगी।

सवाल - इरडा की 2022-23 की रिपोर्ट दिसंबर 2023 में आई थी। उसमें कहा गया कि मिससेलिंग की शिकायतें बढ़ी हैं। क्या मिससेलिंग के चलते फंस जाने से भी लोग पॉलिसी सरेंडर कर देते हैं?

कभी-कभी हर इंडस्ट्री में मिससेलिंग हो सकती है। पॉलिसी बेचते समय ही कस्टमर को बताया जाता है कि इस प्रोडक्ट की अगले 15, 20 या 25 साल की गारंटी है, जो और कोई फाइनैंशल प्रोडक्ट नहीं दे सकता है। लोगों को भी ध्यान देना चाहिए कि अगर लिक्विडिटी चाहिए, तो उन्हें किसी और तरीके से फाइनैंशल प्लानिंग करनी चाहिए।

सवाल - इंश्योरेंस इंडस्ट्री आम बजट में क्या देखना चाहती है?

हमें देखना होगा कि हम किस तरह पेंशन सोसायटी बनेंगे। लोग जिस रिटायरमेंट कॉरपस से एन्युइटी खरीदते हैं, उस पर पहले ही टैक्स चुकाया जा चुका होता है। लेकिन जो एन्युइटी उनको मिलती है, वह भी पूरी तरह टैक्स्ड होती है। यह एन्युइटी का डबल टैक्सेशन है। अगर किसी ने 50 लाख रुपये की एन्युइटी खरीदी, तो इस 50 लाख पर टैक्स नहीं होना चाहिए। इसे कैपिटल गेंस टैक्स की तरह होना चाहिए और उस पर इंडेक्सेशन बेनेफिट मिलना चाहिए। इनकम पर टैक्स होना चाहिए, न कि कॉरपस पर। इसके अलावा टर्म इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी घटाया जाना चाहिए।

# चार साल बाद लौटा कारों पर डिस्काउंट का मौसम, जानें किस मॉडल पर कितनी मिल रही छूट

**इस समय गाड़ियों पर एक से बढ़कर एक बंपर डिस्काउंट मिल रहा है। कार खरीदने वालों के लिए इस समय अच्छा मौका है। कंपनियों ने एक से बढ़कर एक डिस्काउंट ऑफर निकाले हुए हैं। डीलर्स के मुताबिक, गाड़ियों की बढ़ती हुई इन्वेंट्री के कारण कंपनियां इस समय बंपर छूट दे रही हैं।**

**नई दिल्लीः** अगर आप कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो ये आपके पास अच्छा मौका है। करीब 4 साल के बाद कारों पर डिस्काउंट की वापसी हुई है। इस समय गाड़ियों पर एक से बढ़कर एक बंपर डिस्काउंट मिल रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (FADA) के सूत्रों के अनुसार, वर्तमान छूट (पुरानी) स्विफ्ट जैसी हैचबैक पर 15,000 से 20,000 रुपये तक और होंडा सिटी पर 50,000 रुपये से अधिक (नकद छूट, कॉर्पोरेट लॉयल्टी और एक्सचेंज प्रोग्राम सहित) है। **यहां मिल रही बंपर छूट** FADA के अतिरिक्त डेटा से पता चलता है कि कुछ उच्च ऑफ़र हैचबैक और सेडान पर उपलब्ध हैं, जिसमें मारुति सुजुकी ऑल्टो K10 पर 42,000 रुपये (मैनुअल पेट्रोल वेरिएंट पर अधिकतम) तक की छूट मिल रही है। मारुति सुजुकी वैगनआर पर लाभ 25,000 रुपये से 30,000 रुपये के बीच है, और हुंडई ग्रैंड i10 निओस पर 18,000 रुपये से 35,000 रुपये तक है। सेडान के मोर्चे पर, हुंडई ऑरा 23,000 रुपये से 40,000 रुपये के लाभ के साथ आती है - सीएनजी पर सबसे अधिक - जबकि होंडा अमेज़ 40,000 रुपये (एक्सचेंज ऑफ़र और कॉर्पोरेट छूट सहित) से अधिक प्राप्त कर रही है।

यहां तक कि महंगी इलेक्ट्रिक गाड़ियों और एसयूवी पर भी छूट मिल रही है, हुंडई अल्काजार पर 45,000 रुपये से 65,000 रुपये तक की छूट मिल रही है, महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी पर 1.5 लाख रुपये तक का लाभ मिल रहा है और होंडा सिटी ईएचईवी पर 65,000 रुपये तक की छूट मिल रही है।

**इस वजह से मिल रहा डिस्काउंट**

डीलरों का कहना है कि इसका मुख्य कारण उनके पास बढ़ती हुई इन्वेंट्री है। FADA के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, 'जून और जुलाई सुस्त महीने हैं। इसलिए स्वाभाविक रूप से छूट अधिक है, लेकिन यह भी इसलिए है क्योंकि इन्वेंट्री का स्तर 55-60 दिनों का है। पिछले तीन महीनों से इसमें वृद्धि हो रही है। महिंद्रा थार जैसे कुछ मॉडल अभी भी वेटिंग लिस्ट में हैं। मारुति सुजुकी की नई स्विफ्ट और अर्टिगा जैसी अन्य कारों पर कोई छूट नहीं है। लेकिन आम तौर पर हैचबैक और सेडान पर छूट बहुत अधिक होती है।' ऑटो उद्योग के विशेषज्ञों ने कहा कि खुदरा मूल्य के प्रतिशत के रूप में छूट के मामले में छोटी कारें सबसे ऊपर हैं। JATO Dynamics के अनुसार, ऑल्टो, बोलेरो नियो, एस-प्रेसो, सेलेरियो और इग्निस में सबसे अधिक छूट-कीमत प्रतिशत है। JATO Dynamics के अध्यक्ष रवि भाटिया ने कहा, 'जून 2024 के लिए सबसे अधिक प्रतिशत छूट वाले शीर्ष 10 मॉडलों के डेटा से पता चलता है कि त्यौहारी अवधि की प्रत्याशा में इन्वेंट्री बिल्ड-अप के जवाब में छूट में वृद्धि हुई है। पिछले दिनों कार की कीमतों में काफी वृद्धि हुई थी, जिसने मांग वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, भले ही एसयूवी की बिक्री में तेजी आ रही है।'

# क्रिप्टो जगत की महारानी रुजा इग्नाटोवा कौन, अमेरिका ने क्यों रखा है 42 करोड़ का इनाम?

**रुजा इग्नाटोवा को क्रिप्टो जगत में 'क्रिप्टोक्वीन' के नाम से जाना जाता है। उस पर अमेरिका ने 50 लाख डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) का इनाम घोषित किया है। यह इनाम उन लोगों को दिया जाएगा जो उसकी गिरफ्तारी में मदद करेंगे। रुजा इग्नाटोवा 'वनकॉइन' नाम की एक फर्जी क्रिप्टोकरेंसी की फाउंडर थी।**

**नई दिल्लीः** क्रिप्टो जगत में 'क्रिप्टोक्वीन' के नाम से मशहूर रुजा इग्नाटोवा पर अमेरिका ने 50 लाख डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) का इनाम घोषित किया है। रुजा 'वनकॉइन' नाम की फर्जी क्रिप्टोकरेंसी की संस्थापक थी। इसके जरिए उसने दुनिया भर के निवेशकों को लगभग 400 करोड़ डॉलर का चूना लगाया। अमेरिका और जर्मनी दोनों ही देशों में रुजा पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप हैं। अक्टूबर 2017 में अमेरिका से भागने के बाद से ही रुजा फरार है। उसकी तलाश में FBI जुटी हुई है।

**कौन है रुजा इग्नाटोवा?** रुजा इग्नाटोवा मूल रूप से बुल्गारिया की रहने वाली जर्मन नागरिक है। उसकी उम्र 44 साल है। उसने अपने साथी सेबस्टियन कार्ल ग्रीनवुड के साथ मिलकर सबसे पहले 'बिगकॉइन' नाम की एक फर्जी क्रिप्टोकरेंसी लॉन्च की थी। इसके बाद 2014 में उसने सोफिया में 'वनकॉइन' नाम की एक और फर्जी क्रिप्टोकरेंसी लॉन्च की। दुनियाभर के निवेशकों से अरबों डॉलर जुटाए। बाद में पता चला कि 'वनकॉइन' असली क्रिप्टोकरेंसी नहीं थी। न ही इसके पीछे कोई सुरक्षित ब्लॉकचेन तकनीक थी, जैसा अन्य क्रिप्टोकरेंसी में होता है। **कैसे लगाया निवेशकों को चूना?** अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जब 'वनकॉइन' के निवेशक अपने वॉलेट में लॉग-इन करते थे तो उन्हें केवल कुछ बेतरतीब संख्याएं ही दिखाई देती थीं। अमेरिकी सरकार ने 'वनकॉइन' को दुनिया के सबसे बड़े फ्रॉड में से एक बताया है। यह एक क्लासिक 'पोंजी स्कीम' थी, जिसमें शुरुआती निवेशकों को दूसरों को निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। बाद में आने वाले निवेशकों के पैसों से उन्हें भुगतान किया जाता है। 'वनकॉइन' की कीमतें हमेशा से ही फर्जी तरीके से तय की जाती थीं, क्योंकि इसका कोई स्वतंत्र आधार नहीं था। जहां बिटकॉइन की कीमतों में उतार-चढ़ाव आता रहता था। वहीं, 'वनकॉइन' की कीमत में लगातार बढ़ोतरी होती रही। जनवरी 2015 में जहां इसकी कीमत 0.5 यूरो थी। वहीं, जनवरी 2019 में इसकी कीमत बढ़कर 29.95 यूरो हो गई। **ऐसे उड़ गए निवेशकों के होश** 'वनकॉइन' का कभी भी किसी सार्वजनिक एक्सचेंज पर कारोबार नहीं हुआ। इग्नाटोवा ने इसका कारोबार करने के लिए 'एक्सकॉइनएक्स' नाम का एक निजी एक्सचेंज बनाया था। लेकिन, इसे इस तरह से डिजाइन किया गया था कि निवेशक जल्दी से अपने पैसे न निकाल सकें। अगर आपके पास 1,000 'वनकॉइन' थे तो आप एक दिन में अधिकतम 15 (1.5%) ही बेच सकते थे। इसके अलावा इस बात की भी कोई गारंटी नहीं थी कि आपका बिक्री ऑर्डर पूरा भी होगा। जनवरी 2017 से 'एक्सकॉइनएक्स' हमेशा 'मेंटेनेंस' के नाम पर बंद रहता था, जिससे 'वनकॉइन' को बेचना लगभग असंभव हो गया था। अक्टूबर 2017 में अमेरिका में अपने खिलाफ आरोप तय होने के दो हफ्ते बाद ही इग्नाटोवा सोफिया से एथेंस के लिए एक फ्लाइट से फरार हो गई। माना जाता है कि उसने अपने अमेरिकी प्रेमी के घर पर भी बग लगा रखे थे।

# लोन लेकर शुरू किया यह काम, आज MBA ड्रॉपआउट की 12 लाख रुपये महीने कमाई!

**नई दिल्लीः** शंकर मीणा ने 2017 में 'जीवन मशरूम' नाम के वेंचर की शुरुआत की। यह राजस्थान की पहली कंपनियों में से एक है जो मशरूम स्पॉन (बीज) उपलब्ध कराती है। कंपनी पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई तरह के मशरूम के बीज की डिस्ट्रीब्यूटर है। नई यूनिट खुलने से कंपनी का टारगेट अपने मासिक स्पॉन प्रोडक्शन को बढ़ाकर 80 टन करने का है। इस स्टार्टअप को शंकर मीणा ने लोन लेकर शुरू किया था। आज वह इससे हर महीने करीब 12 लाख रुपये कमाते हैं।

**बिजनेस में शुरू से थी दिलचस्पी** शंकर मीणा का कारोबारी सफर 2013 में उनके MBA (फाइनेंस) के दौरान शुरू हुआ। वह खेती-बाड़ी के माहौल में पले-बढ़े थे। अप्रत्याशित मौसम की स्थिति के चलते किसानों को होने वाली वित्तीय अस्थिरता से शंकर मीणा अच्छी तरह वाकिफ थे। कॉमर्स बैकग्राउंड वाले शंकर मीणा अपनी आय का विश्वसनीय स्रोत बनाना चाहते थे जो प्रकृति की अनिश्चितताओं पर निर्भर न हो। भले ही वह MBA कर रहे थे, लेकिन उनकी असली दिलचस्पी अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने में थी।

**कई जगह से ली ट्रेनिंग** मशरूम की खेती की जटिलताओं में महारत हासिल करने के लिए शंकर ने कई संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त किया। 2016 की शुरुआत में उन्होंने सोलन में ICAR-डायरेक्टरेट ऑफ मशरूम रिसर्च में ट्रेनिंग ली जो खाने योग्य और औषधीय मशरूम के अध्ययन पर केंद्रित है। उन्होंने हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन (HAIC) और बेंगलुरु में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

**मशरूम स्पॉन उत्पादन में देखे अवसर** जनवरी 2017 में शंकर मीणा ने जयपुर में अपने घर पर पहला प्रयोग शुरू किया। इसमें दिल्ली से स्पॉन के साथ लगभग 40 बैग सीप मशरूम का इस्तेमाल किया गया था। शुरुआती सफलता मिलने पर उन्होंने अपने मशरूम दोस्तों और परिवार वालों को शेयर किए। हालांकि, उन्हें जल्द ही एहसास हुआ कि राजस्थान में मशरूम स्पॉन की कमी है। इसके कारण शंकर ने केवल मशरूम की खेती करने के बजाय बीज उत्पादन (मशरूम स्पॉन) में अधिक क्षमता देखी।

**आज 12 लाख रुपये महीने की कमाई** 2013 में पहला समेस्टर होने के बाद ही शंकर ने एमबीए छोड़ दिया था। उन्होंने पूरी ताकत मशरूम की खेती को समझने में झोंक दी थी। 9 लाख रुपये का लोन लेकर उन्होंने 9 हजार वर्ग फीट में मशरूम उगाना शुरू किया था। 2017 आते-आते उन्होंने जीवन मशरूम की नींव रख दी थी। यह कंपनी कई तरह के मशरूमों की बिक्री करती है। इनमें बटन, ऑयस्टर, लायन्स मेन, शिटेक और गैनोडर्मा शामिल हैं। शंकर ने आज भारत में अच्छा मार्केट बेस बना लिया है। भूटान, नेपाल और अमेरिका में भी वह मशरूम भेजते हैं। अपने कारोबार से वह 12 लाख रुपये महीने कमा लेते हैं।

# सिर्फ 10,000 लगाने वालों को इस शेयर ने बना दिया करोड़पति, 232541% की छलांग

**चंडीगढ़ की कंपनी स्टाइलम इंडस्ट्रीज निवेशकों के लिए सोने की खान साबित हुई है। पिछले 20 सालों में इस कंपनी के शेयरों ने 2,32,541% की अविश्वसनीय बढ़ोतरी दर्ज की है, जो इसे एक शानदार मल्टीबैगर बनाता है। यह निश्चित रूप से उन लोगों के लिए खुशी की बात है जिन्होंने 20 साल पहले इस कंपनी में निवेश किया था।**

**नई दिल्लीः** चंडीगढ़ की कंपनी स्टाइलम इंडस्ट्रीज के शेयरों ने पिछले 20 साल में 2,32,541 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी दिखाई है। यह इसे शानदार मल्टीबैगर बनाता है। कंपनी हाई-प्रेशर लैमिनेट्स, परफॉर्मेंस लैमिनेट्स (HPL), स्पेशलिटी लैमिनेट्स, एक्सक्लूसिव सरफेस, एक्रेलिक सॉलिड सरफेस और कॉम्पैक्ट लैमिनेट्स बनाती है। यह तेजी जापानी कंपनी एआईसीए कोग्यो की ओर से स्टाइलम में हिस्सेदारी खरीदने की खबरों के बाद आई। इससे निवेशकों में उत्साह बढ़ा है। ब्रोकरेज फर्म इन्वेस्टेक ने शेयर को 'खरीदें' की रेटिंग दी है। उसने 2,362 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यह मौजूदा बाजार मूल्य से 18.55 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है। स्टाइलम इंडस्ट्रीज के शेयर गुरुवार को बढ़त के साथ 1992.40 रुपये पर बंद हुए थे। बुधवार को शेयर में लगभग 10% की तेजी आई थी। यह 1,850.15 रुपये पर बंद हुआ था। हालांकि, शुक्रवार को शेयर 2.81 फीसदी की गिरावट के साथ 1921.95 रुपये पर बंद हुआ। 20 साल पहले 25 जून, 2004 को यह शेयर सिर्फ 0.85 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसका मतलब है कि अगर किसी ने 20 साल पहले 10,000 रुपये का निवेश किया होता तो आज उसकी कीमत 2,32,54,100 रुपये यानी करीब 2.32 करोड़ रुपये होती। **आगे कैसा कर सकता है स्टॉक?** इन्वेस्टेक ने अपनी रिपोर्ट में स्टाइलम इंडस्ट्रीज के मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन के अनोखे तरीके की तारीफ की है। ब्रोकरेज ने कहा कि इस वजह से कंपनी वित्त वर्ष 2004 से वित्त वर्ष 2024 तक अपनी कमाई में लगभग 30 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) हासिल करने में कामयाब रही है। हालांकि, स्टाइलम इंडस्ट्रीज का प्रति यूनिट राजस्व अपने प्रतिस्पर्धियों से कम रहा है, लेकिन कंपनी को बेहतर ऑपरेटिंग मार्जिन का फायदा होता है। भविष्य के बारे में बात करते हुए इन्वेस्टेक का अनुमान है कि स्टाइलम इंडस्ट्रीज के विस्तार से रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉयड (RoCE) में आकर्षक बढ़ोतरी होगी। ब्रोकरेज का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2026 के बीच लैमिनेट व्यवसाय में 17 फीसदी CAGR से वॉल्यूम में बढ़ोतरी होगी। वहीं, 19 फीसदी CAGR से रेवेन्यू बढ़ेगा। इसी अवधि के दौरान EBITDA और कर-पश्चात लाभ (PAT) 19% और 11% CAGR से बढ़ने की उम्मीद है। प्रति शेयर आय (EPS) के 11% CAGR से बढ़ने की उम्मीद है। इन्वेस्टेक ने यह भी कहा कि संभावित रणनीतिक निवेश स्टाइलम इंडस्ट्रीज की तकनीक, वितरण और ब्रांड पोजिशनिंग क्षमताओं को बढ़ा सकता है।

**क्यों आई है शेयरों में तेजी?**

स्टाइलम इंडस्ट्रीज के शेयरों में यह तेजी पिछले महीने आई खबरों के बाद आई है कि जापानी कंपनी एआईसीए कोग्यो भारतीय लैमिनेट निर्माता स्टाइलम इंडस्ट्रीज में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि एआईसीए कोग्यो शेयर खरीद समझौते (SPA) के जरिये स्टाइलम के प्रमोटरों से 14% हिस्सेदारी हासिल करने पर विचार कर रही है।

# भारत का विदेशी मुद्रा भंडार $81.6 करोड़ बढ़ $653.71 पर पहुंचा, पाकिस्तान के लिए मायूसी क्यों?

**भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के आंकड़ों के अनुसार, 21 जून को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर हो गया। यह पिछले सप्ताह के 652.89 अरब डॉलर से थोड़ा अधिक है। विदेशी मुद्रा भंडार में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में वृद्धि और विदेशी मुद्रा लेनदेन में लाभ के कारण हुई है।**

**नई दिल्लीः** देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जून को समाप्त सप्ताह में 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वकालिक ऊंचा स्तर सात जून को 655.82 अरब डॉलर रहा था। इसके उलट 21 जून को खत्म हुए हफ्ते में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 23.90 करोड़ डॉलर घट गया। यह घटकर करीब 8.9 अरब डॉलर रह गया। बाहरी कर्जों की अदायगी के कारण पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई।

**फॉरेन करेंसी एसेट्स में बढ़ोतरी**

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के आंकड़ों के मुताबिक, 21 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.6 करोड़ डॉलर घटकर 574.13 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

**गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी बढ़ा**

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 98.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.96 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.05 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 90 लाख डॉलर घटकर 4.57 अरब डॉलर रही।

# अनिश्चित समय में कौन सा म्यूचुअल फंड देता है बेहतर रिटर्न, जानते हैं आप?

मुंबईः कहा जाता है कि शेयर बाजार में निवेश (Share Market Invvestment) एक दीर्घकालिक प्रयास है। इसके लिए धैर्य, अनुशासन और मौलिक सिद्धांतों पर टिके रहने की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि आपकी निवेश यात्रा के दौरान, अनिश्चितता की अवधि आएगी। इसमें आपके पोर्टफोलियो का मूल्य प्रभावित होगा। उदाहरण के लिए, हाल ही में चुनावी अनिश्चितता के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव था जो बाद में केंद्र में सरकार बनने के बाद कम हो गया।

बाजार में अस्थिरता अभिन्न अंग शेयर बाजार में आप चाहे किसी भी एसेट क्लास में निवेश करते हों, अस्थिरता हर परिसंपत्ति वर्ग का एक अभिन्न अंग है। एक सफल निवेशक वह माना जाता है जो तनाव-मुक्त तरीके से अस्थिर समय से निपटने में सक्षम है। इजी इन्वेस्टोलॉजी के सीईओ नरेश मलहोत्रा कहते हैं कि एक रणनीति के रूप में मल्टी-एसेट निवेश के पास सुखद निवेश अनुभव प्रदान करने के लिए एक स्थापित और सफल दीर्घकालिक ट्रैक रिकॉर्ड है। **मल्टी एसेट क्या सुनिश्चित करता है?** मलहोत्रा के मुताबिक मल्टी एसेट निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो तीन या अधिक परिसंपत्ति वर्गों में फैला हुआ हो। इसमें इक्विटी, डेट, सोना, रियल एस्टेट आदि हैं। यह एसेट्स एकाग्रता जोखिमों को काफी कम करने में सहायता करता है, जबकि पोर्टफोलियो एक बेहतर रिटर्न देता है। **अनिश्चित समय में मददगार** लंबी अवधि में उच्च रिटर्न प्रदान करते हुए जोखिम-प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, मल्टी एसेट निवेश के माध्यम से एसेट अलोकेशन प्रक्रिया निवेशकों को अनिश्चित समय से आसानी से निपटने में मदद करती है। एक सामान्य व्यक्ति के लिए, कई परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करना एक कठिन काम हो सकता है। ऐसी स्थिति में, विभिन्न म्यूचुअल फंड हाउसों द्वारा मल्टी एसेट एलोकेशन म्यूचुअल फंड है, जिसके जरिये आप निवेश कर सकते हैं। इस श्रेणी में सबसे पुराना आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी-एसेट फंड है। 21 वर्षों से अधिक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, फंड ने शुरुआत से ही 21.39% सीएजीआर का मजबूत रिटर्न दिया है। 31 मई, 2024 तक फंड ने एक साल में 31.57% का प्रभावशाली रिटर्न दिया है और तीन साल और पांच साल में क्रमशः 22.24%, 19.45% का स्वस्थ सीएजीआर रिटर्न दिया है।

एक नजर.....

## ब्रिटेन में विपक्षी नेता ने सुनक को पाकिस्तानी कहा:गाली भी दी, बोले- वह किसी काबिल नहीं; मस्जिद को पब बना देना चाहिए

**लंदन** ब्रिटेन में रिफॉर्म UK पार्टी के लीडर नाइजल फराज के लिए चुनावी कैंपेन करने वाले एक शख्स ने PM ऋषि सुनक पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उनसे सुनक के लिए नस्लवादी शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें गाली भी दी। ब्रिटेन के चैनल 4 न्यूज ने रिफॉर्म पार्टी के कार्यकर्ता एंड्रयू पार्कर का एक वीडियो भी जारी किया है।

इसमें पार्कर ने कहा, "मैंने हमेशा से ब्रिटेन के चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी का समर्थन किया है, लेकिन अब वे भी लेबर पार्टी की तरह बन गए हैं। आज एक पाकिस्तानी हमारा नेतृत्व कर रहा है। वह किसी काबिल नहीं है।" पार्कर ने इस दौरान सुनक को गाली भी दी। उनके इस वीडियो पर सुनक ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, "नाइजल फराज के लिए काम करने वाले शख्स ने मुझे गाली दी है। मुझे दुख है कि मेरी 2 बेटियों को यह सब सुनना पड़ा। मुझे इससे गुस्सा आ रहा है और फराज को इसका जवाब देना होगा।"

**पार्कर ने कहा- इस्लाम धर्म के लोग सबको मुस्लिम बनाना चाहते हैं** सुनक पर टिप्पणी के अलावा पार्कर ने वीडियो में इस्लाम के लिए भी अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया। उसने इस्लाम को सबसे बेकार धर्म बताया। पार्कर ने कहा कि इस्लाम धर्म के लोग सभी को मुस्लिम बनाना चाहते हैं। उन्हें मस्जिदों से बाहर निकाल देना चाहिए। इसके बाद सभी मस्जिदों को पब और क्लब में बदल देना चाहिए। पार्कर ने ब्रिटेन आने वाले अवैध प्रवासियों पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को आर्मी में नए लोगों को भर्ती करना चाहिए। इन्हें निशाना लगाने की ट्रेनिंग देने के लिए अवैध प्रवासियों को शूट करने की इजाजत देनी चाहिए।

**सुनक से माफी नहीं मांगेंगे नाइजल फराज**

रिफॉर्म पार्टी के लीडर नाइजल फराज ने इस मुद्दे पर सुनक से माफी मांगने से इनकार कर दिया है। उन्होंने पार्कर के बयान को अपने खिलाफ एक साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि पार्कर को उनकी विपक्षी पार्टियों ने यह सब कहने के पैसे दिए थे। वे पार्टी की छवि खराब करना चाहते हैं। हालांकि, मामले का खुलासा करने वाले चैनल 4 न्यूज के नाइजल के दावों को खारिज किया है। वहीं पार्कर ने कहा है कि वह पार्ट टाइम एक्टर है और अपनी मर्जी से रिफॉर्म पार्टी के लिए कैंपेन करने पहुंचा था। नाइजल फराज ब्रिटेन के एक दक्षिणपंथी नेता हैं। वे इमिग्रेशन पर रोक लगाना चाहते हैं। यह आठवीं बार है जब फराज ब्रिटेन का सांसद बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

**नस्लवादी टिप्पणी करने पर रिफॉर्म पार्टी के 166 उम्मीदवारों को हटाया गया** ब्रिटेन में नस्लवाद के खिलाफ काम करने वाले ऑर्गेनाइजेशन होप नॉट हेट की रिपोर्ट के मुताबिक, रिफॉर्म UK पार्टी ने इस साल चुनाव से पहले अब तक 166 उम्मीदवारों के नाम वापस ले लिए हैं। इन सब पर नस्लवादी या आपत्तिजनक बयान देने के आरोप हैं। पिछले हफ्ते BBC को दिए एक इंटरव्यू में फराज ने कहा था कि पश्चिमी देशों ने रूस को यूक्रेन पर हमला करने के लिए उकसाया था। उनके इस बयान की काफी आलोचना हुई थी।

**सुनीता विलियम्स को वापस लाने की जल्दी नहीं, 90 दिनों तक बढ़ सकता है मिशन... नासा का अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी पर बड़ा बयान**

**वॉशिंगटनः** नासा की भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स स्पेस में फंसी हैं। बोइंग स्टारलाइनर के जरिए वह अपने साथी बुच विल्मोर के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) में गई थीं। लेकिन अब वह वहां फंस गई हैं। बोइंग कैप्सूल में खराबी के कारण ऐसा हुआ है। नासा ने अब कहा है कि उसके दोनों अंतरिक्ष यात्री अधिक समय तक स्पेस में रहेंगे। क्योंकि इंजीनियर बोइंग कैप्सूल में पैदा हुई समस्याओं का निवारण करने में लगे हैं।

# तुर्की और ताइवान के F-16 को मात दे चुका है मिराज फाइटर जेट, भारत यूं ही कतर से नहीं ले रहा

**भारत और कतर के बीच सेकंड हैंड मिराज 2000 लड़ाकू विमानों को लेकर बात चल रही है। कतर ने भारत को 12 मिराज लड़ाकू विमानों की पेशकश की है, जो बहुत ही अच्छी स्थिति में हैं। अगर कतर से सौदा होता है तो भारतीय बेड़े में मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी।**

**दोहाः** हाल ही में कतर ने भारत को एक दर्जन मिराज 2000 फाइटर जेट देने की पेशकश की है। मिराज लड़ाकू विमानों ने कारगिल युद्ध और बालाकोट एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। कतर की पेशकश ऐसे समय में आई है, जब भारतीय वायु सेना विमानों की कमी को भरने के लिए प्रयासरत है। बीते 21 जून को कतर के एक प्रतिनिधिमंडल ने विमानों की बिक्री को लेकर दिल्ली में भारतीय रक्षा अधिकारियों के साथ चर्चा की। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, कतर ने 5000 करोड़ रूपये (600 मिलियन डॉलर) में 12 मिराज 2000 विमानों की पेशकश कर रहा है, जबकि भारत उन्हें अधिक उचित मूल्य पर प्राप्त करने के लिए इच्छुक है।

भारतीय रक्षा अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि कतर ने विमान की वर्तमान स्थिति के बारे में प्रेजेंटेशन दिया है। कतरी अधिकारियों ने बताया है कि विमान बहुत अच्छी स्थिति में हैं। भारतीय वायुसेना मिराज 2000 के साथ इसकी अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव पर विचार कर रही है, क्योंकि भारतीय संस्करण अधिक उन्नत है। चूंकि, भारतीय और कतरी जेट के इंजन एक जैसे हैं, इसलिए उनका रखरखाव आसान होगा। **मिराज के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स** साल 2021 में एक फ्रांसीसी फर्म के साथ हुए सौदे की बदौलत भारतीय वायुसेना के पास अपने विमानों के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स और उपकरण हैं। ऐसे में अगर कतर से सौदा हो जाता है, तो IAF के बेड़े में मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी। मिराज को चार दशक पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था और यह आज भी मुख्य विमानों में से एक है। राफेल के शामिल होने से पहले तक मिराज-2000 दुश्मन के इलाके में हमला करने के लिए सबसे पसंदीदा और शक्तिशाली भारतीय जेट था। 1985 में शामिल होने के बाद से यह भारत के लिए भरोसेमंद विमान रहा है। अपग्रेड के साथ भारतीय वायु सेना 2040 तक मिराज जेट का उपयोग जारी रखेगी। **मिराज ने दिलाई है भारत को हमेशा जीत** भारतीय वायु सेना अपने इस भरोसेमंद लड़ाकू विमान की तारीफ करती रही है। एयर मार्शल आर नांबियार (रिटायर्ड) ने कारगिल युद्ध के दौरान मिराज 2000 से उड़ानें भरी थीं। उन्होंने 2019 में कहा था कि विमान का शामिल होना सटीकता और मारक क्षमता के मामले में भारतीय वायु सेना के लिए एक गेम चेंजर था। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध हो या बालाकोट एयर स्ट्राइक, मिराज 2000 ने देश को हमेशा निर्णायक जीत दिलाई है। भारत ही नहीं, मिराज-2000 के साथ फ्रांस को भी सफलता मिली है। इस विमान ने मिस्र, ग्रीस, ताइवान, पेरू, संयुक्त अरब अमीरात, ब्राजील और कतर में शानदार प्रदर्शन किया है।

# लाल सागर में हूती विद्रोहियों का जहाज पर हमला, दागे 5 मिसाइल, अमेरिका के हटते ही बढ़ गए अटैक

**दुबईः** यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर शुक्रवार को मिसाइल हमले किए। ब्रिटेन की सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोही इस अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन' (यूकेटीएमओ) केंद्र ने बताया कि यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं। यूकेटीएमओ ने बताया कि इन हमलों मे पोत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने शुक्रवार रात दावा किया था कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में पोतों पर दो हमले किए हैं लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यूकेटीएमओ ने किस पोत पर हुए हमले की जानकारी दी है। विद्रोहियों ने मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिए अब तक 60 से अधिक पोत को निशाना बनाया है और इन हमलों में चार नाविक मारे गए हैं। हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में जनवरी से कई हवाई हमले किए गए हैं। **युद्ध खत्म करने की मांग** विद्रोहियों के अनुसार, 30 मई को हुए हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी और 42 अन्य घायल हुए थे। हूती विद्रोहियों का हालांकि कहना है कि वह इजराइल, अमेरिका या ब्रिटेन के पोतों को ही निशाना बनाता है, लेकिन ऐसे कई पोतों पर हमला किया गया है जिनका इजराइल-हमास युद्ध से कोई लेना-देना नहीं था। विद्रोही इजराइल से गाजा में युद्ध की समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक इजरायल के हमले नहीं रुकते तब तक वह हमले जारी रखेंगे।

इजरायल में अडानी के बंदरगाह पर हमले का दावा, हूती विद्रोहियों पर क्या बोली सेना

**अमेरिका के निकलते ही बढ़े हमले** हूतियों के हमले तब बढ़े हैं जब अमेरिका ने अपना विमानवाहक पोत लाल सागर से निकाल लिया है। इससे पहले पिछले सप्ताह हूती विद्रोहियों के एक हमले में मालवाहक पोत लाल सागर में डूब गया था। हूती विद्रोहियों के हमले में यह जहाज डूबने का दूसरा मामला था।

# मैं पहले की तरह युवा नहीं हूं... जो बाइडन ने माना डिबेट में खराब प्रदर्शन, अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को हराने की खाई कसम

**गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए ट्रंप और बाइडन के बीच बहस हुई। टीवी पर हुई इस बहस में बाइडन का प्रदर्शन बेहद खराब माना गया। उनकी पार्टी के कई लोग चाहते हैं कि वह उम्मीदवारी छोड़ दें। लेकिन अब बाइडन ने संकेत दिया है कि वह पीछे नहीं हटने वाले।**

**वॉशिंगटनः** अमेरिका में अब चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। गुरुवार को अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच डिबेट हुई। इस डिबेट में बाइडन का बेहद खराब प्रदर्शन रहा। शुक्रवार को बाइडन ने कहा कि उनका इरादा रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को हराने का है। वहीं उन्होंने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया कि वह कमजोर बहस के कारण राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने का विचार करेंगे। हालांकि ट्रंप के साथ उनकी बहस देख पार्टी के लोग मायूस हैं। डिबेट के एक दिन बाद उत्तरी कैरोलिना में एक रैली में बाइडन ने अपनी उम्र और उससे होने वाली मुश्किलों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि मैं एक युवा व्यक्ति नहीं हूं। मैं पहले की तरह चल नहीं सकता। मैं पहले की तरह सहजता से नहीं बोलता। मैं पहले की तरह बहस नहीं करता। अगर मुझे पूरे दिल और आत्मा से विश्वास होता कि मैं यह काम नहीं कर सकता तो दोबारा मैदान में नहीं उतरता, क्योंकि जो दांव पर लगा है वह बहुत बड़ा है।' बहस के दौरान उनकी लड़खड़ाहट और गलत प्रतिक्रियाओं ने मतदाताओं को चिंतित कर दिया है। लोगों का मानना है कि वह चार साल के दूसरे कार्यकाल के लिए फिट नहीं होंगे। यही कारण है कि बहस के बाद CNN के पोल में 33 फीसदी लोगों ने ही बाइडन को चुना। बाकी 67 फीसदी ट्रंप के पक्ष में रहे।

**ट्रंप का प्रदर्शन रहा बेहतर** अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए टेलीविजन पर प्रसारित पहली बहस देखने वाले ज्यादातर लोगों की नजर में मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के मुकाबले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रदर्शन बेहतर रहा। यह वर्ष 2020 की उस स्थिति के उलट है, जब बहस देखने वालों ने 81 वर्षीय डेमोक्रेट (बाइडन) को उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के मुकाबले बेहतर उम्मीदवार के रूप में देखा था। व्हाइट हाउस में दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बाइडन बहस के दौरान लड़खड़ाते नजर आए जिससे डेमोक्रेट के शीर्ष नेताओं के बीच इस बात को लेकर खतरे की घंटी बज गई है कि क्या मौजूदा राष्ट्रपति अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले के कठिन महीनों के दौरान शीर्ष पर रह सकते हैं।

**ट्रंप और बाइडन में क्या हुई बहस**

पांच नवंबर को होने वाले चुनाव को लेकर दोनों नेताओं के बीच बृहस्पतिवार को करीब 90 मिनट तक आक्रामक बहस हुई। इस दौरान अर्थव्यवस्था, आव्रजन, विदेश नीति, गर्भपात और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर राष्ट्रपति बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के भावी उम्मीदवार माने जा रहे 78-वर्षीय ट्रंप के बीच वार-पलटवार देखने को मिला। दोनों नेताओं ने एक दूसरे को झूठा और अमेरिका के इतिहास का सबसे खराब राष्ट्रपति करार दिया। ट्रंप ने कहा, 'हम एक तीसरी दुनिया के देश जैसे हैं और यह शर्म की बात है। अब हमारा सम्मान नहीं किया जाता।'

## पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के 'घुसकर मारेंगे' वाले बयान पर भड़का तालिबान, पाकिस्तान को अंजाम भुगतने की धमकी

**इस्लामाबादः** पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को एक बार फिर आरोप लगाया कि अफगानिस्तान के पाकिस्तान के अंदर आतंकवाद का निर्यात किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान के अंदर कार्रवाई का अधिकार है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के इस बयान के बाद अफगानिस्तान पर शासन करने वाला तालिबान भड़क गया है। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान को सीधी धमकी देते हुए कहा है कि अफगानिस्तान के क्षेत्र में किसी भी तरह के प्रत्यक्ष का अप्रत्यक्ष हमले के गंभीर परिणाम होंगे और ऐसा करने वालों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

**ख्वाजा आसिफ ने क्या कहा था?**

पाकिस्तान की संसद में बोलते हुए ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को कहा था कि 'दो दिन पहले मैंने कहा था कि अफगानिस्तान से आतंकवाद हमारी धरती पर फैल रहा है और वहां आतंकवादियों के छिपे होने के सबूत हैं।' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि 'हमें अपने लोगों की रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने का भी अधिकार है।' आसिफ ने कहा कि अगर दोनों देश भाईचारे वाले रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता है।

**तालिबान ने दी अंजाम भुगतने की धमकी**

आसिफ के बयान पर तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करके कहा, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का अफगानिस्तान की संप्रभुता के संभावित उल्लंघन वाला बयान गैरबुद्धिमत्तापूर्ण और स्थिति को खराब करने वाला है, जिसके किसी को फायदा नहीं होगा। पाकिस्तानी नेतृत्व को संवेदनशील मुद्दों पर इस तरह के सनसनीखेज बयान देने से बचना चाहिए। इसमें आगे कहा गया कि अफगानिस्तान का राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय चेतावनी देता है कि हमारे क्षेत्र में किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष हो, उसके गंभीर परिणाम होंगे। इसमें यह भी कहा गया कि इस्लामिक अमीरात (तालिबान) जोर देकर कहता है कि अफगान जमीन का उपयोग किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं होने देता है। आसिफ के बयान की तालिबान ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान के विपक्षी नेताओं ने भी निंदा की है।

# अफगानिस्तान का ऐलान, तालिबान करेगा पलटवार?

**अमेरिका में शुक्रवार को पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट के बाद बाइडेन से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी वापस लेने की मांग हो रही है। दरअसल, शुक्रवार को डोनाल्ड ट्रम्प से हुई बहस में वे बेहद कमजोर नजर आए।**

अमेरिका के ज्यादातर मीडिया हाउस ने डिबेट में ट्रम्प को ही विजेता घोषित किया। अब मांग हो रही है कि उप-राष्ट्रपति और भारतवंशी कमला हैरिस को ही डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवार बनाया है। हैरिस फिलहाल बाइडेन की रनिंग मेट हैं यानी फिर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं। दरअसल, डेमोक्रेटिक पार्टी ने अब तक आधिकारिक तौर पर बाइडेन की उम्मीदवारी की घोषणा नहीं की है। ऐसे में वे उम्मीदवार बदल सकते हैं।

हालांकि, बाइडेन इस साल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी का चुनाव जीत गए थे। इसका मतलब ये है कि 19 अगस्त को शिकागो में होने वाले डेमोक्रेटिक पार्टी के कन्वेंशन में डेलीगेट्स को बाइडेन को वोट करना होगा। अगर वे बाइडेन को वोट नहीं करना चाहते तो पार्टी को वोटिंग के नियमों में बदलाव करना पड़ेगा। फिलहाल जो नियम हैं उनके मुताबिक पार्टी डेलीगेट्स उम्मीदवारी जीतने वाले प्रत्याशी को ही वोट कर सकते हैं। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक अगर अब बाइडेन की उम्मीदवारी वापस ली जाती है, तो यह अमेरिका के इतिहास में पहली बार होगा, जब कोई पार्टी ऐसा कदम उठाएगी। ऐसे में इस बात की संभावना जताई जा रही है कि बाइडेन खुद ही राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से अपना नाम वापस ले लें। हालांकि, इसकी उम्मीद कम हैं। डिबेट के बाद नॉर्थ कैरोलिना में पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए बाइडेन ने जोशीला भाषण दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अब जवान नहीं हूं, मैं उतनी आसानी से नहीं चल पाता जितनी आसानी से पहले चलता था। पहले की तरह बोलता नहीं, बहस नहीं करता। पर मैं सच बोलना जानता हूं, मैं सही और गलत जानता हूं, मुझे पता है राष्ट्रपति का काम कैसे करना है। मैं करोड़ों अमेरिकियों की तरह गिरकर उठना जानता हूं।'

**कमला को नॉमिनेट कर सकते हैं बाइडेन** द गार्डियन के मुताबिक अगर बाइडेन अपना नाम वापस लेते हैं, तो वे किसी ऐसे व्यक्ति को नॉमिनेट कर सकते हैं, जो उनके करीब हो। इनमें अमेरिका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम सबसे आगे है। हालांकि, ऐसा होने पर हैरिस उम्मीदवार नहीं बनेंगीं। इसके लिए उन्हें शिकागो कन्वेंशन में दूसरे दावेदारों के साथ चुनाव लड़ना पड़ेगा।

डिबेट में बाइडेन के सुस्त रवैये और पोल्स में ट्रम्प को जीतता हुआ देखने के बाद सबसे पहले कमला हैरिस ही उनके बचाव में उतरी थीं। उन्होंने कहा था कि हम इस बहस से जो हासिल करना चाहते थे, वो हमने किया। यह दर्शाता है कि हमारे राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी से आने वाली कमला अमेरिकी इतिहास में उपराष्ट्रपति बनने वाली पहली महिला और इस पद पर पहुंचने वाली भारतीय मूल की भी पहली महिला हैं। कमला हैरिस हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी और हेस्टिंग्स कॉलेज ऑफ लॉ से ग्रैजुएट हैं।

2010 से 2014 के बीच वह 2 बार कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल रहीं। 2017 से 2021 तक वह अमेरिकी सीनेटर रहीं। 20 जनवरी 2021 को वह अमेरिका की 49वीं उपराष्ट्रपति बनी थीं। 2022 में बाइडेन की कोलोनोस्कोपी के दौरान वो 85 मिनट के लिए अमेरिका की राष्ट्रपति भी रहीं थीं।

कमला हैरिस के बाद राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की रेस में दूसरा नाम गैविन न्यूसम का है। 56 साल के गैविन कैलिफोर्निया के गवर्नर हैं। डिबेट के बाद उन्होंने उन अफवाहों को खारिज किया था, जिसमें कहा जा रहा था कि बाइडेन अब राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार नहीं होंगे।

## धर्म से कट्टर कैथोलिक, एक्सीडेंट में बीवी और बेटी को खोया... 81 साल के जो बाइडन फिर अमेरिका में ट्रंप को दे रहे चुनौती

*जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप का पहली राष्ट्रपति बहस में आमना-सामना हुआ, इसमें अमेरिकी मतदाताओं को राष्ट्रपति पद के लिए अब तक के दो सबसे उम्रदराज उम्मीदवारों को सुनने का मौका मिला। इस दौरान दोनों में तनातनी दिखी और दोनों प्रतिद्वंद्वियों ने हाथ भी नहीं मिलाया और जमकर निशाना साधा।*

***वॉशिंगटनः** अमेरिका चुनाव में लगातार दूसरी बार डेमोक्रेटिक पार्टी के कैंडिडट जो बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप का मुकाबला होने जा रहा है। गुरुवार को दोनों पहली बार जॉर्जिया में पहली राष्ट्रपति बहस में एक-दूसरे के सामने आए। बाइडन मौजूदा प्रेसीडेंट हैं तो ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति हैं। ये चुनाव दोनों कैंडिडेट की उम्र के लिहाज से भी खास बन गया है। अमेरिकी चुनाव में पहली बार दोनों मुख्य उम्मीदवार इतनी ज्यादा उम्र के हैं। डोनाल्ड ट्रंप की उम्र 78 साल है तो जो बाइडन 81 साल हैं। 81 साल की उम्र में दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए चुनावी ताल ठोक रहे जो बाइडन अमेरिकियों के साथ साथ दुनियाभर का ध्यान खींच रहे हैं।*

*81 साल के जो बाइडन का लंबा राजनीतिक करियर रहा है और वो अमेरिकियों के लिए कोई नया चेहरा नहीं है। राष्ट्रपति बनने से पहले बाइडन 2009 से 2017 तक बराक ओबामा के अधीन उपराष्ट्रपति के तौर पर काम कर चुके हैं। सीनेटर के तौर पर भी उनको करीब पांच दशक का अनुभव है। उन्हें पहली बार 29 साल की उम्र में डेलावेयर के मतदाताओं ने चुना था, तो वह युवा सीनेटरों में से एक थे।*

***भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं बाइडन***

*एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, जो बाइडन का जन्म 1942 में पेंसिल्वेनिया के स्क्रैंटन में हुआ था, वह चार भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं। उनके पिता ने कई अलग-अलग नौकरियां कीं। उन्हें शुरुआती जीवन में कई आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। धर्म के मोर्चे पर बाइडन एक कट्टर कैथोलिक हैं और नियमित रूप से प्रार्थना सभा में भाग लेते हैं। हालांकि वे गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करते हैं। एक पारिवारिक व्यक्ति के रूप में बिडेन ने अपने बेटे हंटर के प्रति अपने प्यार और समर्थन की घोषणा करने में कोई संकोच नहीं किया, जिसे हाल ही में क्रैक कोकीन की लत के दौरान एक हैंडगन खरीदने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। बाइडन ने निजी जिंदगी में कई दुखों का भी सामना किया है।*

# पैन इंडिया होगी धनुष की अगली फिल्म, साथ में नजर आएंगे नागार्जुन व रश्मिका मंदाना

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक शेखर कम्मुला की अगली फिल्म गुरुवार को एक पूजा समारोह के साथ हैदराबाद में लॉन्च की गई। अभी तक नामांकित मल्टी-स्टारर फिल्म में नागार्जुन और रश्मिका मंदाना स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे।

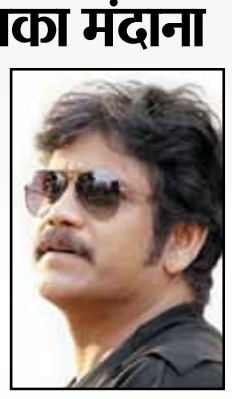

हालांकि निर्माता इस परियोजना के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन परियोजना की शूटिंग बुधवार को फिर से शुरू हो गई। धनुष ने अपने पहले दिन कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग की और निर्माताओं ने इस महीने के लिए एक शेड्यूल की योजना बनाई है। श्री वेंकटेश्वर सिनेमाज के तहत सुनील नारंग और पुस्कुर राम मोहन राव द्वारा निर्मित, यह फिल्म सोनाली नारंग द्वारा प्रस्तुत की गई है। पूजा समारोह में धनुष, शेखर, निर्माता और कुछ अन्य लोग शामिल हुए। निकेथ बोम्मी को इस परियोजना के लिए छायाकार के रूप में चुना गया है। निर्माताओं ने अभी बाकी कलाकारों और क्रू की घोषणा नहीं की है। यह फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। ष्हहर, जिसे धनुष, नागार्जुन, शेखर कम्मुला के रूप में विस्तृत किया गया है, आज 18 जनवरी को एक पूजा समारोह के साथ लॉन्च किया गया, जिसमें सुनील नारंग, पुस्कुर राम मोहन राव, भरत नारंग, जान्हवी नारंग और अन्य शामिल हुए। नियमित शूटिंग कल, 17 जनवरी से शुरू हुई, जिसमें टीम ने धनुष के साथ कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग की। दो बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर, 'फ़िदा' और 'लव स्टोरी' बनाने के बाद, शेखर कम्मुला अपनी अगली फिल्म लेकर आ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक यह फिल्म तकनीकी पहलुओं के मामले में भी दमदार होगी। शेखर की पिछली फिल्में फिदा और लव स्टोरी जबरदस्त हिट रही थीं, इसलिए इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। धनुष की कैप्टन मिलर 12 जनवरी को संक्रांति के अवसर पर तमिल में रिलीज़ हुई थी और 25 जनवरी को तेलुगु में रिलीज़ होगी। अभिनेता अपने 50वें प्रोजेक्ट के साथ लेखन और निर्देशन में भी वापसी कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग जारी है। ष्ठ50 में निथ्या मेनन, एसजे सूर्या, संदीप किशन, कालिदास जयराम, वरलक्ष्मी सरथकुमार और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। नागार्जुन की ना सामी रंगा 14 जनवरी को रिलीज हुई थी और इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। अभिनेता ने अभी तक किसी अन्य परियोजना की घोषणा नहीं की है।

# आस्क मी सेशन में सामंथा ने किया खुलासा - चैतन्य से शादी करना सबसे बड़ी गलती!

साउथ इंडस्ट्री की हिट अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु फिल्मों के अलावा निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं। अभिनेत्री के साउथ में ही नहीं हिंदी सिनेमा में भी काफी फैंस हैं। सामंथा समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़ती देखी जाती हैं। हाल ही में, सामंथा ने सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन की मेजबानी की। इस दौरान प्रशंसकों ने तमाम सवाल पूछे। वहीं, इनमें से एक सवाल में सामंथा की जीवन में सबसे बड़ी गलती के बारे में पूछा गया? जिस पर दिया गया अभिनेत्री का बयान सुखियों में छाया हुआ है। इस सेशन के दौरान एक यूजर ने सामंथा ने पूछा, आपने अपने जीवन में सबसे बड़ी गलती क्या कौन सी की है, जिससे अपने एक बड़ा सबक हासिल किया है? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, शायद सबसे बड़ी गलती मेरी खुद की पसंद और नापसंद, जिसको में सही से समझ नहीं पाई। मैं उस समय अपने साथी की ओर कुछ ज्यादा ही आकर्षित थी, लेकिन कुछ समय बाद मुझे उस गलती का एहसास हुआ। वह कठिन समय मेरे लिए एक सबक था। सामंथा का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और प्रशंसकों ने मान लिया कि अभिनेत्री अपने पूर्व पति और अभिनेता नागा चैतन्य के बारे में बात कर रही हैं। सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य की मुलाकात फिल्म ये माया चेसवा की शूटिंग के दौरान हुई थी। लंबी दोस्ती और डेटिंग के बाद दोनों ने अक्तूबर 2017 में धूमधाम से शादी रचाई। हालांकि, बाद में इन दोनों स्टार्स का रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चला और अक्तूबर 2021 में उन्होंने अलग होने की घोषणा की।

### सामंथा का वर्कफंट

सामंथा रुथ प्रभु के वर्कफंट की बात करें तो, अभिनेत्री ने ईगा, डुकुडु सीथम्मा वकिटलो सिरिमले चेट्टु, अटारिंटिकी डेरेडी, कैथी और द फैमिली मैन 2 जैसी फिल्मों में काम किया है। सामंथा प्रभु हाल ही में विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म कुशी में देखा गया था। अभिनेत्री सिटाडेल इंडिया में बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन के अपोजिट नजर आएंगी। इस सीरीज का निर्देशन द फैमिली मैन फेम मशहूर निर्देशक की जोड़ी राज एंड डीके कर रहे हैं।

# इंडियन पुलिस फोर्स में अपने किरदार पर बोले सिद्धार्थ

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की रिलीज के लिए तैयार हैं। सिद्धार्थ वेब सीरीज के प्रचार में जुटे हुए हैं, जिसके लिए वे दिल्ली पहुंचे और यहां उन्होंने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर दिल्ली पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की। इस दौरान सिद्धार्थ ने अपने दिल्ली के जीवन को याद किया और अपने अनुभव साझा भी साझा किए। साथ ही उन्होंने दिल्ली पुलिस की तारीफ करते हुए उनके काम को सराहा। दिल्ली में अपने बिताए दिनों को याद करते हुए सिद्धार्थ ने बताया कि मैं हमारे दिल्ली पुलिस से स्कूल और कॉलेज में मिलता था, लेकिन जब आप कॉलेज में होते हो, तब आप काफी अनजान होते हो। एक नागरिक के रूप में हम हमेशा चाहते हैं कि आपके अधिकारी और सरकार आपको बेहतर सेवा प्रदान करें। जीवन में एक निश्चित बिंदु तक पहुंचने और विभिन्न चीजों के बारे में जागरूकता हासिल करने के बाद अब मुझे लगता है कि पुलिस सेवा देश की सबसे कठिन नौकरियों में से एक है, क्योंकि आप पुलिस अधिकारी लगातार नागरिकों के साथ व्यवहार कर रहे हैं और सभी कॉलोनियों और क्षेत्रों में सभी आयु समूहों के साथ बातचीत कर रहे हैं, मुझे लगता है कि आप प्रतिभाशाली हैं। सिद्धार्थ ने आगे कहा कि मैं यह भी मानता हूं कि आप प्रतिभाशाली हैं, क्योंकि लोग सोच सकते हैं कि हर किसी को संबोधित करना हमारा काम कठिन है, लेकिन आप सभी पुलिस अधिकारी अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए जनता से धैर्यपूर्वक बात करते हैं। एक अभिनेता के रूप में मैं बेहद सम्मानित महसूस करता हूं कि मुझे बड़े पर्दे पर वर्दी पहनने का मौका मिला, जैसा कि रोहित शेट्टी कहते हैं कि हम रील हीरो हैं, आप पुलिस अधिकारी असली हीरो हैं। वहीं वेब सीरीज के रिलीज की बात करें तो सात भाग की हाई-ऑक्टेन एक्शन सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स रोहित शेट्टी के डिजिटल निर्देशन की पहली सीरीज है, जो सिद्धार्थ मल्होत्रा के ओटीटी डेब्यू का भी प्रतीक है। सीरीज में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, विवेक ओबेरॉय, श्वेता तिवारी, निकितिन धीर, ऋतुराज सिंह और ललित परिमू महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे। इंडियन पुलिस फोर्स का प्रीमियर 19 जनवरी 2024 को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर होने वाला है।

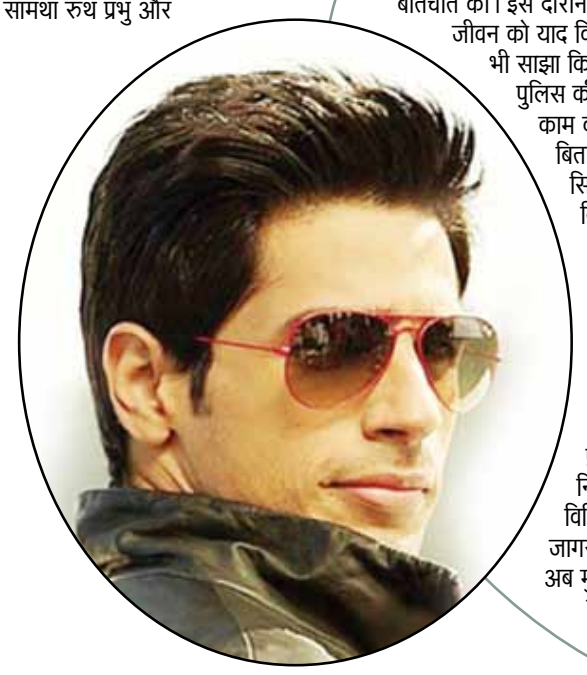

# रहसान नूर के साथ कोको एंड नट में काम करेंगी प्रनूतन बहल

हिंदी सिनेमा की महान अभिनेत्री दिवंगत नूतन की पोती और अभिनेता मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन बहल अपने करियर के नए चरण की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। अब वे जल्द ही हॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। प्रनूतन फिल्म कोको एंड नट में अमेरिकी अभिनेता और फिल्म निर्माता रहसान नूर के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। प्रनूतन कोको एंड नट फिल्म से रहसान नूर के साथ हॉलीवुड डेब्यू करने के लिए उत्साहित हैं। यह रोमांटिक जॉनर की फिल्म बताई जा रही है। इसका निर्देशन खुद रहसान नूर ने किया है। उनकी आखिरी फिल्म 2018 की बंगाली ब्यूटी थी, जिसे समीक्षकों ने भी खूब सराहा था। कोको एंड नट की कहानी की बात करें तो यह एक महत्वाकांक्षी युवा महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार प्रनूतन ने निभाया है, जो अपनी शादी बचाने की चुनौतियों से जूझ रही हैं। उनके जीवन में एक अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब उन्हें अपने कॉलेज प्रेमी यानी रहसान नूर से समर्थन मिलता है। अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में निर्मित होने वाली इस फिल्म की पूरी शूटिंग जून से जुलाई तक शिकागो में होने वाली है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत दोनों से विविध कलाकार और क्रू शामिल होंगे। अपने हॉलीवुड डेब्यू को लेकर प्रनूतन ने कहा, मैं हमेशा से एक रोमांटिक ड्रामा करना चाहती थी। कोको एंड नट एक खूबसूरत कहानी है, जिसमें मेरा किरदार नट अपने जीवन में एक परिवर्तनकारी चरण से गुजरता है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैंने ऐसी फिल्म के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत की। फिल्म को लेकर रहसान नूर ने कहा, फिल्म बनाने का एक और मौका पाकर मैं वास्तव में आभारी हूं। वह भी एक ऐसे विषय पर, जो न केवल मेरे लिए व्यक्तिगत है, बल्कि एक ऐसा विषय है, जिससे मैंने दुनिया भर में बहुत से लोगों को जुड़ा हुआ पाया है। जब आप अपने जीवन साथी की तलाश कर रहे हों तो आपको वास्तव में कैसे पता चलेगा कि आपको वह मिल गया है या नहीं। अपनी मातृभूमि की फिल्मों के प्रति प्रेम के साथ मैं दूसरी पीढ़ी के कई अन्य दक्षिण एशियाई अमेरिकियों की तरह बड़ा हुआ हूं, इसलिए हम अंग्रेजी और हिंदी में कोको और नट बना रहे हैं। इस फिल्म में प्रनूतन के साथ काम करना सौभाग्य की बात है, जिस समय मैंने उन्हें नोटबुक में देखा, मैं उनकी प्रतिभा से प्रभावित हो गया और जानता था कि मुझे एक दिन उनके साथ काम करना है। कोको एंड नट में प्रनूतन बहल और अमेरिकी अभिनेता-फिल्म निर्माता रहसान नूर मुख्य भूमिका में हैं।

# मौका मिला तो करूंगी बायोपिक में काम

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी फिल्म खो गए हम कहां की सफलता का जश्न मना रही हैं। हर तरफ उनके काम की तारीफ हो रही है। तीन दोस्तों की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को जो सफलता मिली है, अनन्या ने कभी उसकी कल्पना भी नहीं की थी। फिल्म में उन्होंने अहाना का किरदार निभाया है जो नौकरी छोड़कर अपना जिम का बिजनेस संभालना चाहती है। अनन्या पांडे का किरदार आज की युवा पीढ़ी की उलझनों और परेशानियों को दिखाता है। पिछले दिनों मीडिया से बात करते हुए अनन्या ने बताया कि अब वे कैसी फिल्में करना चाहती हैं।

### बायोपिक में करना चाहेंगी काम

अनन्या पांडे ने अभी तक कई ऐसी फिल्में की हैं जिनमें उनका किरदार एक प्यारी सी लड़की का रहा है। अब अनन्या कुछ अलग और नया करना चाहती हैं। मीडिया से बातें करते हुए उन्होंने कहा, मैं अब किसी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहती हूं। मैं किसी महिला खिलाड़ी या फिर किसी महान गायिका के बायोपिक में काम करना चाहूंगी। मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो सभी वर्ग के दर्शकों को पसंद आए। अनन्या पांडे के लिए साल 2023 काफी लकी रहा। अनन्या की दो फिल्में ड्रीम गर्ल 2 और खो गए हम कहां रिलीज हुई थीं। दोनों ही फिल्मों में उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने काफी पसंद किया। खो गए हम कहां में के किरदार से अनन्या ने दर्शकों को पूरी तरह प्रभावित किया है। आने वाले दिलों में अनन्या पांडे कंट्रोल और द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर में नजर आएंगी।

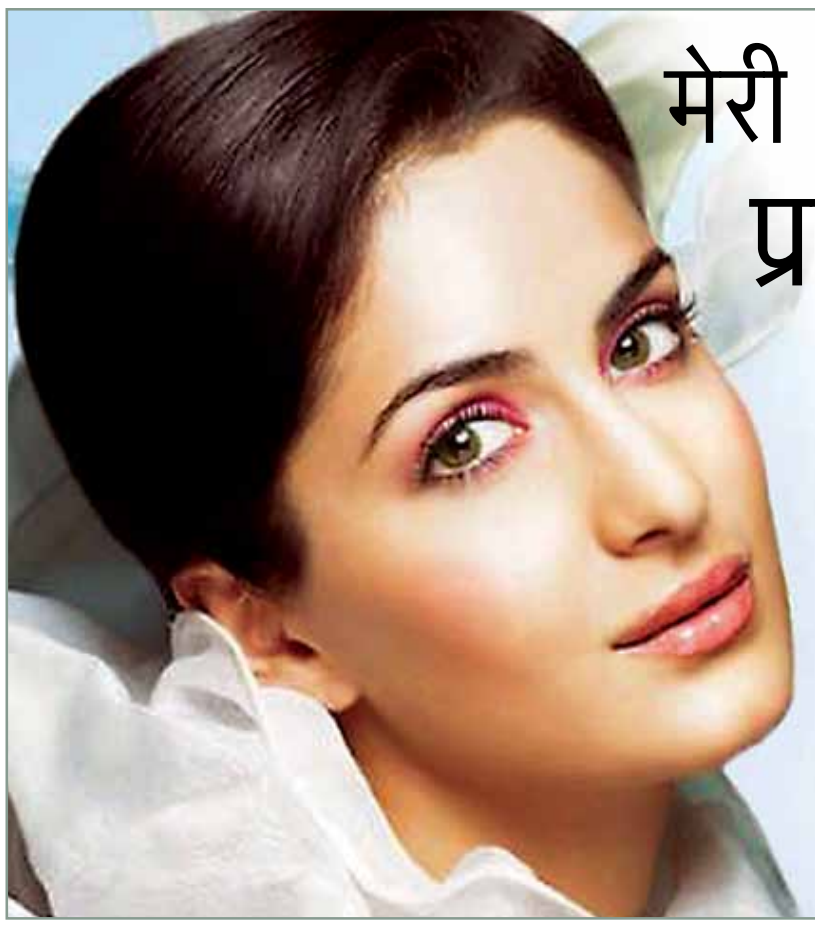

# मेरी क्रिसमस को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से खुश हैं कैटरीना

अभिनेत्री कैटरीना कैफ इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म मेरी क्रिसमस की सफलता का आनंद ले रही हैं। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वह विजय सेतुपति के अपोजिट नजर आई हैं। दर्शकों को फिल्म में इनकी केमिस्ट्री काफी पसंद आई है। दर्शक उनकी अदाकारी और केमिस्ट्री की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में कटरीना ने फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया पर बात की है। कैटरीना कैफ ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा, मैं लंबे समय से श्रीराम सर के साथ कुछ करना चाहती थी और हमने इस बारे में कई बार बातचीत की थी, जिस शैली को वह अपनी पिछली फिल्मों के माध्यम से खोजते हैं, उसमें एक निश्चित कच्चापन और वास्तविकता है। मगर इससे परे, एक मानवीय गुण है, जो उनकी फिल्मों के किरदारों में दिखता है, जो मेरे लिए आकर्षक था। एक कलाकार के तौर पर मेरी क्रिसमस एक ऐसा अवसर है, जो आपको हर दिन नहीं मिलता है। फिल्म को जिस तरह की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, उससे मैं बहुत खुश हूं। मेरी क्रिसमस में कैटरीना ने मारिया का किरदार निभाया है। श्रीराम राघवन ने फिल्म में कैटरीना कैफ से उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ अभिनय कराया है। अपने बॉयफ्रेंड के दोस्त से शादी करने वाली मारिया का ये किरदार एक मां की लाचारी से उपजा है। उन्होंने अपने किरदार को लेकर कहा, श्रीराम सर आपको चम्मच से खाना नहीं खिलाते। वह आपको यह बताते हैं कि आप सीन में क्या महसूस कर रहे हैं और किरदार उन स्थितियों पर कैसी प्रतिक्रिया देगा, जिसमें वह हैं। वह आपको ईमानदारी की खोज करवाते हैं। इसलिए मेरी क्रिसमस पर काम करना एक ही समय में बेहद फायदेमंद और चुनौतीपूर्ण था। यह बहुत गहन प्रक्रिया थी, लेकिन अद्भुत थी। उन्होंने आगे कहा, मेरे किरदार और विजय सेतुपति के किरदार के बीच एक लंबा सीन था और श्रीराम सर चाहते थे कि हम इसकी प्रैक्टिस करें। पहली बार ऐसा करने के बाद, मैंने उनसे पूछा कि हम सीक्वेंस कब शूट करने जा रहे हैं और उन्होंने बस मुझे बताया कि सही समय जब होगा। हमने हर दिन उस सीन को लेकर प्रैक्टिस की, जब तक कि उन्हें ये पता नहीं चल गया कि हर कोई पूरी तरह से तालमेल बिठा रहा है और तभी उन्होंने इसे शूट किया। उन्होंने बताया कि जिस तरह उन्होंने यह शूट किया, उसकी उन्हें उम्मीद नहीं थी।

# बारबाडोस के समंदर में कूद जाएगा वो... रोहित शर्मा पर सौरव गांगुली ने क्यों दिया ऐसा बयान




**भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका से भिड़ने वाली है। हालांकि इस महामुकाबले से पहले कप्तान रोहित शर्मा को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने बड़ा बयान दिया है।**

**नई दिल्ली:** भारतीय क्रिकेट टीम आठ महीने के अंदर दूसरा विश्व कप फाइनल खेलने उतरेगी। उनका सामना शनिवार को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से होगा। बारबाडोस में इस महामुकाबले का आयोजन होने वाला है। भारत 19 नवंबर को 2023 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था। टीम इंडिया उस वर्ल्ड कप के फाइनल में बिना कोई मुकाबला हारे पहुंची थी। अब टीम के पास आईसीसी खिताब के सूखे के अपने लंबे इंतजार को खत्म करने का एक और सुनहरा मौका है। हालांकि भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर भारत आगामी फाइनल में भी हार जाता है तो रोहित बारबाडोस के समंदर में कूद जाएंगे।

**हार गए तो वह समंदर में कूद जाएंगे- सौरव गांगुली** गांगुली ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह सात महीने के अंदर विश्व कप के दो फाइनल हारेंगे। अगर वह सात महीने में अपनी कप्तानी में दो फाइनल हार जाते हैं तो वह शायद बारबाडोस महासागर में कूद जाएंगे। उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, शानदार बल्लेबाजी की और मुझे उम्मीद है कि यह कल भी जारी रहेगा। आशा है कि भारत खिताब के साथ अभियान खत्म करेगा। टीम को बेखौफ होकर खेलना चाहिये।'

**आईपीएल के सबसे सफल कप्तान में से एक रोहित** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को 5 बार आईपीएल का चैंपियन बनाया है। हालांकि हिटमैन अब भी बतौर कप्तान पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार कर रहे हैं। हर किसी को यही उम्मीद है कि वेस्टइंडीज में हिटमैन अपने इस इंतजार को खत्म करें और भारत को अपनी कप्तानी में विश्व विजेता बनाएं।

# टी20 वर्ल्ड कप की खिताबी जंग में भारत के सामने साउथ अफ्रीका, किसका सपना होगा पूरा




एक जून को शुरू हुआ टी20 वर्ल्ड कप 2024 अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। 20 टीमों के इस टूर्नामेंट में 54 मुकाबलों के बाद अब दो ही खिताब की रेस में है। बारबाडोस के ब्रिजडाउन शहर में बने केंसिंगटन ओवल पर भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला होगा। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम इंग्लैंड को हराकर फाइनल में पहुंची है। टीम ने अभी तक अपने सभी मुकाबले जीते हैं। साउथ अफ्रीका ने डार्क हॉर्स अफगानिस्तान को सेमीफाइनल में हराया। साउथ अफ्रीकी टीम पहली बार वर्ल्ड कप का फाइनल खेल रही है। दूसरी तरफ भारत भी 10 साल बाद टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में है। टी20 वर्ल्ड कप की खिताबी जंग में भारत के सामने साउथ अफ्रीका, किसका सपना होगा पूरा

**विराट कोहली की खराब फॉर्म चिंता का विषय** भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस पूरे वर्ल्ड कप में अपने रंग में नजर नहीं आए। उन्होंने अब तक 7 पारियों में सिर्फ 75 रन बनाए हैं। उनका फॉर्म में ना होना भारत के लिए थोड़ा चिंता का विषय है। साउथ अफ्रीका ने कई करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की है। श्रीलंका के खिलाफ 6 विकेट से जीतने के बाद टीम ने नीदरलैंड्स को 4 विकेट, बांग्लादेश को 4 रन और नेपाल को एक रन से हराया। सुपर-8 में अमेरिका के खिलाफ 18 रनों से जीत हासिल करने के बाद एडेन मार्करम की टीम ने इंग्लैंड को 7 से हराया। वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर-8 के आखिरी मैच में जीत हासिल कर साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची। डार्क हॉर्स अफगानिस्तान को 56 रन ऑलआउट कर टीम ने सेमीफाइनल को 9 विकेट से अपने नाम किया। IND vs SA Final LIVE: भारत ने आयरलैंड पर 8 विकेट के जीत के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज किया था। फिर टीम ने पाकिस्तान को 6 रन और अमेरिका को 7 विकेट से हराकर सुपर-8 में जगह बनाई। कनाडा के खिलाफ मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। भारत ने अपने ग्रुप राउंड के मैच अमेरिका में खेले थे। सुपर-8 में रोहित शर्मा की टीम ने अफगानिस्तान को 47 रन, बांग्लादेश को 50 रन और ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया। सेमीफाइनल में इंग्लैंड पर 68 रनों से जीत मिली। T20 World Cup Final: क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्करम (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कागिसो रबाडा, एनरिक नोर्टजे, तबरेज शम्सी, ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्ज़ी, ब्योर्न फोर्टुइन, रयान रिकेल्टन। IND vs SA FINAL: रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल। नमस्ते, मैं, ऋषिकेश कुमार और हमारी टीम के साथी नित्यानंद पाठक, अंशुल तलमले, जितेंद्र कुमार और राहिल सैयद आपका टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लाइव ब्लॉग में स्वागत करते हैं। दुनिया को आज नया टी20 वर्ल्ड चैंपियन मिलने वाला है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच केंसिंगटन ओवल मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताबी मुकाबला है। 2007 की चैंपियन टीम इंडिया अपना दूसरी खिताब जीतना चाहेगी। वहीं एडेन मार्करम की टीम पहली बार किसी वर्ल्ड कप के फाइनल में है।

# पहले बैटिंग या फिर बॉलिंग, टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में टॉस जीतने वाली टीम क्या करेगी?

**भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगी। इस मैच में बारिश की आशंका है और इसी वजह से टॉस का रोल काफी अहम होने वाला है। ऐसे में रोहित शर्मा या एडेन मार्करम टॉस जीतते हैं तो क्या फैसला करेंगे?**

**ब्रिजटाउन:** भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताबी मुकाबला कुछ ही घंटों में शुरू होने वाला है। बारबाडोस के ब्रिजटाउन स्थित केंसिंगटन ओवल में यह खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। भारत को अभी तक टूर्नामेंट में एक भी हार नहीं मिली है। साउथ अफ्रीका भी अपने सभी मैच जीतकर फाइनल तक पहुंची है। इस खिताबी मुकाबले में टॉस पर भी सभी की नजरें रहने वाली हैं। मैच की शुरुआत रात 8 बजे होगी और टॉस उससे आधे घंटे पहले 7 बजकर 30 मिनट पर।

**टॉस जीतकर पहले क्या करें?** किसी भी मैच में सबसे बड़ा सवाल होता है कि टॉस जीतकर पहले क्या करें? कई बार टॉस के समय लिया गया फैसला ही हार की वजह बन जाता है। टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले मैच में टॉस जीतने वाली टीम पहले बैटिंग करना चाहेगी। भले ही मैच के दौरान बारिश आने की आशंका है लेकिन केंसिंगटन ओवल के मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होता है। वैसे भी बड़े मैच में टीम पहले बैटिंग ही करना चाहती है। केंसिंगटन ओवल के मैदान के रिकॉर्ड को देखें तो अभी तक यहां 31 मैच हुए हैं। इसमें लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को सिर्फ 11 जीत मिली है। यानी करीब 35 प्रतिशत मुकाबले ही बाद में खेलने वाली टीम जीती है। इसमें तीन मैच इस टी20 वर्ल्ड कप के ही हैं। सुपर-8 में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल की थी। एक मैच ओमान और स्कॉटलैंड का था। यानी साफ है कि छोटी टीमें ही पहले खेलकर यहां हारी हैं।

# 12 महीने में तीसरा फाइनल... राहुल द्रविड़ ने अपने आखिरी मैच से पहले किसका मांगा साथ




**भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताबी मुकाबला खेलने के लिए तैयार है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ यह मुकाबला 12 महीने में भारतीय टीम का यह तीसरा आईसीसी फाइनल होगा। यह भारतीय टीम के हेड कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का भी आखिरी मुकाबला होने वाला है।**

**ब्रिजटाउन:** भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 के खिताबी मुकाबले में साउथ अफ्रीका से भिड़ने के लिए तैया है। इस मैच से पहले टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि पिछले 12 महीनों में भारत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, यही कारण है कि टीम तीन ICC फाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम इस टी20 वर्ल्ड कप में भी काफी मजबूत दिख रही है। कुछ ऐसा ही पिछले साल घरेलू मैदान पर वनडे वर्ल्ड कप में था, लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी।

**राहुल द्रविड़ ने क्या कहा?** राहुल द्रविड़ का भारतीय हेड कोच के रूप में यह आखिरी मुकाबला है। वह खिताब जीतकर अपने कार्यकाल का अंत करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि टीम को लक का साथ भी चाहिए। टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल से पहले उन्होंने कहा, 'अच्छा है कि हम लगातार अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। हम तीनों फॉर्मेट के फाइनल में पहुंचे हैं और इसका श्रेय खिलाड़ियों को जाता है। अगर हम अच्छा खेलते हैं और थोड़ा किस्मत साथ दे तो हम निश्चित रूप से जीत हासिल करेंगे।

**टीम के प्रदर्शन को सराहा** भारतीय टीम लगातार अलग-अलग मैदान पर खेल रही है। हर मैदान पर टीम ने अच्छा किया है। राहुल द्रविड़ ने इसपर कहा, 'मुझे लगता है सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने एक टीम के रूप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इस पूरे टूर्नामेंट में हमने परिस्थिति के हिसाब से ढाला है और पहचाना है कि अच्छा स्कोर क्या होगा। न्यूयॉर्क में हमने एक तरह से खेला, फिर सेंट लूसिया में अलग तरह से और फिर बारबाडोस में भी हमने अच्छा खेला, जहां मुझे लगा कि खेल काफी धीमा था। मैं बस यही उम्मीद कर रहा हूं कि हम आगे जो भी चुनौती सामना करें, उसे पहचानने और उसी के अनुसार खेलने में सक्षम होंगे, जैसा कि हमने पिछले तीन मैचों में किया है।'

# भारत और साउथ अफ्रीका का ट्रैक रिकॉर्डःवर्ल्ड कप नॉकआउट में इंडिया का सक्सेस रेट 57%



भारत और साउथ अफ्रीका के बीच आज रात 8 बजे से टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल होगा। टीम इंडिया को 2007 से इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी का इंतजार है, वहीं साउथ अफ्रीका ने आज तक एक भी वर्ल्ड कप नहीं जीता।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने 7 नॉकआउट मैच खेले, 4 जीते और 3 गंवाए। साउथ अफ्रीका इस बार सेमीफाइनल जीती। यह वर्ल्डकप के नॉकआउट मुकाबलों में उसकी पहली जीत है। इससे पहले टीम ने 2 सेमीफाइनल गंवाए थे। जानते हैं दोनों टीमों का टूर्नामेंट में ट्रैक रिकॉर्ड...

**भारत तीसरे, साउथ अफ्रीका पहले फाइनल में** दोनों टीमों ने 2007 से लगातार टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया। भारत ने पहले ही टूर्नामेंट का खिताब जीता, तब अफ्रीकी टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई। टीम इंडिया 2014 में रनर अप रही, जबकि 2016 और 2022 में सेमीफाइनल हार गई। अब टीम तीसरी बार टूर्नामेंट फाइनल में पहुंची है।

नॉकआउट में भारत को 57% सफलता मिली, टीम ने 4 मैच जीते और 3 गंवाए। भारत 2009, 2010, 2012 और 2021 में ग्रुप स्टेज पार नहीं कर सका था। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका 2009 और 2014 में 2 बार सेमीफाइनल हारकर बाहर हुई। अब 10 साल बाद टीम फिर नॉकआउट स्टेज में पहुंची और सेमीफाइनल जीतकर अपने पहले फाइनल में पहुंची है। उन्होंने 67% नॉकआउट मैच गंवाए। टीम 2007, 2010, 2012, 2016, 2021 और 2022 में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। यानी ट्रॉफी, फाइनल और नॉकआउट की रेस में टीम इंडिया आगे है।

**भारत ने 69%, साउथ अफ्रीका ने 67% वर्ल्ड कप मैच जीते** भारत टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा 35 मैच जीतने वाला देश है। टीम का जीत प्रतिशत 69% है और उन्होंने 15 ही मुकाबले गंवाए हैं। साउथ अफ्रीका ने भी टी-20 वर्ल्ड कप में 15 ही मैच हारे हैं, लेकिन टीम का जीत प्रतिशत भारत से कम 67% है। उन्हें अब तक 32 मुकाबलों में जीत मिली है। हालांकि, इस बार के टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों ही टीमें अजेय हैं। भारत ने 7 और साउथ अफ्रीका ने 8 मैच जीते हैं। भारत का एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा। टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में कभी भी अजेय टीम चैंपियन नहीं बनी थी, आज दोनों में से कोई भी टीम जीते, अजेय टीम के चैंपियन नहीं बनने ट्रेंड जरूर टूट जाएगा।

# भारत की बेटियों ने रचा इतिहास, 90 साल में पहली बार हुआ ऐसा, बनाया रनों का वर्ल्ड रिकॉर्ड

**जहां एक तरफ हर किसी की नजर आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले फाइनल पर है। तो वहीं दूसरी ओर भारत की बेटियों ने इतिहास रच दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला टेस्ट के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बना डाला।**

**चेन्नई:** भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार यानी 29 जून को विश्व रिकॉर्ड बना डाला। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ चल रहे एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन महिला टेस्ट क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर बना डाला। 1934 में महिला टेस्ट क्रिकेट का आगाज हुआ था। जब से लेकर अब तक यानी 90 साल में यह पहली बार हुआ कि किसी टीम ने 600 रन का आंकड़ा पार किया हो। बता दें कि चेन्नई के एमए चिंदबरम स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट 28 जुलाई से खेला जा रहा है। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। इसका भारतीय बल्लेबाजों ने जमकर फायदा उठाया और 115.1 ओवर खेलने के बाद 6 विकेट पर 603 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित कर दिया। यह महिला टेस्ट क्रिकेट में आज तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। उन्होंने इसी साल के शुरुआत में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही 9 विकेट पर 575 रन बनाकर अपनी पारी को डिक्लेयर किया था। महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास के 5 सबसे बड़े स्कोर भारत- 603/6 बनाम साउथ अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया- 575/9 बनाम साउथ अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया- 569/6 बनाम इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया- 525 बनाम भारत न्यूजीलैंड- 517/8 बनाम इंग्लैंड

**शेफाली वर्मा ने ठोका दोहरा शतक** भारतीय महिला टीम के इस इतिहास रचने में युवा और विस्फोटक ओपनर शैफाली वर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 197 गेंद का सामना कर 205 रन की शानदार पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने 23 चौके और 8 छक्के लगाए। स्मृति मंधाना ने भी 27 चौके और 1 छक्के की मदद से 149 रन ठोके। वहीं ऋचा घोष ने भी 86 रन की लाजवाब इनिंग्स खेली। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर (69) और जेमिमा रोड्रिग्स (55) के बल्ले से भी कमाल के अर्धशतक देखने को मिले।

# टी20 वर्ल्ड कप के विजेता को मिलेंगे IPL चैंपियन से भी ज्यादा पैसे, हारने वाली पर भी होगी धनवर्षा

**भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। आइये आपको बताते हैं कि इस बार आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए कितनी प्राइज मनी रखी है।**

**बारबाडोस:** आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आज यानी 29 जून को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच फाइनल मुकाबला बारबाडोस में खेला जाएगा। हालांकि जैसे-जैसे किसी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला पास आता है। वैसे-वैसे फैंस के मन में यह सवाल उठता है कि इस टूर्नामेंट की प्राइज मनी कितनी है। या विनर्स या रनर्स अप वाली टीम को कितने पैसे मिलेंगे। जो टीमें सेमीफाइनल तक पहुंची उन्हें कितना अमाउंट मिलेगा। आपको बता दें कि आईसीसी ने इस टी20 विश्व कप के लिए रिकॉर्ड सबसे बड़ी प्राइज मनी रखी है। आज तक टूर्नामेंट के एक एडिशन में इतनी ज्यादा प्राइज मनी नहीं रखी गई है। आइये आपको बताते हैं कि टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीन, रनर्स अप, सेमीफाइनलिस्ट, सुपर 8 में बाहर होने पर आदि। टीमों को कितने पैसे मिलेंगे।

कितनी है 2024 टी20 वर्ल्ड कप की प्राइज मनी?

आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 की टोटल प्राइज मनी 11.25 मिलियन यूएस डॉलर रखी है यानी 93.51 करोड़ रुपये। वहीं जो भी टीम यह टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम करेगी उसपर जमकर नोटों की बारिश होगी। आज तक टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को इतने पैसे नहीं मिले हैं। आईसीसी ने घोषणा की है कि 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को 2.45 मिलियन यूएस डॉलर (20.36 करोड़ रुपये) की प्राइज मनी दी जाएगी। बता दें कि आईपीएल जीतने वाली टीम को 20 करोड़ ही मिलते हैं। रनर्स अप को 1.28 मिलियन यूएस डॉलर (10.64 करोड़ रुपये) मिलेंगे। सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीमों को 787,500 यूएस डॉलर (6.54 करोड़ रुपये) इनाम के रूप में मिलेंगे। इसके अलावा सुपर-8 तक पहुंचने वाली टीमों को 382,500 यूएस डॉलर (3.17 करोड़ रुपये) मिलेंगे। वहीं 9 से 12वें स्थान तक रहने वाली टीमों को 247,500 यूएस डॉलर (2.05 करोड़ रुपये) मिलेंगे। इतना ही नहीं बल्कि 13 से 20वें स्थान पर रहने वाली टीमों को भी पैसे मिलेंगे। उन्हें 225,000 यूएस डॉलर (1.87 करोड़ रुपये) से नवाजा जाएगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 एवं 1272 लालगुटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में मिजवा जनरल स्टोर मिनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं ,651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670